# कई साफ संकेत दे रहे हैं बिहार के चुनाव

● **अवधेश कुमार**

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के पहले ही राजनीतिक दलों ने करो या मरो जैसा प्रश्न बनाने की राजनीति की है। राहुल गांधी नेघ्र महीनों पहले से ही चुनाव आयोग पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाना शुरू किया। उन्होंने डर पैदा किया कि महाराष्ट्र में चुनाव आयोग ने भाजपा को जीताने के लिए मतदाताओं के नाम हटाए और जोड़े तथा मतदान के दौरान आंकड़ों तक में हेरा फेरी की और यही बिहार में दोहराया जाएगा। बड़ी तैयारी से दो बड़ी पत्रकार वार्ताएं आयोजित हुई। स्वयं उन्होंने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाली। इन सबका एक उद्देश्य यह था कि किसी तरह बिहार के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा तथा चुनाव आयोग के विरोध में आएं, विद्रोह करें, सड़कों पर उतरें और आगामी चुनाव में उसे पराजित किया जा सके। चुनाव आयोग द्वारा पूरे देश के लिए निर्धारित विशेष मतदाता परीक्षण अभियान या एस आई आर की शुरुआत बिहार से करने के कारण भी यह चुनाव शीर्ष राष्ट्रीय मुद्दा बना रहा। हालांकि अंतिम सूची में सारे आरोप धराशायी हुए, किंतु इसका एक परिणाम यह हुआ कि बिहार विधानसभा चुनाव पिछले चुनावों से इस मायने में काफी भिन्न हो गया है कि देश ही नहीं भारत में रुचि रखने वाले दुनिया की भी दृष्टि यहां लगी हुई है।

बिहार के जमीनी हालात स्पष्ट करते हैं कि राहुल गांधी, कांग्रेस और अन्य पार्टियों के प्रचंड शोर के बावजूद धरातल पर तथाकथित वोट चोरी मुद्दा बिल्कुल नहीं है। पिछले दो वर्षो से ज्यादा समय से बिहार में यात्रा कर तीसरी शक्ति के रूप में खड़े होने की कोशिश कर रहे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने इसका संज्ञान तक नहीं लिया। चुनाव प्रबंधक होने के कारण उन्हें मतदाता सूचियों, चुनाव की प्रवृत्तियों और परिणाम की अन्य अनेक नेताओं से ज्यादा अधिकृत जानकारी है। उनके एसआईआर के प्रति निरपेक्ष भाव का संदेश लोगों में यही गया कि राहुल गांधी, तेजस्वी यादव या गठबंधन के उनके अन्य साथी जानबूझकर चुनाव आयोग के साथ भाजपा के वरुद्ध लोगों के अंदर आक्रोश पैदा करने की रणनीति पर चल रहे हैं। इस रणनीति का विपक्ष के लिए सबसे बड़ी क्षति हुई कि चुनाव पूर्व के एक महत्वपूर्ण काल में बिहार सरकार के विरुद्ध संभावित मुद्दे भी उभर नहीं सके। जो मुद्दे है नहीं उसे बड़े-बड़े झूठ के आधार पर आप आरोप लगाते हैं, उत्तेजना पैदा

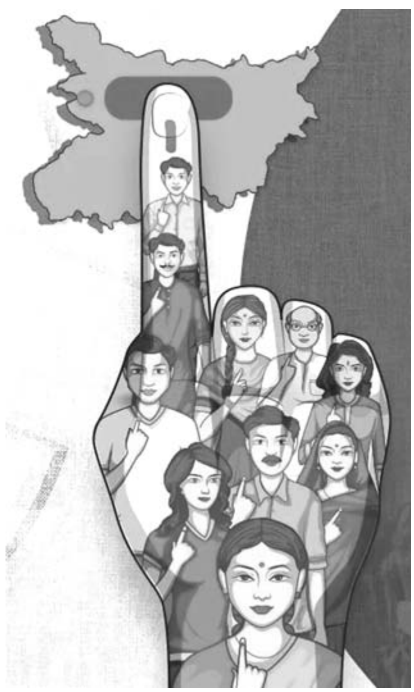

करते हैं तो आम लोगों में विरुद्ध प्रतिक्रिया होती है और जमीन पर आपकी विश्वसनीयता कमजोर होती है। बिहार में एसआईआर को लेकर लोगों के अंदर यही भाव है और इसका चुनाव पर भी न्यूनाधिक असर पड़ना है। राजद और तेजस्वी यादव को इसका भान हुआ तो उस यात्रा के बाद बिहार अधिकार यात्रा में निकलें। नाम में अधिकार यात्रा शब्द रहा लेकिन वोटर की जगह बिहार आ गया। इसमें उन्होंने सामान्य मुद्दे अवश्य उठाएं। वोटर अधिकार यात्रा के बारे में राजद की प्रमुखता वाले गठबंधन के समर्थकों की टिप्पणी यही है कि जितनी ऊर्जा, संसाधन उसमें लगाए गए उससे वास्तव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को ही लाभ हुआ।

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय वातावरण ने भी विधानसभा चुनाव को हमेशा प्रभावित किया है और बिहार में इसका असर दिख रहा है। कुछ समय से दुनिया ऐसे मोड़ पर है जहां भारत के हर व्यक्ति के अंदर राजनीतिक निर्णय को लेकर सतर्कता बढ़ी है। नेपाल की हिंसक उथल-पुथल के बाद आयोजित होने के कारण बिहार चुनाव इससे बिल्कुल अप्रभावित नहीं हो सकता। उसके पूर्व बांग्लादेश तथा श्रीलंका और इसी तरह आंदोलन में भारत के अंदर ऐसे ही करने के साफ दिखते प्रयासों के कारण बहुत बड़े वर्ग को शांति, स्थिरता, विकास और सुरक्षा पर ज्यादा संवेदनशील बनाया है। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद कुछ देशों के भारत विरोधी रवैये से राष्ट्रवाद का भाव ज्यादा प्रखर हुआ है। बिहार क्षेत्रवाद की सोच से राजनीतिक व्यवहार करने वाला राज्य नहीं रहा। पूरे देश में हिंदुत्व के आधार पर भाजपा का एक ठोस वोट बैंक बन चुका है और चुनावों में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वक्फ संशोधन कानून पर मुस्लिम संगठनों के साथ राजद, कांग्रेस आदि के खड़ा

होने तथा मुस्लिम कट्टरपंथ की घटनाओं पर उनकी चुप्पी के विरुद्ध गैर मुसलमानों के बड़े वर्ग में प्रतिक्रिया है।

कांग्रेस के कारण विपक्ष जहां एसआईआर में फंसा रहा वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर से लेकर, अपनी विदेश नीति, रक्षा नीति को लोगों तक पहुंचाने के अभियान चलाएं, प्रधानमंत्री ने लाल किले से लोगों को सीमा के साथ धार्मिक और नागरिक स्थलों की सुरक्षा के प्रति सचेत करते हुए सुदर्शन चक्र की योजना रखी, सरकार जीएसटी में कटौती का बड़ा कर सुधार लेकर आ गई जिससे परिवारों को खर्चे में थोड़ी राहत मिल रही है। भाजपा इसे लेकर जनता के बीच गई जिसमें बिहार भी शामिल है। हालांकि भाजपा-जदयू और राजग केवल इन्हीं मुद्दों पर केंद्रित नहीं है।

सच कहें तो विपक्ष के अभियान के समानांतर प्रधानमंत्री लगातार रेल, सड़क, हवाई अड्डा, अस्पताल, कॉलेज, स्कूल सहित आधारभूत संरचना एवं विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते रहे तो दूसरी ओर कई योजनाओं में महिलाओं, किसानों, मजदूरों आदि के खाते में सीधे रकम स्थानांतरित हुई। इनमें मुख्यमंत्री रोजगार योजना के तहत करीब 1 करोड़ महिलाओं के खाते में भेजे गए 10 हजार रुपए तथा रोजगार में निवेश करने के प्रमाण पर भविष्य में दो लाख देने के वायदे से भी वातावरण बनाया है। यह कितना उचित है अनुचित इस पर बहस हो सकती है किंतु महिलाओं के बड़े वर्ग का वोट इससे राजग की ओर आने की संभावना बढ़ गई है। इसी तरह जीविका दीदी ने भी राजग के पक्ष में महिलाओं का सुदृढ़ीकरण किया है। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव के समय तेजस्वी यादव की जबरदस्त लोकप्रियता थी, किंतु उपमुख्यमंत्री बनने के बाद जबसे विपक्ष में आए हैं वैसे स्थिति बिल्कुल नहीं है। बार-बार पाला बदलने और बीच के काल में तिलमिलाहट भरे वक्तव्यों और व्यवहारों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की छवि कमजोर हुई थी। एक बड़ा समूह उनसे छुटकारा भी चाहने लगा था। पिछले सात आठ महीना में स्थिति काफी बदली है। भाजपा की नीति इस समय दिल्ली तथा उसके पूर्व हरियाणा, महाराष्ट्र में मिली जीत को कायम रखने की है। इसलिए वह किसी किस्म का जोखिम नहीं लेना चाहती। नीतीश कुमार को लेकर भाजपा के स्वर पूरी तरह बदल गए। एक-एक नेता उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ने तथा पुनः उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाए जाने का बयान दे रहे हैं। इसमें तेजस्वी यादव या अन्य नेताओं का यह कहना कि भाजपा चुनाव जीतने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी जनता के गले नहीं उतर रहा। प्रशांत किशोर ने लगातार अपनी यात्राओं, सभाओं और वक्तव्यों से बिहार से जुड़े अनेक आवश्यक, लोगों को स्पर्श करने वाली मुद्दे उठाए। इससे जन जागरण हुआ है। उन्होंने लालू यादव परिवार से लेकर भाजपा के प्रमुख नेताओं पर भी तीखे हमले किए हैं। बावजूद बिहार का वर्तमान राजनीतिक समीकरण बदल जाने की संभावना जमीन पर बिल्कुल नहीं दिखती है। मतदाताओं के सामने प्रश्न है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को कायम रखकर राजनीतिक स्थिरता, सामाजिक न्याय, शांति, विकास, मुस्लिम कट्टरपंथ का सरकार द्वारा नियंत्रण और सुरक्षा के प्रति निश्चिंत रहें या कुछ स्थानीय मुद्दों के कारण उनके विरुद्ध जाएं? इस सोच में विपक्ष के पक्ष में बहुमत मत नहीं दे सकता।

बिहार में जातीय सामाजिक समीकरण को प्रमुख कारक माना जाता रहा है। किंतु बिहार में हमने 2005, 2010, 2014 और 2019 में बहुत बड़ी संख्या में लोगों को जातीय सीमाओं से उठकर मतदान करते भी देखा है। वैसे अभी तक प्रदेश में नीतीश कुमार और केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राजग के सामाजिक समीकरण में भी क्षरण के संकेत नहीं हैं तो दूसरी ओर राजग नेतृत्व वाले गठबंधन में नए प्रभावी सामाजिक वर्गों के जुड़ने का भी कोई प्रमाण नहीं। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि पिछले चुनाव में चिराग पासवान की लोजपा का राजग से बाहर आकर 137 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करने के परिणामस्वरूप राजद गठबंधन को समतुल्य मत प्रतिशत एवं सीटें प्राप्त हुई। लोजपा गठबंधन में है तथा जीतन राम मांझी के हम एवं उपेंद्र कुशवाहा के लोकतांत्रिक मोर्चा के कारण शक्ति बढ़ी है। राजद नेतृत्व वाले गठबंधन में पशुपति पारस, विकासशील इंसान पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा इसकी भरपाई करेंगे ऐसा नहीं लगता। ●


**अभी कलम उठाइये**

**आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें**

**सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961**

**ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।**

# विश्व कवि रामधारी सिंह दिनकर

● मिथिलेश कुमार

20वीं शताब्दी राजनीतिक साहित्यिक एवं सामाजिक परिवर्तन की शदाब्दी के रूप में यादगार है। इस शताब्दी में राष्ट्रीयता की भावना का संचार स्पष्ट दिखता है। साहित्य में भक्ति काल था। हिंदी साहित्य में भक्त कवियों का महत्व था। वे साहित्य के सहारे कई ढंग के परंपरागत भावो में बदलाव के लिए साहित्य सृजन करते रहे हैं । देश गुलामी के अंधकार के कारण अपने आप को भूलता जा रहा था। माना जाता है कि साहित्य में युग परिवर्तन की क्षमता होती है। आजादी के लिए संघर्ष काल से ही हिंदी साहित्य के साहित्यकारों के मन में राष्ट्रीयता के भाव के साथ आर्थिक समानता के भाव साहित्य का विषय हो गया। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के साहित्य में राष्ट्रीयता की भावना स्पष्ट रूप से दिखता है। क्योंकि अंग्रेजी शासन में जातिगत विद्वेष एवं घृणा के भाव उभर कर भेद नीति में शासन करने की प्रथा थी। भारतीय भाषाओं को गुलाम बनाकर अंग्रेजी भाषा राजपाट की भाषा बन गई थी। ऐसी परिस्थिति में अपनी संस्कृति भाषा इतिहास भूगोल की रक्षा के लिए राष्ट्रवाद का भाव साहित्यकारों के मन में उठना स्वभाविक है। देश आजाद हुआ लेकिन आर्थिक सामाजिक असमानता के भाव समाप्त नहीं हुआ है। दिनकर जी इसी मानसिकता के खिलाफ राष्ट्रीय विचारधारा के साथ प्रगतिशील धारा के संपोषक बने। प्रगति शीलता में शोषको के विरुद्ध घृणा शोषितो के प्रति करुणा दया का भाव साहित्य का मार्गदर्शक उद्देश्य बना। जो सही मायने में समाजवादी दर्शन का पक्षपाती है। क्रांति दर्शी होना शोषण के खिलाफ शंखनाद दिनकर जी का स्वाभाविक गुण है। इस गुण के कारण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का रामराज्य जिसमें संत तुलसीदास के भाव 'दैहिक दैविक भौतिक तापा, रामराज्य केहूं नहीं व्यापा' के समर्थक हैं।

☞ **गांधी के साथ मार्क्स के दर्शन से प्रभावित थे :-** जब राज धर्म का निर्वाह करने वाले लोग अपने राज्य धर्म का निर्वाह नहीं कर पाते तो जनता को अधिकार है कि वह वैसे शासकों को हटा दें। दिनकर जी लिखते हैं सदियों की ठंडी बुझी राख सुग बुगा उठी। मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है, दो रात समय का घर-घर नाद सुनो सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। यह कविता दिनकर जी भारत के प्रथम गणतंत्र दिवस के अवसर पर लिखी थी। 1974 में जब जेपी नेतृत्व संपूर्ण क्रांति का आंदोलन चला इस कविता की पंक्ति सिंहासन खाली करो कि जनता आती है लोकप्रिय नारा बन गया था। राष्ट्रकवि दिनकर आर्थिक असमानता से मर्माहत हो जाते हैं । दुखी मानवता की रक्षा के लिए विद्रोह का बिगुल फूंकते हैं। दिन हीन मानवता से मर्माहत कवि पीड़ित मानवता का आमंत्रण करते हैं।

☞ **चित्र गाथा में रौद्र आमंत्रण स्वीकार कर लिखते हैं :-** श्वानों को मिलता दूध वस्त्र, भूखे बालक उकलाते हैं, मां की हड्डी से चिपक चिपक ठिठुर जाड़ों में रात बिताते हैं। युवती की लज्जा वसन बेच जब व्याज चुकाने जाते है। मालिक जब तेल फुलेलो पर पानी सा द्रव्य बहाते हैं। रामधारी सिंह दिनकर में सामाजिक एवं आर्थिक विषमता के प्रति प्रचंड विद्रोह है। शोषण से त्रस्त दुखियों की दुर्दशा पर रोष प्रकट करते हुए उन्होंने और उनके जागरण का प्रयत्न तथा नवीन व्यवस्था का आह्वान किया है। दिल्ली और मास्को कविता में रूसी क्रांति का गुणगान के पीछे उसी साम्यवादी व्यवस्था का समर्थन है। जहां पीछे छूटे लोगों को समुचित अधिकार मिल सके। कुरुक्षेत्र में दिनकर ने लिखा है, 'जब तक मनुज मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा, समित ना होगा कोलाहल संघर्ष नहीं कम होगा'। गुण और कर्मो के आधार की यह व्यवस्था आगे चलकर वंश कुल और जाति में धीरे-धीरे बदल गई। जिसे धीरे-धीरे सामाजिक समरसता छिन्न-भिन्न हो गई और समाज अनेक जातियों उप जातियों में विभाजित होकर रूडीबद्ध हो गया। तथा सामाजिक प्रगति और परिस्थितिक सद्भाव की व्यवस्था चौपट हो गई। रश्मिरथी में दिनकर समाज को उच्च नीच छोटे-बड़े में बांटने वाली जाति व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करते हुए कहते हैं। ऊंच-नीच का भेद ना माने वही श्रेष्ठ ज्ञानी है, दया धर्म जिसमें हो सबसे वही पूज्य प्राणी है। क्षत्रिय वहीं हो भरी हो जिसमें निर्भयता की आग सबसे श्रेष्ठ वही ब्राह्मण है हो जिसमें तप त्याग।

रामधारी सिंह दिनकर किसी भी प्रकार की ऐसी तटस्थता या पक्षपात की भावना या व्यवहार के विरोधी हैं। जो किसी वर्ग विशेष के साथ अन्याय करने के लिए हम को प्रेरित करें वे लिखते हैं। समर शेष है नहीं पाप का भागी केवल व्याध, जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनका भी अपराध। तटस्था हमसे पाप करवाती है और संसार को किसी ऐसी अनहोनी की ओर लेकर चलती है जो भारी विनाश का प्रतीक हो सकती है। इसलिए संपूर्ण वसुधा को किसी भी भावी संकट से बचाने के लिए वह देश, समाज एवं विश्व के जिम्मेदार लोगों को यह संदेश दे रहे हैं कि जो तटस्थ हैं समय उनका भी अपराध लिखेगा। यदि विश्व नेतृत्व आज भी न्याय संगत बोलना आरंभ कर दे तो इस महान कवि का विश्व शांति का सपना साकार हो सकता है। संसार के ख्याति प्राप्त साहित्यकारों में गोरकी, इलियट शेक्सपियर, टॉलसराय जैसे साहित्यकारों के जैसा सरल भाषा और पात्रों के स्पष्ट चरित्र चित्रण के साथ सामान्य व्यक्ति में असमान गुणों को रेखांकित किया है। बहुत कुछ रामधारी सिंह दिनकर के काव्य एवं गध रचनाओं में देखा जा रहा है। यही कारण है दिनकर जी की रचनाएं आज चीन, रूस, नेपाल ,अमेरिका, इंग्लैंड, जापान, पाकिस्तान के विश्वविद्यालय में पढ़ाई जाती है।● **(लेखक :- रामरतन प्रसाद सिंह रत्नाकर)**

## मालगाड़ियों का 'ब्लॉक' बन रहा खतरा

# ओड़ो स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की बदहाली

● मिथिलेश कुमार

बिहार के राजगीर-तिलैया रेल खंड पर स्थित ओड़ो स्टेशन यात्री सुविधाओं के मामले में 'उदासीनता का प्रतीक' बन चुका है। यहां न तो पीने का पानी उपलब्ध है, न ही बैठने के लिए उचित प्लेटफॉर्म या अन्य संसाधन। लेकिन सबसे बड़ी परेशानी तब होती है जब ट्रैक नंबर 1 पर मालगाड़ियां लगातार दो दिनों तक खड़ी रहती हैं। ऐसी स्थिति में यात्रियों को ट्रेन के दूसरी तरफ चढ़ने के लिए गाड़ी के नीचे से गुजरना पड़ता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है। मालगाड़ी की लंबाई इतनी अधिक होती है कि ऊपरी पुल या ओवरब्रिज का अभाव यात्रियों को जोखिम भरा सफर करने पर मजबूर कर देता है। ट्रेन के आगे-पीछे से जाना संभव ही नहीं, वरना ट्रेन छूट जाती है। पिछले 15 वर्षों से इस रेल खंड पर पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन हो रहा है। वर्तमान में मालगाड़ियों को छोड़कर करीब आठ जोड़ी ट्रेनें यहां से गुजरती हैं। लेकिन स्टेशन पर बुनियादी सुविधाओं का टोटा यात्रियों को रेल सेवाओं से वंचित कर रहा है। ओड़ो पंचायत के पूर्व मुखिया अरविंद मिश्रा ने बताया की षपिछले कई वर्षो से हम रेल मंत्रालय को स्टेशन पर यात्री सुविधाएं बहाल करने के लिए पत्र लिख रहे हैं, लेकिन कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। व्यवस्था न होने से लोग ट्रेन की सुविधा से महरूम हैं और अपनी जान जोखिम में डालने को मजबूर हो रहे हैं। कई यात्रियों ने कहा की ऐसे स्टेशनों का क्या फायदा जहां सुविधा न मिले और ट्रेन चढ़ने के लिए जान का जोखिम उठाना पड़े? मालगाड़ी के नीचे से गुजरना किसी

मौत के साथ खेलने जैसा हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए तो यह और भी खतरनाक है। रेलवे को तुरंत फुट ओवरब्रिज या प्लेटफॉर्म सुधारना चाहिए। हालांकि स्रोतो से एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। केंद्र सरकार ने हाल ही में बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेल लाइन (104 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की लागत करीब 2,192 करोड़ रुपये है, जो पटना, नालंदा, गया और नवादा जिलों को जोड़ेगी। इससे लगभग 1,434 गांवों और 13.46 लाख लोगों को लाभ मिलेगा, जिसमें दो आकांक्षी जिले (गया और नवादा) भी शामिल हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि दोहरीकरण से सिंगल ट्रैक की समस्या दूर होगी, मालगाड़ियों का लंबे समय तक खड़ा रहना बंद हो जाएगा, और यात्री सुविधाएं मजबूत होंगी। कोडरमा-तिलैया-राजगीर रेल लाइन का निर्माण भी अंतिम चरण में है, जो 2026 तक चालू हो जाएगी। इससे यात्रा समय कम होगा, पर्यटन (खासकर बौद्ध सर्किट) बढ़ेगा, और माल ढुलाई सुगम होगी। हालांकि दोहरीकरण एक स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन ओड़ो जैसे छोटे स्टेशनों पर तत्काल सुधार की जरूरत है। पूर्व मुखिया अरविंद मिश्रा ने कहा कि ***'परियोजना अच्छी है, लेकिन तब तक यात्रियों की परेशानी का अंत नहीं होगा जब तक बुनियादी सुविधाएं न बहाल हों। रेल मंत्रालय को कम से कम फुट ओवरब्रिज और वाटर कनेक्शन उपलब्ध कराना चाहिए।'*** स्थानीय निवासियों ने रेलवे अधिकारियों से अपील की है कि इस मुद्दे पर शीघ्र ध्यान दिया जाए, वरना आंदोलन की चेतावनी दी है। रेल मंत्रालय से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। लेकिन यह स्पष्ट है कि ओड़ो स्टेशन जैसी जगहें रेल नेटवर्क की कमजोर कड़ी बनी हुई हैं, जहां विकास की रफ्तार आम आदमी तक पहुंचनी बाकी है।●

# इंट्री माफिया की मिलीभगत से खनन निरीक्षकों की कट रही चांदी

● मिथिलेश कुमार

नवादा जिले के राजमार्ग संख्या 20 पर इंट्री माफिया की मिलीभगत से वाहन जांच के नाम पर जमकर तांडव हो रहा है। झारखंड राज्य से आने वाले बगैर चालान से लेकर ओवरलोड वाहनों को पकड़ो- सौदा तय और छोड़ो के खेल में खनन निरीक्षकों की भूमिका की जांच की मांग जोर पकड़ने लगी है। सूत्रों के अनुसार गुरुवार की देर शाम खनन निरीक्षक ने राजमार्ग पर जांच अभियान चलाया। जांच के क्रम में अकबरपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर के पास ट्रक नम्बर जे एच 12 के की जांच के नाम पर तकरीबन सवा दो लाख रुपए में सौदा तय होने के बाद मुक्त कर दिया गया। कारवां आगे बढ़ा तथा नगर थाना क्षेत्र के बुधौल के पास पांच बगैर चालान व ओवरलोड वाहनों को जांच के लिए रोका गया। इस क्रम में तीन वाहनों से सौदा तय होने के बाद मुक्त कर दिया गया जबकि दो को नगर थाना के हवाले कर दिया। सूत्रों का मानना है कि सारा खेल इंट्री माफिया की मिलीभगत से अंजाम दिया गया। उक्त खेल में इंट्री माफिया की प्रति गाड़ी पच्चीस हजार रूपए का भुगतान किया जाता है। ऐसे में सरकारी राजस्व की जबर्दस्त क्षति हो रही है तो इंट्री माफिया व खनन निरीक्षक मालामाल हो रहे हैं। उक्त वाहनों का सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाय तो सारे खेल का पर्दाफास होना निश्चित है। आश्चर्य तो यह कि जिस वक्त पकड़ो छोड़ो का खेल चल रहा था संबंधित निरीक्षक के मोबाइल पर कार्रवाई की जानकारी मांगी गयी लेकिन उन्होंने राजमार्ग पर किसी प्रकार की जांच से इंकार कर दिया। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह कि आखिर जांच हुई नहीं तो फिर दो वाहनों को नगर थाना के हवाले कैसे किया गया? जांच के बाद पूरे प्रकरण का खुलासा होना लगभग तय माना जा रहा है।●

# शिक्षा विभाग बना दलालों का अड्डा

● संजय शर्मा

झाझा प्रखंड संसाधन केंद्र बना दलालों का अड्डा, शिक्षकों के साथ की जाती है मनमानी। जहां एक ओर बिहार सरकार शिक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने का कदम उठा रही है। वहीं दूसरी ओर झाझा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं उनके दलालों के द्वारा प्रधान शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक के मनोबल को तोड़ने का मामला सामने आया है । जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के पत्रांक 1390 दिनांक 24 /10 /25 को एक पत्र जिला के सभी प्रखंड शिक्षा पदाधि कारी को पत्र लिखा गया जिसमें बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए सभी विद्यालय से एक-एक महिला शिक्षिका का नाम, विद्यालय का नाम तथा उनके मोबाइल का हार्ड कॉपी और सॉफ्ट कॉपी 25/ 10/ 2025 तक पूर्वाहन 11:00 बजे तक मांग की गई। पत्र प्राप्त होते ही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ,झाझा के द्वारा सभी प्रखंड के CRC में सूचना दी गई कि आपके क्षेत्र के अंतर्गत सभी विद्यालय से एक-एक शिक्षिका का नाम एवं मोबाइल नंबर दिया जाए। CRCC के माध्यम से यही सूचना सभी विद्यालय के प्रधान शिक्षक एवं प्रभारी से अविलंब मांग की गई। सभी विद्यालय प्रधान ने अपने विद्यालय के हित और जानकार शिक्षकों की सूची CRCC महोदय को सौंप दी गई। उसी अनुसार ब्ल्ब्ब महोदय ने अपने क्षेत्र के सभी विद्यालय की सूची बनाकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को सौंप दी, परंतु खेल तब प्रारंभ होता है जब वह सूची को कुछ दलालों के द्वारा टाइप किया जाता है और मामला बिल्कुल उल्टा हो जाता हैस सूची में देखा गया कि जिस शिक्षक का नाम CRCC तथा विद्यालय प्रधान के द्वारा दिया गया था। उसमें शिक्षिका का नाम बदल दिया गया और

Bihar Education Project, Jamui
Shiksah Bhawan, Ashok Town
Hall Road, Jamui - 811307

अपने अनुसार शिक्षिका का नाम दे दिया गया। जैसे वाराजोर CRC मध्य विद्यालय, वाराजोर में बसंती कुमारी के स्थान पर लिपिक भट्टाचार्य, UMS धपरी में पिंकी कुमारी के स्थान पर आरती पांडे, UMS, रानीकुरा में अर्चना कुमारी के स्थान पर पूनम कुमारी, UMS उर्दू, वाराजोर में शाहिना खातून के स्थान पर फिरदोश जहां NPS शिक्षकों में कंचन कुमारी के स्थान पर प्रिया सिंह NPS नया आवादीगंज, गिद्धको में बनमाला कुमारी के स्थान पर आशा कुमारी NPS प्रकाश नगर, छूछनरिया में रेखा कुमारी के स्थान पर बिंदु कुमारी NPS धोबियापुरा में रीना कुमारी के स्थान पर दिया रानी, प्रधान का नाम अंकित है। यह तो सिर्फ एक पंचायत में इस प्रकार मामला है। इस प्रकार पूरे झाझा प्रखंड में न जाने कई शिक्षकों का नाम में उलट पलट किया गया होगा। यह जांच का विषय है। इस संदर्भ में जब प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, झाझा से बात करने का प्रयास किया तो प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का कहना था कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है या वह टालमटोल करने की नीयत से बात करना नहीं चाह रहे थे। पूर्व में भी उनपर आरोप हैं। दूमकवा, सिमुलतला में महिला के साथ मारपीट का मामला भी था। जिसका वीडियो वायरल हुआ था और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, झाझा ने थाने में केस भी किया था। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, झाझा का कहना था कि अब कुछ नहीं होगा। जो भी हो, सूची जिला कार्यालय चली गई है और यह सूची बिना दिखाएं गुप्त रूप से भेज दी गई। पता नहीं इस मामले में कहीं मुद्रा का खेल तो नहीं है या मनमानी का मनसा तो नहीं। इन हरकतों से प्रधान, शिक्षकों, प्रभारी प्रधानाध्यापक को शिक्षक क्या सम्मान देंगे जहां उनके नाम को परिवर्तित करवा दिया जा रहा है।●

# चुनावी सुर्खियां हमेशा बटोरता रहा सीमांचल का किशनगंज जिला

**लोकतंत्र के सबसे बड़े त्योहार 'चुनाव' की तारीखें तय हो चुकी हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शंखनाद कर दिया है। जैसे ही दिल्ली के विज्ञान भवन से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने तारीखों की घोषणा की, पूरा राज्य चुनावी मोड में आ गया। इसी के साथ आदर्श आचार संहिता भी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई। पहला चरण 6 नवंबर को 121 सीटों के लिए तो दूसरे चरण का 11 नवंबर को 122 सीटों के लिए होगा। गणना और परिणाम की प्रक्रिया को मिलाकर चुनावी प्रक्रिया 22 नवंबर तक पूरी कर ली जाएगी। किशनगंज से धर्मेन्द्र सिंह की रिपोर्ट :-**

बिहार का सीमांचल इलाका हमेशा से चुनावी दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा है और इस बार किशनगंज जिला एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। यहां कुल चार विधानसभा सीटें हैं। बहादुरगंज, ठाकुरगंज, किशनगंज, कोचाधामन। इन चार सीटों पर मतदान 11 नवंबर 2025 (मंगलवार) को होगा।

| | | |
|---|---|---|
| कुल मतदाता | : | 11,12,530 |
| पुरुष | : | 5,93,739 |
| महिलाएं | : | 5,18,755 |
| ट्रांसजेंडर | : | 36 |

❖ **विधानसभा-वार विवरण :-**

| विधानसभा | पुरुष | महिला | ट्रांसजेंडर | कुल मतदाता |
|---|---|---|---|---|
| बहादुरगंज | 1,53,240 | 1,34,385 | 13 | 2,87,638 |
| ठाकुरगंज | 1,57,869 | 1,38,449 | 5 | 2,96,323 |
| किशनगंज | 1,49,056 | 1,31,118 | 11 | 2,80,185 |
| कोचाधामन | 1,33,574 | 1,14,803 | 7 | 2,48,384 |

जिले में सबसे अधिक मतदाता ठाकुरगंज में हैं, जबकि सबसे कम कोचाधामन में।

❖ **महत्वपूर्ण तारीखें : फेज वाइज पूरा शेड्यूल :-**

**पहला चरण (121 सीटें)**

| | | |
|---|---|---|
| गैजेट नोटिफिकेशन | : | 10 अक्टूबर |
| नामांकन की अंतिम तिथि | : | 17 अक्टूबर |
| नामांकन की जांच | : | 18 अक्टूबर |
| नाम वापसी की अंतिम तिथि | : | 20 अक्टूबर |
| मतदान की तिथि | : | 06 नवंबर |

**दूसरा चरण (122 सीटें)**

| | | |
|---|---|---|
| गैजेट नोटिफिकेशन | : | 13 अक्टूबर |
| नामांकन की अंतिम तिथि | : | 20 अक्टूबर |
| नामांकन की जांच | : | 21 अक्टूबर |
| नाम वापसी की अंतिम तिथि | : | 23 अक्टूबर |
| मतदान की तिथि | : | 11 नवंबर |

❖ **मतदाता सूची और टेक्नोलॉजी का मेल :-** मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि इस बार चुनाव में SIR (Systematic Voter's Information & Registration) प्रणाली का व्यापक उपयोग हुआ है। उन्होंने कहा कि "बदलाव का वर्ष है ये चुनाव। मतदाता सूची में पारदर्शिता, टेक्नोलॉजी के माध्यम से सटीक सुधार और त्वरित पहचान पत्र वितरण हमारी प्राथमिकता रही है।" वोटर पहचान पत्र में नाम, पता या उम्र में बदलाव करवाने वालों को 15 दिन के अंदर नया कार्ड मिलेगा। यह पहली बार इतनी तेज गति से किया जा रहा है।

❖ **क्या कहती है जमीनी हकीकत? :-** चुनाव सिर्फ तारीखों का खेल नहीं है। यह रणनीति, समीकरण और समाज के मिजाज का भी आईना होता है। किशनगंज की चारों विधानसभा सीटों पर हर बार दिलचस्प मुकाबले होते रहे हैं। किशनगंज सीट पर हमेशा से धार्मिक और युवा मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। कोचाधामन और बहादुरगंज में जातीय समीकरण भी गहराई से असर डालते हैं। ठाकुरगंज, सबसे अधिक मतदाताओं वाली सीट, अक्सर चुनावी रूझान तय करती है।

❖ **नजर रखने लायक बात :-**

☞ आदर्श आचार संहिता लागू, सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर रोक।

☞ प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क मोड में।

☞ जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधीक्षक की निगरानी में हर गतिविधि।

☞ सोशल मीडिया पर सख्ती बढ़ेगी। फेक न्यूज और नफरत फैलाने वाले कंटेंट पर कार्रवाई तय।

गौर करे कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 सिर्फ एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परख की घड़ी है। किशनगंज जैसे सीमांचल के जिलों में यह परख और भी गहरी होती है, क्योंकि यहां मतदाता सिर्फ सरकार नहीं चुनते, वे अपने भविष्य की दिशा तय करते हैं।●

# निर्वाचन तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था पर डीएम का फोकस

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 की घोषणा होते ही प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। 06 अक्टूबर को किशनगंज समाहरणालय के सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी विशाल राज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण प्रेस कांफ्रेंस आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन तैयारियों, कानून-व्यवस्था और आदर्श आचार संहिता के पालन को लेकर मीडिया को विस्तार से जानकारी दी।

☞ **हर दल और उम्मीदवार के लिए आचार संहिता का पालन अनिवार्य :-** डीएम विशाल राज ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि "चुनाव आचार संहिता का पालन सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए बाध्यकारी है। किसी भी प्रकार का पेड न्यूज, भ्रामक प्रचार या अवैध गतिविधि स्वीकार्य नहीं होगी। ऐसे मामलों में कड़ी निगरानी रखी जाएगी और उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने मीडिया से अपील की कि वे विश्वसनीय जानकारी प्रसारित करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती दें।

☞ **सभी मतदान केंद्रों पर ईवीएम और वीवीपैट तैयार :-** डीएम ने बताया कि जिले के सभी मतदान केंद्रों पर म्टड और टटच्ज मशीनों की टेस्टिंग और तैनाती पूरी की जा चुकी है। प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं ताकि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष हो सके।

**मुख्य बिंदु संक्षेप में :-**

☞ पेड न्यूज और फर्जी प्रचार पर जीरो टॉलरेंस।

☞ सभी बूथों पर EVM & VVPAT पूरी तरह तैयार।

☞ पारा मिलिट्री फोर्स + पुलिस = 3 लेयर सुरक्षा।

☞ मोबाइल पेट्रोलिंग, CCTV निगरानी और क्विक रिस्पॉन्स टीम।

☞ मीडिया से पारदर्शिता में भागीदारी की अपील।

☞ **चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्थाः हर बूथ पर पुलिस और पारा मिलिट्री बल :-** डीएम ने बताया कि जिले में सुरक्षा व्यवस्था के लिए व्यापक रणनीति तैयार की गई है। हर मतदान केंद्र पर सशस्त्र बलों की तैनाती होगी। पारा मिलिट्री फोर्स, स्थानीय पुलिस, एवं ग्ल्ज (Quick Response Team) सक्रिय रहेंगी। मोबाइल पेट्रोलिंग, सीसीटीवी निगरानी, और तत्काल हस्तक्षेप दल तैयार रहेंगे। संवेदनशील और अति-संवेदनशील क्षेत्रों की विशेष पहचान की जा चुकी है।

जिलाधिकारी विशाल राज ने कहा कि "हमारी प्राथमिकता है कि मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण, भयमुक्त और निष्पक्ष हो। किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को समय रहते खत्म किया जाएगा।" प्रेस वार्ता के दौरान जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कुंदन कुमार सिंह और उप निर्वाचन पदाधिकारी भी मौजूद थे। प्रशासन ने मीडिया से अपील की कि वे अफवाहों से बचें और प्रामाणिक चुनाव संबंधित सूचनाएं जनता तक पहुंचाने में सहयोग करें। "मतदाता का भरोसा ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है। हम सभी की जिम्मेदारी है कि उसे कायम रखें।"●

# 51 के विरूद्ध सीसीए का प्रस्ताव, मतदान केन्द्रों की सुरक्षा जांच शुरू

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 और पर्व-त्योहारों के मद्देनजर जिले में सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त करने के लिए किशनगंज पुलिस ने निरोधात्मक कार्रवाई तेज कर दी है। अब तक जिलेभर में 1000 से अधिक लोगों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। इनमें से कई लोगों से बंधपत्र भरवाया जा रहा है ताकि चुनाव के दौरान शांति भंग की कोई संभावना न रहे। 51 व्यक्तियों के विरुद्ध सीसीए (क्राइम कंट्रोल एक्ट) के तहत कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसमें केवल किशनगंज सदर थाना क्षेत्र से 8 व्यक्तियों पर सीसीए का प्रस्ताव भेजा गया है।

❖ **थानावार कार्रवाई, बूथों का निरीक्षण शुरू :-** किशनगंज सदर थाना में अकेले 300 लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव। थाना क्षेत्र के 200 मतदान केंद्रों का मुआयना पुलिस टीम द्वारा किया जा चुका है। मतदान केंद्रों और आसपास के इलाकों की सुरक्षा स्थिति का मूल्यांकन किया जा रहा है।

❖ **एसपी सागर कुमार ने दिए निर्देश :-** पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने जिले के सभी थानाध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि विधानसभा चुनाव और पर्व-त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि "सीमा पार से किसी भी अवैध गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाए। सभी थानाध्यक्ष आसूचना संकलन में सक्रिय रहें और एसएसबी के साथ समन्वय बनाकर सुरक्षा निगरानी बढ़ाएं।"

❖ **अतिरिक्त बल और सतर्कता बढ़ाई गई :-**

☞ जिले में 06 अक्टूबर से बीएसएफ की अतिरिक्त कंपनियों की तैनाती शुरू होगी।

☞ प्री-पोल ड्यूटी, फ्लैग मार्च, एरिया डॉमिनेशन और वारंटियों की गिरफ्तारी के निर्देश जारी।

☞ शराब और मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है।

माहौल बिगाड़ने वालों की सूची थानावार तैयार की जा रही है, जिसकी रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को भेजी जाएगी। गौर करे कि कुल मिलाकर, किशनगंज पुलिस चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त संपन्न कराने के लिए हर स्तर पर तैयारी में जुटी हुई है।●

## मनरेगा योजना में बड़ा घोटाला उजागर

# मृतकों के नाम पर हुआ भुगतान

● धर्मेन्द्र सिंह

पूर्व में भी जिले के दिघलबैंक प्रखंड की सुधान दिघी और जागीर पदमपुर पंचायत में मनरेगा और 15वीं वित्त आयोग जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपये की बंदरबांट और कागजी खेल का आरोप अब दस्तावेजों और शपथ-पत्रों के सहारे प्रमाणित होने लगा है। किशनगंज सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई, किशनगंज द्वारा जिला दण्डाधिकारी को समर्पित जांच प्रतिवेदन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और घोटाले का खुलासा हुआ है। जांच में यह तथ्य सामने आया कि कई जॉब कार्डधारियों के नाम पर बिना किसी कार्य के भुगतान किया गया, जिनमें एक मृतक व्यक्ति भी शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवेदक खालीद हुसैन अकबर की शिकायत पर यह जांच की गई थी। जांच में पाया गया कि योजना के मस्टर रोल पूरी तरह से अवैध रूप से तैयार किए गए थे, जिनमें कुछ व्यक्तियों द्वारा बार-बार अंगूठे का निशान लगाकर हेराफेरी की गई।

☞ **मृतक के नाम पर भी हुआ भुगतान :-** जांच में यह स्पष्ट हुआ कि रूहुल हक, जिनका निधन 16 दिसंबर 2024 को हो चुका था, उनके नाम पर तीन अलग-अलग योजनाओं में जनवरी से अप्रैल 2025 तक कार्य लिया गया और भुगतान भी कर दिया गया। मृतक के नाम पर भुगतान एक गंभीर प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है।

☞ **अन्य योजनाओं में भी अनियमितता :-** बांसबाड़ी इरशाद के घर से मुजाहिर के खेत तक सड़क सह कलभर्ट निर्माण, मेन रोड से सफिक के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य। आजाद आलम और अफसर आलम की निजी जमीन पर तालाब निर्माण, जैसी योजनाओं के भौतिक निरीक्षण में पाया गया कि न तो वास्तविक रूप से कार्य हुआ और न ही ग्राम सभा द्वारा इसे पारित करने का कोई वैध प्रमाण प्रस्तुत किया गया।

☞ **जबरन निकासी और वार्ड सदस्य की भूमिका संदिग्ध :-** शिकायत में यह भी उल्लेख है कि जॉब कार्डधारियों के खाते में आई राशि का अधिकांश हिस्सा वार्ड सदस्य रुकसाद आलम द्वारा निकाला गया। उन्हें 300 रुपए देकर शेष राशि हड़प ली गई, जो संबंधित जॉब

कार्यालय :: जिला बाल संरक्षण इकाई, किशनगंज।

प्रसंग :- भवदीय आदेश ज्ञापांक– 1755, दिनांक– 19.05.2025 के आलोक में।

योजना के नाम/शिकायत के बिंदु के आधार पर विस्तृत प्रतिवेदन :-

(a) योजना सं0– 0542002/RC/20728438

(b) योजना सं0–0542002012/IF/21226338

(c) योजना सं0– 0542002/RC/20781763

9. योजना :- बैसबाड़ी इरशाद के घर से मुजाहिर के खेत तक सड़क सह कलभर्ट निर्माण।

कार्डधारियों ने शपथ पत्र के माध्यम से स्वीकार किया है।

☞ **मशीन से खुदाई और मिट्टी की बिक्री :-** तालाब निर्माण की योजनाओं में यह तथ्य भी सामने आया कि मजदूरों से कार्य न लेकर पोकलेन मशीन से मिट्टी काटी गई और उसे रेलवे को बेचा गया। योजना का वास्तविक उद्देश्य पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया।

☞ **प्रशासन की कार्यवाही की संभावना :-** इस गंभीर घोटाले के प्रकाश में आने के बाद जिला प्रशासन द्वारा संबंधित पदाधिकारियों, वार्ड सदस्य तथा अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। गौर करे कि यह मामला न केवल सरकारी धन की बर्बादी को उजागर करता है बल्कि ग्रामीण रोजगार योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजना की साख को भी नुकसान पहुंचाता है। इस संबंध में दिघलबैंक के मनरेगा पीओ श्यामदेव से दूरभाष पूछने पर उन्होंने बताया कि जांच चल रही। जब पूछा गया कि आरोप तो साबित है तो उन्होंने बोला की कार्रवाई के लिए प्रोसेस में है। गौर करे कि पूर्व में भी जिले के दिघलबैंक प्रखंड की सुधान दिघी और जागीर पदमपुर पंचायत में मनरेगा और 15वीं वित्त आयोग जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपये की बंदरबांट और कागजी खेल का आरोप अब दस्तावेजों और शपथ-पत्रों के सहारे प्रमाणित होने लगा है। वार्ड संख्या-8 के निर्वाचित प्रतिनिधि मोहदीस आलम ने जिलाधिकारी विशाल राज को सौंपे गए आवेदन में आरोप लगाया कि पंचायत की मुखिया शायदा बेगम और ग्राम सेवक प्रेम कुमार ने वित्तीय समिति की सहमति के बिना ही 15वीं वित्त आयोग की योजनाएं पारित कर दीं। सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि ग्राम सभा की बैठकों में मुखिया स्वयं अनुपस्थित रहती हैं और उनके स्थान पर उनका पुत्र सरफराज आलम फैसले करता है। यही नहीं, मोहदीस का दावा है कि अधिकांश योजनाओं के भुगतान फर्जी हस्ताक्षरों से किए गए हैं। उन्होंने जांच की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि इस गबन पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो जनकल्याणकारी योजनाएं सिर्फ कागजों तक सिमटकर रह जाएंगी। ग्राम पंचायत जागीर पदमपुर के उपसरपंच मोहम्मद नसीम आलम ने पंचायत की मुखिया शायदा बेगम और समिति सदस्य आश्मा खातून पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि योजनाओं में फर्जी हस्ताक्षरों से कार्य स्वीकृत कर लाखों रुपये का गबन किया गया है। उपसरपंच के अनुसार, मुखिया के निर्णयों पर उनके पुत्र सरफराज और समिति सदस्य के स्थान पर उनके पति डीलर अब्दुल लतीफ हस्ताक्षर करते हैं। योजनाओं को एक से अधिक बार स्वीकृत करवा कर भुगतान लिया गया। एक ही सड़क पर दो बार मिट्टीकरण, बांध निर्माण और पुराने तालाब को 'दुना तालाब' बताकर पुनर्निर्माण दिखाना। नसीम का दावा है कि मनरेगा मजदूरी के नाम पर जिन मजदूरों को भुगतान हुआ, उन्होंने कोई कार्य किया ही नहीं। तमन्ना बेगम, नीमा खातून, रहमानी बेगम, गुलाबी परवीन और सीमा परवीन ने शपथ पत्र देकर बताया कि उनके खातों में पैसा तो आया, लेकिन कोई मजदूरी नहीं की गई। इससे भी अधिक हैरान करने वाला तथ्य यह है कि मनरेगा पोर्टल पर मजदूरों के स्थान पर कुछ छात्रों की तस्वीरें अपलोड कर कार्य स्वीकृत कर लिया गया। यह दिखाता है कि पंचायत और संबंधित अधिकारियों, पीआरएस, पीओ, पीटीए और जेई की मिलीभगत से योजनाओं में भारी अनियमितता की गई। उपसरपंच ने शिकायत की प्रतिलिपि डीडीसी, जिलाधिकारी किशनगंज, बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री और मुख्यमंत्री को भी भेजी है। लेकिन अब तक प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस घोटाले में कुछ अफसरों की भी भूमिका रही है? इन घटनाओं से यह साफ झलकता है कि स्थानीय लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी गहराई तक पैठ बना चुकी है। जहां एक ओर जनप्रतिनिधि जनता के हित में योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार हैं, वहीं वास्तविकता यह है कि इन पंचायतों में सत्ता "परिवार" केंद्रित हो गई है। मनरेगा जैसी योजना, जिसे ग्रामीण भारत में रोजगार का सबसे बड़ा जरिया माना जाता है, अगर ऐसे कागजी खेल और फर्जीवाड़े की शिकार होती रही, तो यह न केवल ग्रामीण समाज का विश्वास तोड़ेगा, बल्कि सरकारी व्यवस्था की नींव को भी कमजोर करेगा।अब पूरा जिला देख रहा है कि क्या जिलाधिकारी विशाल राज इस गंभीर मामले पर त्वरित और निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करेंगे या फिर यह मामला भी बाकी मामलों की तरह सरकारी फाइलों में दफन होकर रह जाएगा? ग्रामीणों की आंखें न्याय की ओर टिकी हैं। और यह प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह न केवल भ्रष्टाचार को उजागर करे, बल्कि ऐसी प्रणाली विकसित करे जिसमें योजनाएं 'जन' से चलें, 'जनता' के लिए चलें, ना कि "परिवार विशेष" के लिए।●

# घटिया ईंट और लोकल बालू से बन रहा करोड़ों का वेयरहाउस

● धर्मेन्द्र सिंह

नगर परिषद किशनगंज के अधीन खगड़ा में 1.68 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे वेयरहाउस निर्माण में भारी अनियमितताएं सामने आई हैं। निर्माण कार्य में जहां घटिया लाल ईट और लोकल बालू का उपयोग किया जा रहा है, वहीं न तो कोई सूचना बोर्ड लगाया गया है, और न ही कोई इंजीनियर निगरानी के लिए मौजूद है। इससे निर्माण की गुणवत्ता और पारदर्शिता दोनों पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह वेयरहाउस नगर परिषद की मशीनों और वाहनों के रखरखाव के लिए तैयार किया जा रहा है, लेकिन जिस तरह से निर्माण कार्य चल रहा है, उससे इसके टिकाऊपन और उपयोगिता को लेकर जनता में व्यापक असंतोष है।

☞ **फ्लाई ऐश ईंट की जगह घटिया लाल ईट, लोकल बालू से समझौता :-** सरकारी नियमों के अनुसार, किसी भी स्थायी निर्माण में प्रथम श्रेणी की फ्लाई ऐश ईट और उच्च गुणवत्ता की बालू का प्रयोग अनिवार्य होता है। लेकिन मौके पर देखा गया कि निर्माण में स्थानीय, कमजोर किस्म की लाल ईंटें और लोकल बालू का उपयोग किया जा रहा है। इससे भवन की मजबूती और दीर्घकालिक उपयोगिता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग गया है। स्थानीय जानकारों का कहना है कि इस तरह की सामग्री से बनी संरचनाएं कुछ ही वर्षों में दरकने लगती हैं और सरकारी धन का अपव्यय हो जाता है।

☞ **निगरानी शून्य, नियमों की उड़ रही धज्जियां :-** निर्माण स्थल पर न तो कोई सूचना बोर्ड लगाया गया है और न ही किसी इंजीनियर या तकनीकी कर्मचारी की उपस्थिति देखी गई। यह पूरी परियोजना ठेकेदार के मुंशी और मजदूरों के भरोसे चल रही है। सूचना बोर्ड नहीं होने के कारण परियोजना की लागत, अवधि, एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की जानकारी भी आम नागरिकों से छिपी हुई है, जो कि निर्वाचित निकाय निर्माण नियमावली का उल्लंघन है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह लापरवाही केवल निर्माण गुणवत्ता तक सीमित नहीं, बल्कि सुनियोजित अपारदर्शिता और संभावित भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा करती है।

☞ **स्थानीय लोगों का बढ़ता आक्रोश :-** खगड़ा और आस-पास के क्षेत्र के नागरिकों में इस लापरवाही को लेकर गहरी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि यदि सरकारी धन से बनने वाली इमारतों में भी इस तरह की लापरवाही होती रही, तो ऐसे ढांचे भविष्य में जानलेवा भी साबित हो सकते हैं। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि "अगर शुरू में ही घटिया ईट और लोकल बालू से काम हो रहा है, तो यह भवन कुछ वर्षों में ढह सकता है। क्या ऐसी लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा जाना चाहिए?

☞ **जिम्मेदार क्या कहते हैं? :-** प्रवीण कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद किशनगंज ने कहा कि "करीब 1.68 करोड़ की लागत से खगड़ा में वेयर हॉउस का निर्माण कराया जा रहा है, जिसे जुलाई 2025 तक पूरा करना था। गुणवत्तायुक्त और प्राकलन के अनुरूप कार्य नहीं होने की शिकायत मिली है। जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।" वही ठेकेदार के प्रतिनिधि धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि "यह सच है कि निर्माण कार्य में लाल ईट का उपयोग हुआ है, लेकिन गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया गया है। काम पूरी तरह से प्राकलन के अनुरूप और तकनीकी मानकों पर आधारित है।"

☞ **अब जरूरत है निष्पक्ष जांच की :-** नगर परिषद की एक बहुमूल्य परियोजना में इस प्रकार की लापरवाही केवल निर्माण कार्य की नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधित्व और प्रशासनिक निगरानी की भी विफलता को दर्शाती है। समय रहते यदि ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो यह भवन ही नहीं, लोकविश्वास भी दरक जाएगा। सरकारी परियोजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही तीनों की समान रूप से आवश्यकता होती है। खगड़ा का यह वेयरहाउस प्रकरण चेतावनी है कि अब लापरवाही को अनदेखा करना संभव नहीं। जनता सवाल पूछ रही है ख़ और जवाबदेही तय होना अनिवार्य है।●

## विवादों में किशनगंज-ठाकुरगंज टॉल प्लाजा

# ओवरलोड वाहनों का तांडव जारी

● धर्मेन्द्र सिंह

जिले के ठाकुरगंज प्रखंड स्थित ठाकुरगंज-गलगलिया टोल प्लाजा एक बार फिर विवादों में आ गया है। 07 अक्टूबर की देर रात टोल प्लाजा पर माफियाओं के बीच बुरी तरह से मारपीट की घटना हुई, जिसमें कई लोगों के घायल होने की सूचना है। हालांकि अब तक किसी भी पक्ष ने ठाकुरगंज थाना में आवेदन नहीं दिया है। सूत्रों के अनुसार, इस टोल प्लाजा के जरिए ओवरलोड वाहनों और गौ-तस्करी से जुड़े ट्रकों की लगातार आवाजाही होती है। बताया जा रहा है कि सैकड़ों ओवरलोड ट्रक गलगलिया होकर गुजरते हैं, वहीं करीब एक दर्जन ओवरलोड वाहन पौआखाली में बिना वैध कागजात के अनलोड किए जाते हैं। लोगों का कहना है कि यह टोल प्लाजा पहले भी कई बार विवादों का केंद्र रह चुका है। फिलहाल यह मामला फिर से उच्च स्तरीय जांच का विषय बन गया है। थानाध्यक्ष ठाकुरगंज ने ऑफ कैमरा बताया कि आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जायेगी। गौर करे कि ठाकुरगंज-बहादुरगंज मुख्य मार्ग ओवरलोडेड ट्रकों और भारी वाहनों की धमक से कांप रहा है। नियमों को ताक पर रखकर दिन-रात बेध ड़क दौड़ रहे ये वाहन न केवल सड़कों की हालत बद से बदतर कर रहे हैं, बल्कि आमजन की सुरक्षा पर भी सीधा खतरा बन चुके हैं।

खासकर स्कूली बच्चों, साइकिल सवारों और दोपहिया चालकों के लिए यह मार्ग अब जानलेवा बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई नाकाफी है। नाम न छापने की शर्त पर एक ग्रामीण ने बताया कि "परिवहन विभाग की नजर सिर्फ ट्रैक्टरों पर है, जबकि एनएच-327 और एनएच-27 पर बड़े ट्रक और कंटेनर धड़ल्ले से दौड़ते हैं, जिन्हें कोई रोकने वाला नहीं है।" सूत्रों की मानें तो इस पूरे अवैध परिचालन के पीछे एक संगठित इंट्री माफिया सक्रिय है, जो मोटी रकम लेकर ओवरलोड ट्रकों को बेधड़क पास करवा रहा है। इन ट्रकों की कोई नियमित जांच नहीं होती, जिससे न केवल नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं, बल्कि सरकार को भी करोड़ों का राजस्व घाटा हो रहा है। स्थिति यह है कि परिवहन विभाग की कार्रवाई "ऊंट के मुंह में जीरा" साबित हो रही है। स्थानीय जनता विभाग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठा रही है। लोगों का कहना है कि जब तक विभाग की आंखों से "काली पट्टी" नहीं हटेगी, तब तक सड़क सुरक्षा और सरकारी राजस्व दोनों ही खतरे में बने रहेंगे। ठाकुरगंजख़बहादुरगंज मार्ग क्षेत्रीय विकास की रीढ़ माना जाता है, लेकिन ओवरलोड वाहनों ने इस मार्ग को अव्यवस्था और भय का प्रतीक बना दिया है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब जागता है और आमजन की सुरक्षा तथा सड़क नियमों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाता है।

**नोटः** अगले अंक में पढ़िए कटिहार से इंट्री माफिया का कनेक्शन।●


## अभी कलम उठाइये

**आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें**

**सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961**

**ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।**

# महिलाओं की सुरक्षा के लिए रात में चलेगी फ्री बस सेवा

● रवि रंजन मिश्र

पर्व-त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और खासकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेतिया पुलिस ने एक अनूठी पहल की है। शनिवार को बेतिया सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने दो बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें नगर के प्रमुख चौक-चौराहों पर रात के समय संचालित होंगी। एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क होगी और विशेष रूप से देर रात घर लौटने वाले लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्रदान करेगी। इन बसों का संचालन रात 9 बजे से सुबह 6 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ अधिक रहती है, ऐसे में महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह पहल जिले में पहली बार की जा रही है और इससे न केवल महिलाओं बल्कि आम नागरिकों को भी लाभ मिलेगा। देर रात यात्रा करने वालों को अब सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प उपलब्ध होगा। स्थानीय लोग इस पहल से उत्साहित हैं और मानते हैं कि त्योहारों के मौसम में पुलिस का यह कदम न सिर्फ सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि पुलिस-जन सहयोग की नई मिसाल भी बनेगा। ●

# युक्तधारा पोर्टल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

● रवि रंजन मिश्र

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण पश्चिम चंपारण बेतिया, मनरेगा योजना अंतर्गत युक्तधाम पोर्टल के विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप विकास आयुक्त बेतिया, श्री सुमित कुमार (भा०प्र०से०) द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। महात्मा गांधी मनरेगा योजना अंतर्गत ग्राम पंचायतों में योजनाओं का चयन GIS के आधार पर 'yuktdhara' पोर्टल के माध्यम से किया जाना है। उप विकास आयुक्त द्वारा बताया गया कि पंचायत स्तर पर मनरेगा योजनाओं का GIS based Planing एवं monitoring yuktidhara पोर्टल के माध्यम से किया जाना है, जो) वित्तिय वर्ष 2026-27 (1 अप्रैल, 2026) से प्रभावी होगा। जिस हेतु जिला अंतर्गत सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों, तकनीकी कर्मियों एवं पंचायत रोजगार सेवकों को लनाजकतं के उपयोग हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे कि कर्मियों द्वारा पंचायत स्तर पर मानक अनुरूप कार्य हो सके। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में निदेशक (रा०नि०का०) श्री पुरषोत्तम त्रिवेदी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, जिला वित्तीय प्रबंधक मनरेगा, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता मनरेगा आदि उपस्थित रहे। ●

# फर्जी दस्तावेज के साथ नाइजीरियाई नागरिक अरेस्ट

● रवि रंजन मिश्र

भारत-नेपाल सीमा पर इमिग्रेशन अधिकारियों और एसएसबी की 47वीं बटालियन ने एक नाइजीरियाई नागरिक को फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़ा है। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान हेनरी चिगोजी ओमेके के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार हेनरी पहले 2 दिसंबर 2023 को मेडिकल वीजा पर भारत आया था। जिसके बाद वह 2 फरवरी 2024 को देश से वापस चला गया था। उसके पास पासपोर्ट नंबर A08109849 था, जो नवंबर 2027 तक वैध था। उसका वीजा नंबर VL7359563 था, जो 16 फरवरी 2024 तक वैध था। फिर भारत से जाने के बाद उसने नई पहचान बनाई। वह 'एडजोबा गिल्बर्ट' नाम से कोटे डी आइवर का नागरिक बन गया।उसने नया पासपोर्ट (नंबर 17AL19840) और B1 वीजा (VN1651941) हासिल किया। वीरगंज-रक्सौल बॉर्डर से भारत में घुसने की कोशिश के दौरान वह पकड़ा गया। जांच में पता चला कि यही पासपोर्ट नंबर 23 सितंबर 2017 को दिल्ली एयरपोर्ट पर अब्दुलावये कूलिबाली नाम के व्यक्ति ने इस्तेमाल किया था। उस समय इमिग्रेशन ने उसे फर्जी दस्तावेज के कारण भारत से निर्वासित कर दिया था। पूछताछ में हेनरी ने माना कि वह फर्जी पहचान से भारत में घुसने की कोशिश कर रहा था।

☞ **जांच में जुटी एजेंसियां :-** बता दें कि यह तीन दिनों में दूसरी घटना है जब किसी विदेशी नागरिक को फर्जी दस्तावेजों के साथ भारत में प्रवेश करते हुए पकड़ा गया हो। इससे पहले 22 सितंबर को सूडानी नागरिक मूर्तदा कमाल हामिद मोहम्मद को भी ऐसे ही फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़ा गया था। फिलहाल, हेनरी को रक्सौल इमिग्रेशन ने उचित कार्यवाही के लिए एसएसबी की 47वीं बटालियन को सौंप दिया है।इसके बाद हरैया थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है। जांच एजेंसियां यह जानने में जुटी हैं कि आखिर इस व्यक्ति की भारत में घुसने की असली मंशा क्या थी कहीं इसके पीछे कोई अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क या अवैध गतिविधियों से जुड़ा उद्देश्य तो नहीं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारत-नेपाल सीमा पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है।●

# बालेश्वर खतईत एवं सोनू कुमार के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज

● रवि रंजन मिश्र

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में धान अधिप्राप्ति के पश्चात क्रय किये गये धान का गबन करने को लेकर परसौनी (रामनगर) पैक्स, के अध्यक्ष एवं प्रबंधक के विरूद्ध गोबर्धना थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी गयी है। ज्ञातव्य हो कि परसौनी पैक्स अध्यक्ष बालेश्वर खतईत एवं प्रबंधक सोनू कुमार के द्वारा कुल 8113 क्विंटल धान का क्रय किया गया जबकि 6756 क्विंटल धान मिल को उपलब्ध कराया गया बाकी धान का समतुल्य सीएमआर अध्यक्ष एवं प्रबंधक द्वारा विस्तारित तिथि 14.09.2025 तक मिल को उपलब्ध नहीं कराया गया है। 15 सितंबर को महुई पैक्स गोदाम का भौतिक सत्यापन के क्रम में गोदाम में धान की मात्रा शून्य पायी गयी। जबकि परसौनी पैक्स गोदाम में कुल अवशेष धान की मात्रा 1357 क्विंटल धान उपलब्ध होना चाहिए था। महुई पैक्स अध्यक्ष एवं प्रबंधक द्वारा धान के समुतल्य राशि 3155025 रूपये की राशि का गबन कर लिया गया है। इसे अत्यंत ही गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा रामनगर प्रखंड अंतर्गत परसौनी पैक्स अध्यक्ष एवं प्रबंधक के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया गया। उक्त के आलोक में प्रखंड सहकारिता प्रसाद पदाधिकारी रामनगर द्वारा गोबर्धना थाना में प्राथमिकी संख्या-48/25 दर्ज करा दिया गया है। जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि धान अधिप्राप्ति में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी अधिकारी अथवा पदाधिकारी नियमों का उल्लंघन करेंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।●

# हरिशंकर तिवारी एवं सुनिल तिवारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

● रवि रंजन मिश्र

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में धान अधिप्राप्ति के पश्चात क्रय किये गये धान का गबन करने को लेकर कठार (मधुबनी) पैक्स, के अध्यक्ष एवं प्रबंधक के विरूद्ध धनहा थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी गयी है। ज्ञातव्य हो कि धान अधिप्राप्ति वर्ष 2024-2025 के अंतर्गत कठार पैक्स अध्यक्ष हरिशंकर तिवारी एवं प्रबंधक सुनिल तिवारी के द्वारा कुल 1730 क्विंटल धान का क्रय किया गया, जबकि 423 क्विंटल धान मिल को उपलब्ध कराया गया बाकी धान को अध्यक्ष एवं प्रबंधक द्वारा विस्तारित तिथि तक मिल को उपलब्ध नहीं कराया गया है। अंतिम विस्तारित तिथि 14.09.2025 तक कठार पैक्स अध्यक्ष एवं प्रबंधक द्वारा धान के समतुल्य सीएमआर की आपूर्ति नहीं की गई है। कठार पैक्स गोदाम में कुल अवशेष धान की मात्रा 1307 क्विंटल पैक्स गोदाम में उपलब्ध होना चाहिए था, लेकिन दिनांक-15.09.2025 को गोदाम का भौतिक सत्यापन के क्रम में गोदाम में धान की मात्रा शुन्य पायी गई। कठार पैक्स अध्यक्ष एवं प्रबंधक द्वारा धान के समतुल्य राशि 3038775 का गबन कर लिया गया हैं। इसे अत्यंत ही गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा मधुबनी प्रखंड अंतर्गत कठार पैक्स अध्यक्ष एवं प्रबंधक के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया गया। उक्त के आलोक में प्रखंड सहकारिता प्रसाद पदाधिकारी मधुबनी द्वारा धनहा थाना में प्राथमिकी संख्या-312/25 दर्ज करा दिया गया है। जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि धान अधिप्राप्ति में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी अधिकारी अथवा पदाधिकारी नियमों का उल्लंघन करेंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।●

# स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत मदरसा के छात्राओं की हुई स्वास्थ्य जांच

● रवि रंजन मिश्र

'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' के तहत जिले के सभी प्रखंडों के विद्यालय के बालिकाओं की स्वास्थ्य जाँच की जा रही है। इसी अभियान के तहत आज मदरसा कासीमूल उलूम बसंतपुर प्रखंड बगहा 1 में स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा मेडिकल कैंप लगाया गया, जहाँ लड़कियों की एनीमिया, वजन आदि की जाँच की गई। मौके पर आरबीएस के जिला समन्वयक डॉ रंजन कुमार मिश्रा ने बताया की स्वास्थ्य विभाग के द्वारा निःशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया था, जिसमें चिकित्सकों के द्वारा 150 से अधिक छात्राओं की स्वास्थ्य जाँच की गई। उन्होंने बताया की जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण भी किया जा रहा है। भारत सरकार के द्वारा 02 अक्टूबर तक देश मे राष्ट्रव्यापी मुहीम चलाया जा रहा है, जिसमें महिलाओं एवं बच्चियों के स्वास्थ्य एवं पोषण को बेहतर बनाने पर कार्यक्रम संचालित है। वहीं 09 से 14 वर्ष तक की बालिकाओं को एचपीवी का टीका भी दिया जा रहा है। सभी स्वस्थ लड़कियों को यह टीका लेना चाहिए। इस अवसर पर कैंप में दवाइयों का वितरण किया गया। मौके पर महावारी स्वच्छता, पोषण परामर्श के साथ स्वस्थ जीवन के उपाय डॉ रंजन मिश्र, डॉ प्रभात कुमार, प्रधानाध्यापक हयात अहमद ने बताए। इस अवसर पर आरबीएसके डीसी डॉ रंजन मिश्रा, डॉ प्रभात कुमार, डॉ अंजुम आरा,प्रधानाध्यापक हयात अहमद, शिक्षक मो. वलीउल्लाह, फरमाशिस्ट साकेत बिहारी, शरण, कॉउंसलर राजकिशोर शर्मा, ए एन एम रेणु कुमारी व अन्य उपस्थित थे।●

# डीएम धर्मेन्द्र कुमार के नाम फर्जी फेसबुक आईडी बनाने को लेकर कार्रवाई

जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, श्री धर्मेन्द्र कुमार के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजे जाने की सूचना विभिन्न माध्यमों से जिला प्रशासन को प्राप्त हुई है। जिला प्रशासन द्वारा इस प्रकार के कृत्य को संज्ञान में लेकर साइबर थाना को सूचित कर दिया गया है। साथ ही थाने में सनहा (213/14.09.25) भी दर्ज कराया गया है। इस प्रकार के कृत्य को करने वाले लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसा करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ऐसे तत्वों को सख्त चेतावनी देता है कि इस प्रकार का कृत्य आपराधिक प्रवृत्ति का है तथा दंडनीय है। साथ ही जिला प्रशासन लोगों से अपील करती है कि इस प्रकार के फ्रेंड रिक्वेस्ट को कदापि एसेप्ट/कन्फर्म नहीं करें। बल्कि फेसबुक पर रिपोर्ट करें। ऐसे झांसों में बिल्कुल भी नहीं आएं। ये साइबर अपराधियों की चाल हो सकती है।●

**रिपोर्ट :-रवि रंजन मिश्र**

# 20.86 लाख मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

● **गुड्डू कुमार सिंह**

बिहार विधानसभा चुनाव का ऐलान सोमवार को निर्वाचन आयोग ने कर दिया। बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव कराया जाएगा। इस बाबत भोजपुर समाहरणालय के सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने प्रेस को संबोधित करते हुए विधानसभा चुनाव की तिथि, जिले के बूथों की जानकारी और चुनाव की तैयारियों के बारे में जानकारी साझा किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि प्रथम चरण में जिले के सातों विधानसभा संदेश, बड़हरा, आरा, अगिआंव (अ.जा.), तरारी, जगदीशपुर और शाहपुर में मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा चुकी हैं।

☞ **निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कर लिए जाने की तिथि अन्तिम तिथि 16 नवंबर 2025 निर्धारित :-** डीएम ने बताया कि प्रेस नोट जारी होने के साथ पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है। उन्होंने बताया कि 10 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। वहीं नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए जाने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर 2025 है। 18 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा होगी। वही अभ्यर्थिता वापसी की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर है। डीएम ने बताया कि 6 नवंबर 2025 को मतदान की तिथि निर्धारित है। वही 14 नवंबर को मतगणना होगी। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी कर लिए जाने की तिथि 16 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है।

☞ **सभी सातो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या-2086025 :-** जिलाधिकारी ने कहा कि भोजपुर जिला अंतर्गत सभी सात विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 2086025 है। जिसमें कुल पुरुष मतदाताओं की संख्या 1109088, कुल महिला मतदाताओं की संख्या 976908 है। वही तृतीय लिंग के मतदाताओं की संख्या 29। सेवा मतदाताओं की संख्या 17292 और युवा मतदाताओं 18 से 19 आयु वर्ग वाले की संख्या 44410 है।

| विधानसभा | पुरुष | महिला | अन्य | कुल मतदाता |
|---|---|---|---|---|
| 192 संदेश | 150828 | 136241 | 01 | 287070 |
| 193 बड़हरा | 162106 | 144242 | 08 | 306356 |
| 194 आरा | 173150 | 151054 | 05 | 324209 |
| 195 अगिआंव (अ.जा.) | 138985 | 122338 | 0 | 261323 |
| 196 तरारी | 160255 | 139302 | 04 | 299561 |
| 197 जगदीशपुर | 161195 | 142558 | 07 | 303760 |
| 198 शाहपुर | 162569 | 141173 | 04 | 303746 |

☞ **डीएम ने दिया वेबकास्टिंग व बूथो पर मूलभूत सुविधाओं कि जानकारी :-** डीएम ने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जाएगी। सभी मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधा जिसमें पेयजल, शौचालय, रैम्प विद्युत, फर्नीचर, हेल्प डेस्क, साइनेज आदि की उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी। मतदान एवं मतगणना कर्मियों का प्रथम प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ गवर्नमेंट प्रॉपर्टी से 24 घंटे में, पब्लिक प्रॉपर्टी से 48 घंटे में और प्राइवेट प्रॉपर्टी से 72 घंटे के अंदर राजनैतिक प्रचार प्रसार से संबंधित पोस्टर हटा लेना है।

☞ **भोजपुर में 2551 मतदान केंद्रों पर होगा मतदान :-** जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने बताया कि जिला अंतर्गत कुल मतदान केंद्रों की संख्या 2551 है। जिसमें संदेश में 367 मतदान केंद्र, बड़हरा में 362, आरा में 371, अगिआंव में 326, तरारी में 376, जगदीशपुर में 373 और शाहपुर में 376

मतदान केंद्र बनाया गया है।

☞ **बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए रहेगी विशेष व्यवस्था :-** विधानसभा चुनाव को लेकर बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था रहेगी। 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं एवं पीडब्ल्यूडी मतदाताओं को पोस्टळ बैलेट की सुविधा दी जाएगी। पीडब्ल्यूडी मतदाताओं की मदद हेतु सभी मतदान केंद्र पर एक वालंटियर प्रतिनियुक्त किए जाएंगे। जिला के सभी सात विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के निर्वाचकों की कुल संख्या 10888 है। वही पीडब्ल्यूडी मतदाताओं की संख्या जिले मे 18239 है।

☞ **निर्वाचन अधिकारियों की तैनाती :-** प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सेक्टर, एसएसटी, एफएसटी, वीवीटी, वीएसटी और एईओ टीमों की नियुक्ति की गई है। जिले में कुल 277 सेक्टर अधिकारी, 23 एफएसटी, 23 एसएसटी, 7 भीभीटी, 16 भीएसटी और 9 एईओ तैनात रहेंगे।

☞ **निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिम्मेदार अधिकारी :-**

| विधानसभा | पदाधिकारी | पदनाम | मोबाइल नंबर |
|---|---|---|---|
| संदेश | रश्मि सिन्हा | एसडीएम (आरा सदर) | 9473191235 |
| बड़हरा | डॉ. शशि शेखर | एडीएम (भोजपुर) | 9473191233 |
| आरा | आयुष आनंद | डीसीएलआर (आरा सदर) | 9031671540 |
| अगिआंव | वरुंजय कुमार | डीसीएलआर (पीरो) | 9031671538 |
| तरारी | कृष्ण कुमार उपाध्याय | एसडीएम (पीरो) | 9473191237 |
| जगदीशपुर | संजीत कुमार | एसडीएम (जगदीशपुर) | 9473191236 |
| शाहपुर | अमरेन्द्र कुमार | डीसीएलआर (जगदीशपुर) | 9031671539 |

☞ **निर्वाचन आचार संहिता से संबंधित दिशा-निर्देश :-** वहीं डीएम ने बताया कि चुनाव प्रचार में प्लास्टिक सामग्री के प्रयोग पर प्रतिबंध रहेगा। प्रचार में बाल श्रम अधिनियम का पालन अनिवार्य है। किसी भी सभा में हथियार, लाठी-डंडा, घातक वस्तु लेकर जाना प्रतिबंधित रहेगा। प्रचार वाहनों के लिए निर्वाचन आयोग से अनुमति लेना आवश्यक है; बिना अनुमति किसी वाहन का प्रयोग नहीं किया जाएगा। सरकारी, सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियों पर पोस्टर-बैनर लगाने पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

☞ **जिला निर्वाचन अधिकारी का संदेश :-** जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा सुरक्षा बलों की तैनाती की योजना भी अंतिम चरण में है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे निर्भय होकर मतदान करें और लोकतंत्र को सशक्त बनाएं। ●

# महाविद्यालय के आंतरिक कोष से अवैध निकासी

● गुड्डू कुमार सिंह

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के संबद्ध ईकाई जन सहकारी डिग्री कॉलेज बराप (गड़हनी) भोजपुर में आंतरिक कोष की राशि का लूट-पाट का मामला पूर्व मे उजागर हुआ था। मामला उजागर होने के पश्चात विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा संज्ञान लेते हुए विभागीय कार्रवाई के पश्चात महाविद्यालय प्रशासन द्वारा पूर्व प्रभारी प्राचार्य सहित तीन अन्य पर गडहनी थाना मे प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज कराई गई प्राथमिकी संख्या 147/25 है। प्रथम सूचना प्रतिवेदन मे पूर्व प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार राय द्वारा दिनांक 5/12/2023 से अगस्त 2024 तक लगभग सतर लाख रूपए की अवैध निकासी करने के कारण विश्वविद्यालय एवं अनुमंडल कार्यालय द्वारा निर्गत प्रसंगाधीन पत्र के आलोक मे वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा ज्ञापांक C/1126, 1187, Estab/2025, दिनांक-01/08/2025 एवं अनुमंडल कार्यालय पत्रांक-1834 दिनांक -03/04/2024 तथा पत्रांक-1128 दिनांक-30/04/2025 के तदनुसार पत्रांक 125/25 दिनांक-18/08/2025 एवं 129/25 दिनांक-25/02/2025 के प्राप्त निर्देश के आलोक मे महाविद्यालय प्रशासन द्वारा पूर्व मे लिए गए तदर्थ समिति/शासी निकाय द्वारा लिए गए निर्णयो का उल्लंघन करते हुए पूर्व पैक्स अध्यक्ष कुमार अरविन्द सिंह उर्फ मुना सिंह द्वारा बिहार राज्य निर्वाचन आयोग सहकारिता संस्थान के बिना आदेश निर्देश तथा अनुमति के दो पदो पर अवैध रूप से कार्य करने के कारण पूर्व मे इनकी सेवा समाप्त कर दी गई थी। परन्तु पूर्व प्रभारी प्राचार्य द्वारा बिना तदर्थ समिति/शासी निकाय से निर्णय लिए हुए एक मुस्त लगभग पांच छः वर्षो का अवरूद्ध वेतन का भुगतान लगभग दस लाख रूपया कर दिया गया। इसके अतिरिक्त दो लाख पचास हजार रूपया भी उनको दिया गया जो पब्लिक मनी का लूट है।

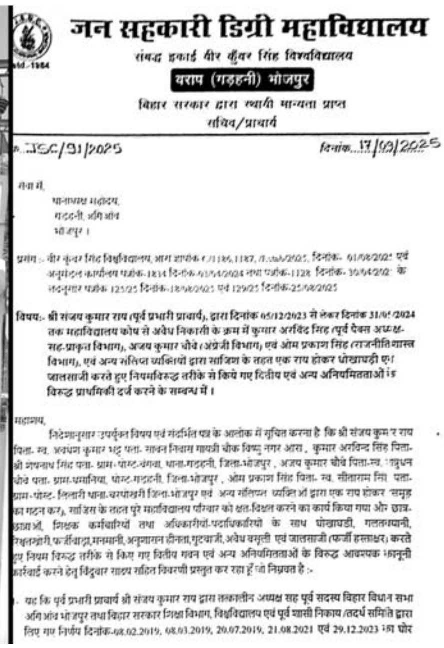
जन सहकारी डिग्री महाविद्यालय
संबद्ध इकाई वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय
बराप (गढ़हनी) भोजपुर
बिहार सरकार द्वारा स्थायी मान्यता प्राप्त
सचिव/प्राचार्य

JSC/91/2025 दिनांक 17/09/2025

सेवा में,
थानाध्यक्ष महोदय,
गढ़हनी, ओपी ओन
भोजपुर।

विषय:- श्री संजय कुमार राय (पूर्व प्रभारी प्राचार्य), द्वारा दिनांक 05/12/2023 से लेकर दिनांक 31/05/2024 तक महाविद्यालय कोष से अवैध निकासी के क्रम में कुमार अरविंद सिंह (पूर्व पैक्स अध्यक्ष-सह-प्राकृत विभाग), अजय कुमार चौबे (अंग्रेजी विभाग) एवं ओम प्रकाश सिंह (राजनीति शास्त्र विभाग), एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों द्वारा साजिश के तहत एक राय होकर धोखाधड़ी एवं जालसाजी करते हुए नियमविरुद्ध तरीके से किये गए वितीय एवं अन्य अनियमितताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के सम्बन्ध में।

महाशय,

साथ ही अजय कुमार चौबे अंग्रेजी शिक्षक के उपर भ्रष्टाचार अनुशासनहीनता रिश्वतखोरी आर्थिक अपराध एवं अन्य अनियमितताओं के मद्येनजर विश्वविद्यालय द्वारा गठित त्रिसस्दीय जाँच समिति के आलोक मे श्री चौबे का शैक्षणिक अनियमितता तथा कार्यपालक दण्डाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत सपथ पत्र को देखते हुए पूर्व तदर्थ समिति/शासी निकाय द्वारा इनकी भी सेवा समाप्त करने की प्रक्रिया अपनाई गई थी जिसका अनदेखी करते हुए पूर्व प्रभारी प्राचार्य द्वारा इनका भी अवरूद्ध वेतन लगभग पांच छः वर्षो का वगैर किसी निर्णय का कर दिया गया। इसी क्रम मे ओम प्रकाश सिंह राजनीति शास्त्र विभाग के नाम पर साढे नौ लाख रूपए अवैध निकासी की गई। दर्ज प्राथमिकी मे बताया गया है कि विषय एवं संदर्भित पत्र के आलोक में सूचित करना है कि संजय कुमार राय पिता स्व. अवधेश कुमार भट्ट पता सावन निवास गायत्री चौक विष्णु नगर आरा, कुमार अरविन्द सिंह पिता शेषनाथ सिंह पता- ग्राम पोस्ट वंगवा, थाना गडहनी, जिला भोजपुर, अजय कुमार चौबे पिता स्व. शत्रुधन चौवे पता ग्राम धमानिया, पोस्ट-गडहनी, जिला भोजपुर, ओम प्रकाश सिंह पिता स्व. सीताराम सिंह पता ग्राम पोस्ट लिलारी थाना चरपोखरी जिला भोजपुर एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों द्वारा एक राय होकर समूह का गठन कर), साजिस के तहत पुरे महाविद्यालय परिवार को क्षत-विक्षत करने का कार्य किया गया और छात्र--छात्राओं, शिक्षक कर्मचारियों तथा अधिकारीयों-पदाधिकारियों के साथ घोखाघडी, गलतबयानी, रिश्वतखोरी, फर्जीवाड़ा, मनमानी, अनुशासनहीनता, गुटबाजी, अवैध वसूली एवं जालसाजी (फर्जी हस्ताक्षर करते हुए नियम विरुद्ध तरीके से किए गए वितीय गवन एवं अन्य अनियमितताओं के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने हेतु विंदुवार साक्ष्य सहित विवरणी प्रस्तुत किया गया है जो कि निम्नवत है। यह कि पूर्व प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार राय द्वारा तत्कालीन अध्यक्ष सह पूर्व सदस्य विहार विधानसभा अगिआंव भोजपुर तथा विहार सरकार शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय एवं पूर्व शासी निकाय/तदर्थ समिति द्वारा लिए गए निर्णय दिनांक-08.02.2019, 08.03.2019, 20.07.2019, 21.08.2021 एवं 29.12.2023 का घोर उलंघन करते हुए वितीय गबन एवं अन्य अनियमितताओं को अंजाम दिया गया है जिसके समबन्ध में तत्कालीन अध्यक्ष सह पूर्व विधायक अगिआँव मनोज मजिल द्वारा प्रेषित पत्रांक 01/MM/2024 दिनांक 18.09.2024 के अंकित बिन्दुओ पर राज्य सरकार / विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त निर्देश ज्ञापांक C/1186, 1187, Estab/2025, दिनांक 01.08.2025 के आलोक में महाविद्यालय द्वारा विभागीय कार्रवाई करते हुए पत्रांक-J.S.C./68/2025 दिनांक 11.07.2025, पत्रांक-J.S.C./75/2025 दिनांक-11.08.2025 एवं पत्रांक J.S.C./79/2025 दिनांक 16.08.2025 द्वारा श्री राय से स्पष्टीकरण की मांग के साथ कारण बताओं नोटिस एवं अंतिम स्मार-पत्र जारी किया गया है जिसका जबाब प्राथमिकी दर्ज कराने तक अप्राप्त था। यह भी ज्ञात हो कि संजय कुमार राय द्वारा दिनांक 05/12/2023 को त्यागपत्र देने एवं विश्वविद्यालय ज्ञापांक C/914/915/Estab/2024 दिनांक 09.05.2024 एवं C/1992/Estab/2024 दिनांक 29.10.2024 द्वारा श्री राय को अयोग्य शिक्षक करार किए जाने के वावजूद भी सचिव डॉ राजू मोची को गुमराह कर श्री राय द्वारा लगातार महाविद्यालय

कोष से लगभग 7000000 (सतर लाख) रूपये की अवैध निकासी कर बंदरबांट किया गया है। उदहारण स्वरुप बगैर तदर्थ समिति एवं शासी निकाय के निर्णय के कुमार अरविन्द सिंह (पूर्व पैक्स अध्यक्ष), अजय कुमार चौबे एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों को लगभग पांच-छह वर्षो का रुका हुआ वेतन को एकमुश्त भुगतान करने के उपरान्त भी अवैध रूप से ढाई-ढाई लाख -रुपया (2,50,000/=) दिया गया है। यही नहीं बिहार सरकार शिक्षा विभाग द्वारा प्राप्त निर्देश पत्रांक 15/M/265/2023-4293 दिनांक 24/11/23 का घोर उल्लंघन करते हुए स्वयं का भुगतान के साथ स्वयं अपने नाम पर भी 300000/- (तीन लाख रुपए) की अवैध निकासी की गयी है जो लोकधंधा का सूचक है। यह कि श्री राय ने बिहार सरकार/विश्वविद्यालय द्वारा निर्देशित पत्रांक DSW/34/2024 दिनांक 13/04/2024 का घोर उलंघन करते हुए SC/ST छात्र-छात्रओं एवं सामान्य छात्राओं से नामांकन एवं अन्य शुल्क लिया गया है। वहीं विश्वविद्यालय द्वारा मनोनीत पूर्व विश्वविद्यालय प्रतिनिधि सहसचिव डॉ साध ना रावत द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 30.01.2025 के दौरान एक बैठक आहूत की गयी थी जिसमे सभी शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारियों की उपस्थिति में श्री राय, कुमार अरविन्द सिंह, अजय कुमार चौबे एवं अन्य द्वारा एक सोची समझी साजिश के तहत एक दलित महिला पदाधिकारी को अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी देने के साथ देख लेने की बात कही गई जिसकी पुष्टि सचिव महोदया एवं बैठक में मौजूद शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मचारियों से किया जा सकता है। वहीं विश्वविद्यालय ज्ञापांक-C/915/Estab/2024, दिनांक-09.05.2024, C/1992/Estab/2024 दिनांक-29.10.2024 द्वारा प्राप्त निर्देश के अनुपालन में सचिव महोदया द्वारा श्री राय से दिनांक 17.02.2025 को स्पष्टीकरण की मांग किया गया, जिसका जवाब ससमय प्राप्त नहीं होने की स्थिति में उनके द्वारा लगातार किए गए वितीय एवं अन्य अनियमितताओं को ध्यान में रखते हुए तदर्थ समिति, शासी निकाय की बैठक के प्रत्याशा में सचिव महोदया ने महाविद्यालय पत्रांक श्रैक्ब/13/2025 दिनांक 10.03.2025 द्वारा श्री राय को सेवा से मुक्त समझने का निर्देश दिया है। अतएव तदर्थ समिति/शासी निकाय द्वारा लिए गए निर्णयों एवं बिहार सरकार, शिक्षा विभाग तथा विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त आदेशो-निर्देशों का उलंघन करने एवं दलित अधिकारीयों/ पदाधिकारियों को उपेक्षित/अपमानित करने के कारण उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाने की अपील की गई है। वहीं श्री कुमार अरविन्द सिंह प्राकृत विभाग-सह-पूर्व पैक्स अध्यक्ष बगवा पंचायत गरहनी भोजपुर के अवैध नियुक्ति एवं उनके

द्वारा अवैध रूप से ली गई सरकारी अनुदान राशि एवं वेतन भुगतान की राशि तथा एक समय में दो-दो पदों पर अवैध रूप से कार्य करने के कारण पूर्व के तदर्थ समिति/शासी निकाय द्वारा लिए गए निर्णयों दिनांक 08.02.2019 एवं 08. 03.2021, 20.07.2019 के प्रस्ताव संख्या 4, 8, 10 पर महाविद्यालय से ली गई सरकारी अनुदान की राशि एवं वेतन भुगतान की राशि को पुर्नवापसी करने एवं सेवा समाप्त करने पर निर्णय लिया गया था परन्तु समिति एवं निकाय के निर्णयों को अनदेखा करते हुए श्री राय द्वारा एक सोची समझी साजिश के तहत कुमार अरविन्द सिंह के स्थगित वेतन (5-6 वर्षो) का एक मुस्त भुगतान करने के साथ 250000/- (दो लाख पचास हजार रूपए) अवैध रूप से दिया गया है। पुन: महाविद्यालय के वरीय शिक्षक मृतुन्जय सिंह (इतिहास विभाग) एवं सचिन कुमार पाण्डेय (भूगोल विभाग-सह-पुस्तकालय प्रभार) द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी-सह-सरकारी प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय को प्रेषित पत्र दिनांक 12/04/2025 द्वारा कुमार अरविन्द कुमार सिंह के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय ज्ञापांक C/958/Estab/2025, दिनांक 02/07/2025 द्वारा विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश प्राप्त है जिसपर विभागीय कार्रवाई करते हुए महाविद्यालय पत्रांक J.S.C./61/2025 दिनांक 08.07.2025, पत्रांक J.S.C./77/2025 दिनांक 11.08.2025 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गई एवं कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।जिसका जबाब श्री कुमार द्वारा दिनांक 08.08.2025 को प्रेषित किया गया है परन्तु जवाब तथ्यहीन एवं नियमानुसार नहीं होने की स्थिति में महाविद्यालय पत्रांक J.S.C./80/2025 दिनांक 21.08.2025 द्वारा अनुपालनार्थ अमान्य किया गया है। यही नहीं बिहार सरकार निर्वाचन आयोग सहकारिता संस्थान एवं शिक्षण संस्थान के आंखों में धूल झोककर वर्ष 2011 से नियम/परिनियम के विपरीत लगातार अनियमित रूप से एक ही अवधि में दोनों पदों पर रहते हुए अवैध रूप से लगभग 1000000/- (दस लाख रुपये) का आर्थिक लाभ एवं अन्य लाभ प्राप्त किया गया है. जो बिहार सरकार निर्वाचन आयोग एवं विश्वविद्यालय तथा महाविधायालय प्रशासन के आदेशो/निर्देशों की अवमानना है अतएव तदर्थ समिति/शासी निकाय द्वारा लिए गए विभिन्न निर्णयों, आदेशो-निर्देशों के आलोक में श्री कुमार द्वारा अवैध रूप से ली गई अनुदान एवं भुगतान राशि की पुर्नवापसी एवं अन्य अनियमित कार्य हेतु उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई करने की अपील की गई है। वहीं अजय कुमार चौबे (अग्रेजी विभाग) के शैक्षणिक अनियमितता एवं अन्य अनियमितताओ के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय ज्ञापांक C/1564/Estab/2017 दिनांक 11.08. 2017 द्वारा गठित त्रिसस्दीय जाँच समिति के आलोक में अजय कुमार चौबे के अंक पत्र एवं नियुक्ति पत्र की तिथि में हेरा-फेरी करने एवं विगत वर्ष 2017/ 2018 में प्रायोगिक परीक्षा में छात्र-छात्राओं से अवैध राशि की वसूली तथा शिक्षकों शिक्षकेत्तर कर्मचारियों से महाविद्यालय में स्थाई नौकरी कराने/ दिलाने के नाम पर लगभग 20,00000/वीस लाख रूपये की अवैध वसूली के आरोप लिखित एवं मौखिक रूप में गठित है इस घटना क्रम को देखते हुए तदर्थ समिति /शासी निकाय द्वारा दिनांक 08.02.2019, 08.03.2019 एवं 20.07.2019 के प्रस्ताव संख्या 04, 07 एवं 07 पर अनुशानात्मक कार्रवाई करते हुए भ्रष्टाचार एवं अन्य अनियमितताओं के कारण इनका वेतन भुगतान इत्यादि कार्यो को स्थगित करने के साथ सेवा समाप्त करने का निर्णय लिया गया था परन्तु श्री राय द्वारा पूर्व के समिति निकाय के लिए गए निर्णयों को नजरअंदाज करते हुए षड्यंत्र के तहत श्री चौबे का भी स्थगित वेतन (5-6 वर्षो) का एक मुस्त वेतन का भुगतान करने के साथ 250000-(दो लाख पचास हजार रूपए) अवैध रूप से दिया गया है अत: शैक्षणिक अनियमितताओं, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, अनुशासनहीनता एवं अनियमितताओं के मद्देनजर महाविद्यालय पत्रांक J.S.C./70/2025, दिनांक 16.07.2025 एवं ज्ञापांक J.S.C./81/2025 दिनांक 21.08.2025 के द्वारा स्पष्टीकरण की मांग किया गया है। जिसका जवाव अदिनांक अप्राप्त है जिसके कारण

उनके उपर कघनूनी कार्रवाई की अपील की गई है। वहीं ओम प्रकाश सिंह (राजनीतिशास्त्र विभाग) द्वारा विगत वर्षों से लगातार महाविद्यालय में अनुशासनहीनता एवं अनियमितता बरती गयी है। यही नहीं श्री राय द्वारा ओम प्रकाश सिंह से मिली भगत कर उनके नाम पर 700000/- (सात लाख) एवं 250000/- (दो लाख पचास हजार) की अवैध निकासी की गई है। वहीं भारतीय संविधान में वर्णित सुसंगत धाराओं के तहत संजय कुमार राय, कुमार अरविंद सिंह, अजय कुमार चौबे, ओम प्रकाश सिंह एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के ऊपर उपर्युक्त विन्दुओं एवं साक्ष्यो के परिपेक्ष में विहार सरकार, विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय प्रशासन के आदेशों/निर्देशों का उलंघन करने तथा SC/ST पदाधिकारियों को उपेक्षित/अपमानित करने के साथ SC/ST छात्र छात्राओं से अवैध वसूली, धोखाधड़ी, फर्जीवाडा, जालसाजी एवं किये गए वित्तीय गवन तथा अन्य अनिमियताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करके आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।●

# केवल कागजी सुधार नही बल्कि रैयतों को सशक्त बनाने की पहल : जिलाधिकारी

● **गुड्डू कुमार सिंह**

राजस्व महाअभियान की औपचारिक शुरुआत हुई। जिलाधिकारी भोजपुर के निर्देशानुसार पहले ही दिन से राजस्व टीम घरख्रघर जाकर ऑनलाइन जमाबंदी सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण एवं छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन कराने हेतु आवेदन प्रपत्र और जमाबंदी की प्रति उपलब्ध करा रही है।

☞ **अभियान का मुख्य उद्देश्य :-** प्रत्येक रैयत को भूमि से संबंधित सही एवं पारदर्शी दस्तावेज उपलब्ध कराना। दाखिल-खारिज, परिमार्जन और अन्य सुधार कार्यों को त्वरित गति से पूरा करना। कानूनी व सामाजिक विवादों से बचाव कर स्थायी समाधान उपलब्ध कराना। भूमि अभिलेखों की शुद्धता के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ व बैंकों से ऋण लेने की प्रक्रिया को सरल बनाना। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान ग्रामीणों के लिए "समस्या का स्थायी समाधान" लेकर आया है।

☞ **शिविरों के माध्यम से समाधान :-** इस महाअभियान को हर पंचायत और गांव तक पहुंचाने की योजना तैयार की गई है। इसके

अंतर्गत प्रत्येक पंचायत/गांव में विशेष शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में रैयतों की भूमि संबंधी त्रुटियों का समाधान किया जाएगा, विवादित मामलों का नियमानुसार निपटारावो होगा और ग्रामीणों को मौके पर ही सुविधा मिलेगी। इससे उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी।

☞ **दरवाजे पर ही समाधान की सुविधा :-** जिलाधिकारी ने कहा कि अब रैयतों को अपनी भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए न अतिरिक्तवी श्रम करना होगा और न ही समय की बर्बादी। राजस्व सेवाएं अब सीधे रैयतों के घर-द्वार पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करें और अधिकतम लाभ उठाएँ।

☞ **रैयतों को मिलने वाले लाभ :-** केवल कागजी सुविधा ही नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष आर्थिक एवं सामाजिक लाभ। बैंकों से ऋण प्राप्त करना और सरकारी योजनाओं का लाभ लेना होगा और सरल। विवाद रहित भूमि से सामाजिक सौहार्द व ग्रामीण समरसता बढ़ेगी, भूमि का बाजार मूल्य और उपयोगिता बढ़ेगी।

☞ **प्रशासन का लक्ष्य : हर गांव तक पहुंच :-** जिला प्रशासन का स्पष्ट लक्ष्य है कि इस सेवा का लाभ जिले के प्रत्येक पंचायत और गांव तक पहुंचे। इसके लिए माइक्रो प्लान तैयार किया गया है, ताकि शिविरों का आयोजन नियमित व व्यवस्थित ढंग से हो। प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है और कार्यप्रणाली की नियमित समीक्षा की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि भूमि अभिलेखों की शुद्धता से न केवल व्यक्तिगत लाभ होगा, बल्कि सामाजिक समरसता और आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने जिले के प्रत्येक रैयत से अपील की कि वे इस अभियान में शामिल होकर लाभ उठाएँ।●


## अभी कलम उठाइये

**आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें**

**सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961**

**ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।**

# जवईनिया के पुर्नवास के लिए सरकार स्पेशल पैकेज दे : सांसद सुदामा प्रसाद

## *मांगों को लेकर डीएम से मिले भाकपा माले के प्रतिनिधि मंडल सदस्य*

● **गुड्डू कुमार सिंह**

जवईनिया गंगा कटाव पीड़ितों को राहत,पुनर्वास एवं स्पेशल पैकेज की मांग को भाकपा-माले केंद्रीय कमेटी सदस्य सासंद सुदामा प्रसाद एवं केन्द्रीय कमेटी सदस्य अभ्युदय के नेतृत्व में भोजपुर जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया से मिलकर छः सूत्री मांगों को लेकर मांग-पत्र सौंपा। आपको ज्ञात है कि पिछले 18 जुलाई 2025 को गंगा नदी में इस वर्ष शुरू हुए कटाव में भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड के जवइनिया गाँव के लगभग 350 घर नदी के गोद में समा गए.इस महाविपदा से एक हजार से ज्यादा परिवारों ने अपना सब कुछ खो दिया.इस विपदा की आशंका के तहत आरा सांसद का.सुदामा प्रसाद ने कटाव से होने वाली क्षति के पूर्वानुमान के तहत मौजूदा लोकसभा के पहले सत्र में ही मजबूत पक्के बांध निर्माण की लोकप्रिय मांग उठाई थी. जिसके बाद घोर अनियमिता व घोटाले से घिरा एक अस्थाई 'ठोकर' बांध बनाया गया जो बनते हुए ही टूटना शुरू हो गया और अंततः बीचो-बीच ध्वस्त होकर जवइनिया गाँव की तबाही का फौरी कारण बना। सैकड़ों कटाव पीड़ित पिछले ढाई महीने से दामोदरपुर बांध पर प्लास्टिक तान कर सांप - बिच्छुओं के साथ रहने को अभिशप्त हैं. लगभग डेढ़ हजार बच्चों वाला जवनिया 10+2 स्कूल भी नदी में समा गया है. इन बच्चों की पढाई ढाई महीने से बंद है. खेती-किसानी, रोजी-रोजगार, सब कुछ ठप है. जानकारी के लिए बलिया जिले का सटा हुआ गाँव चक्कीख़ नौरंगा भी बुरी तरह प्रभावित है. गंभीर कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में पूरा दामोदरपुर पंचायत नदी में समा जाएगा. यह सामान्य आपदा नहीं एक असामान्य विपदा है जिसने हजारों बेवस महिला, पुरुष, बुजुर्गों, बच्चों की जिंदगी बर्बाद कर दी है और हजारों पर खतरा मंडरा रहा है. यह असामान्य स्थिति राहत और पुनर्वास की असामान्य योजना और ईमानदार क्रियान्वयन व निगरानी की मांग करती है. पर इस दिशा में सरकार के कदम सुस्त या लापरवाह नहीं बल्कि आपराधिक उपेक्षा से भरे हैं।

❖ **प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के समक्ष निम्नलिखित मांग रखी :-**

☞ कटाव रोकने के लिए बक्सर से कोईलवर तक स्थाई कॉन्क्रीट बांध का निर्माण अविलंब शुरू किया जाए. पूरे कटाव क्षेत्र को खनन मुक्त घोषित किया जाए अवैध बालू खनन पर सख्ती से रोक लगे।

☞ कटाव पीड़ितों के संपूर्ण पुनर्वास की समग्र योजना बने और उसे तत्काल लागू किया जाए. किसी को छोड़े बिना पीड़ितों की समग्र व त्रुटिहीन सूची बने. सभी विवाहित पीड़ितों को इकाई मानकर 25 लाख रूपये का मुआवजा, जमीन व मकान देने की गारंटी की जाए. इसके लिए स्कूल, सामुदायिक भवन, पेयजल, बिजली , सड़क व स्वास्थ्य केंद्र के साथ समग्रता में पूरे जवनिया गांव को उपयुक्त भूमि पर नए सिरे से बसाये जाने के लिए विशेष पैकेज की घोषणा हो।

☞ कटाव के पीड़ित परिवार अब भूमिहीन हैं और जीविका खत्म हो गई है. सभी पीड़ित परिवारों के रोजगार का अविलंब प्रबंध किया जाए. गांव फिर से बसाने की योजना में इन पीड़ितों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

☞ 10+2 जवनिया उच्च विद्यालय ध्वस्त हो चुका है. ढाई महीने से बच्चों की पढ़ाई बंद है. इन्हें जिस स्कूल में स्थानांतरित किया गया है वह लगभग 10 किलोमीटर दूर है और पहले से अपनी अधिकतम छात्र क्षमता पर चल रहा है. नए स्कूल भवन के निर्माण तक इन बच्चों को नजदीक के स्कूल में स्थानांतरित किया जाए और आवागमन के लिए वाहन की व्यवस्था की जाए।

☞ पुनर्वास पूरा होने तक सामुदायिक किचेन, बांध पर रह रहे पीड़ितों के लिए बसावट के अंतिम छोर तक सड़क का निर्माण, 24 घंटे पर्याप्त लाइट, पीने के लिए साफ पानी की समुचित व्यवस्था, पर्याप्त शौचालय व मेडिकल टीम की 24×7 व्यवस्था की जाए।

☞ तात्कालिक मुआवजे की 1, 20, 000 की राशि देने में जारी आधार व KYC के अड़ंगे को तत्काल खत्म कर सभी के लिए इसके

सुगम भुगतान की गारंटी की जाए. ऐसे भी पीड़ित हैं जिन्हें पिछली बाढ़ का मुआवजा अभी इस वर्ष मिला है।

विदित हो कि भोजपुर जिला के उतरी इलाके का प्रखंड जिसमें शाहपुर, बड़हरा, आरा मुफ्फसिल, कोईलवर व आरा नगर एक छोटा का हिस्सा बाढ़ से काफी प्रभावित हैं। इन प्रखंडों बाढ़ का पानी भरने से लोगों का जनजीवन काफी प्रभावित हैं। बाढ़ पीडितों के बीच आवागमन खाने-पीने, मेडिकल, पशु-चारा, फसल की बरबादी, त्रिपाल नहीं होने काफी संकट का सामना करना पड़ा रहा है। इसलिए इन सभी बाढ़ प्रभावित इलाकों में बाढ़ राहत अभियान करने की आवश्यकता है। इन्ही मांगो को लेकर भाकपा-माले ने भोजपुर जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया से पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मिलकर मांग-पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में भाकपा-माले राज्य कमेटी सदस्य विजय ओझा, जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम, शाहपुर प्रखंड कमेटी सदस्य जयशंकर प्रसाद,बड़हरा संतोष कुमार राम,आरा मुफ्फसिल प्रखंड कमेटी सदस्य व पंचायत समिति सदस्य जनार्दन गोड़ शामिल थे।

❖ **बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं को लेकर की गई मांग :-**

☞ इन सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र को बाढ़ क्षेत्र घोषित की जाए।

☞ बाढ़ प्रभावित इलाकों में नाव की तत्काल व्यवस्था की जाए।

☞ सामुदायिक किचेन की व्यवस्था की जाए।

☞ सफल क्षतिपूर्ति हेतु मुआवजा दी जाए।

☞ चलंत मेडिकल की व्यवस्था की जाए।

☞ पशु चारा की व्यवस्था की जाए।

☞ बच्चों के लिए दुध की व्यवस्था की जाए।

☞ बिजली के लिए जरनेटर की व्यवस्था की जाए।

☞ शौचालय की व्यवस्था की जाए।

☞ त्रिपाल की व्यवस्था की जाए।

☞ पेयजल की व्यवस्था की जाए।

☞ एनडीआरफ टीम की व्यवस्था की जाए।

☞ आपदा में मरणोपरांत तत्काल कबीर अंत्येष्टि, पारिवारिक लाभ देने की गारंटी की जाए।

❖ **बडहरा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित गांव-पंचायत**

☞ **पंचायत सरैया:-**

**गांव :-** घांघरबिंद टोलावा, दुर्ग टोला, इटहना, जहुराबाद, मुबारकपुर, सरैया वार्ड नंबर 4, 5, 8 दलित बस्ती।

☞ **पंचायत पूर्वी गुंडी :-**

**गांव :-** शिवपुर,छोटका इटहना,रमई राय का टोला।

☞ **पंचायत पश्चिमी गुंडी :-**

**गांव :-** गलचौर, उदयमानपुर, बभनगांवा मुसहर टोली, वार्ड नंबर 6 बभनगावां।

☞ **पंचायत सोहरा :-**

**गांव:-** सोहरा, महुली, पदमिनियां, हेतमपुर।

☞ **पंचायत नरगदा :-**

**गांव:-** नूरपुर, पोरहा, मंझौली, नरगदा, जोकहरी।

☞ **पंचायत बलुआ :-**

**गांव :-** केवटिया, अचरज लाल का टोला, पिपरपाती, नया खवासपुर, बलुआ के डेरा।

☞ **पंचायत नथमलपुर :-**

**गांव:-** सेमारिया, ज्ञानपुर, महुदही, संजोइल, नथमलपुर बालू पर।

☞ **पंचायत सिन्हा:-**

**गांव :-** लफुसपुर, लक्ष्मीपुर, कान्हा छपरा, कल्याणपुर, कवल छपरा, पाण्डे टोला, सिन्हा।

☞ **पंचायत पकड़ी :-**

**गांव :-** मिल्की, चंदा गांव, जगतपुर।

☞ **पंचायत बखोरापुर :-**

**गांव :-** सबलपुर, हाजीपुर, दुबे छपरा, बखोरापुर, पैगा।

☞ **पंचायत नेकनाम टोला :-**

**गांव :-** सालिक ग्राम के टोला, अलिखी टोला, रघुबर राय के टोला, लाला का टोला, जीवा राय का टोला, अभिराय का टोला, नेकनाम टोला।

☞ **पंचायत फरना :-**

**गांव :-** तुरकी, बड़का लौहर, छोटका लौहर, फरना, छपरा पर।

☞ **बड़हरा पंचायत :-**

**गांव :-** बडहरा के वार्ड 3 व 6 ।

☞ **पंचायत एकवना :-**

**गांव :-** सिरिसिय, एकवना।

☞ **पंचायत पश्चिमी बबुरा :-**

**गांव :-** कुतुकपुर का डेरा, बबुरा।

☞ **पंचायत गजियापुर :-**

**गांव:-** तुलसी छपरा, फरहदा, मरहा, छिनेगांव, गजियापुर।

☞ **पंचायत सेमारिया पडरिया :-**

करजा, भुसहुला, केशोपुर बिंद टोली।

☞ **पंचायत मटुकपुर :-**

**गांव :-** पंडितपुर।

☞ **पंचायत बिशुनपुर :-**

**गांव :-** पुराना बिंदगांवा।

☞ **पंचायत पूर्वी बबुरा :-**

**गांव:-** फुहां।

☞ **पंचायत खावसपुर :-**

**गांव:-** खखन का डेरा, रामफल टोला, भगवानपुर, जानकी बाजार, हरी का टोला, खलीफा टोला, हरिजन टोला, बली का टोला, सरबू राय का टोला, महराजा का टोला, भवन टोला, बैजू टोला, धनीदास का टोला, नवका टोला, गौरा टोला, हजारी का टोला, कचहरी टोला।

☞ **आरा मुफ्फसिल प्रखंड :-**

**गांव :-** पिरौटा, चौमुखा, पिपरा जयपाल, जगवालिया, घेंघटा मठिया, तेतरिया, नागोपुर, जादोपुर, बसंतपुर, धुधुआं, मथवलियां, बारा, सैदपुर, सातो डुमरा, महुली, मोहनपुर, देवड़ी, बसंतपुर भदेया, कड़रा, बेला, सारसिवान, रामपुर, दरियापुर, सुकुलपुरा, बाघीपाकड़, सिंधीतल्ला, मैनपुर, हेमतपुर, पुरुषोत्तमपुर, मनी राय का टोल, सलेमपुर तेतरिया, बाघाकोल, इजरी पिपरा, बरजा, बसमनपुर, सेमरिया, जोरवरपुर, मिल्की, चंदा, अगरसंडा, पवट, गनौली, पिपरा, उदयपुर, धमार, तेनुआ, बड़का धरमपुर, छोटका धरमपुर, भकुरा, कड़ारी मानपुर लक्ष्मणपुर।

☞ **शाहपुर प्रखंड पंचायत :-**

**गांव :-** लालू डेरा, परसोदा, दामोदरपुर, लच्छू टोला, करजा, गौरा, बहोरनपुर, सुहिया, ईश्वरपुरा, खुटहा, देवमालपुर बहुदुरी, सारना, भरौली, शहजौली, बरिसल, हरिहरपुर, झौवा बेलवानिया, लहंगडुमरिया, सेमरिया, बिलौटी।

☞ **शाहपुर नगर पंचायत का आधा हिस्सा:-**

**कोईलवर प्रखंड:-** ज्ञानपुर, नया बिंदगावां।

**आरा नगर :-** उजियार टोला, मारुतिनगर, मझौआं, बलबतरा।

उपरोक्त मांगों पर भोजपुर जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया से त्वरित कार्यवाई की अपील है। भाकपा-माले केंद्रीय कमेटी सदस्य व सुदामा प्रसाद, केंद्रीय कमिटी सदस्य अभ्युदय के अलावे नगर सचिव सुधीर कुमार,राज्य कमेटी सदस्य विजय ओझा राज्य कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी, शाहपुर प्रखंड सचिव हरेंद्र सिंह, जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम,जिला कमेटी सदस्य चंदन कुमार, जयशंकर प्रसाद, अशोक गोड़, झक्कड़ बिंद, सियाराम गोड़विद्यावती देवी शामिल थी। यह जानकारी भाकपा-माले जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पत्रकारों को बताया।●

# संदेश में राजद सुप्रीमो का भव्य स्वागत

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के संदेश विधानसभा के अगिआंव स्थित पैतृक आवास पर रविवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का आगमन हुआ। वे करीब 11:30 बजे पहुंचे और दोपहर 3 बजे तक संदेश में मौजूद रहे। उनके स्वागत में माहौल किसी मेले जैसा नजर आया। नौजवानों से लेकर बच्चों तक की भारी भीड़ सिर्फ लालू यादव की एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़ी। कोठी के बाहर कई किलोमीटर तक वीवीआईपी गाड़ियों का काफिला खड़ा रहा। लालू प्रसाद यादव को भोजपुर पहुंचने पर बड़हरा राजद नेता राम बाबू सिंह उर्फ अशोक कुमार सिंह ने कोईलवर से रिसीव किया और अगिआंव कोठी तक लेकर आए। वहां पूर्व विधायक अरुण यादव एवं उनके पुत्र दीपू राणावत सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान पूर्व विधायक अनवर आलम ने भी कायमनगर में उनका अभिनंदन किया। पटना से आने के बाद अल्प विश्राम कर लालू यादव ने पार्टी के पूर्व और वर्तमान पदाधिकारियों एवं संभावित प्रत्याशियों से मुलाकात की। इस मौके पर वर्तमान एमएलसी राधा चरण साह, पूर्व विधायक आशा देवी, जगदीशपुर विधायक राम विशुन लोहिया, शाहपुर विधायक राहुल तिवारी, सोनाली सिंह, बीडी सिंह, मनोज सिंह, शैलेन्द्र कुमार समेत बड़ी संख्या में राजद नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए लोक कलाकारों और स्टार कलाकारों का भी जमावड़ा रहा। गोलू राजा और गायिका बबीता किन्नर ने लालू यादव पर गीत गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। लालू यादव ने गाड़ी से ही स्टेज के सामने बैठकर गायकी का आनंद लिया और खुश होकर दोनों कलाकारों को 5-5 हजार रुपये देकर सम्मानित किया। वहीं, लोक कलाकारों की कई टोलियों ने गोंड लोकनृत्य और अन्य प्रस्तुतियों से लोगों का मनोरंजन किया। विशेष आकर्षण के रूप में स्टार नेत्री सीमा कुशवाहा का आगमन उनके प्रशंसकों के लिए खुशी की लहर लेकर आया। लालू यादव ने इस दौरान यज्ञ में शामिल होकर अरुण यादव के स्व. पिता भुवनेश्वर सिंह यादव की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। भोजन-भोज की भी जोरदार व्यवस्था थी, जिसमें फल, जूस, गोलगप्पे और स्वादिष्ट व्यंजनों का विशेष इंतजाम किया गया था। कार्यक्रम में अरुण यादव ने अंगवस्त्र पहनाकर लालू प्रसाद यादव का सम्मान किया। इसके साथ ही राम बाबू सिंह, सोनाली सिंह, बीडी सिंह समेत कई अतिथियों और कलाकारों को भी अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। जब लालू प्रसाद यादव के दीदार के बाद भी भीड़ कम नहीं हो रही थी तो अरुण यादव ने लोगों को संबोधित करने का आग्रह किया। संबोधन में लालू यादव ने भोजपुर की जनता का आभार जताया और कहा कि अरुण के पिताजी की पुण्यतिथि में आप सभी आए, इसके लिए मैं दिल से धन्यवाद देता हूँ।●

# घूंट-घूंट में भ्रष्टाचार, घूंघट में भ्रष्टाचारी

● बिन्ध्याचल सिंह

'जियो और जीने दो' श्लोगन आप बक्सर जिला के प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय ब्रह्मपुर में अक्सर कंचन, चौसा में सिखा उपाध्याय, इटाढी में कुढी साह के बारे में लोगो से सुनने को मिलता रहता है जो विभिन्न अंचल में आने वाले पोशक क्षेत्र के ग्रामीण के द्वारा जानकारी दी जाती है। जिला के किसी भी अंचल में कोई भी कार्य यथा-परिमार्जन,नकल, जमीन की मापी की रिर्पोट लेना हो आपको सेवा शुल्क देना शौक नही मजबुरी है क्योंकि दलालो के दलदल में पुरा प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय फंस चुका है। वही प्रखण्ड कार्यालय से जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र लेने में भी सेवा शुल्क देना पडता है। वही नगर परिषद् में बिना निविदा का कार्य कराना विभाग के रोजमर्रा में शामिल है। जिला के प्रतितिष्ठित व्यवसायीआदरणीय आलम खान जी के द्वारा एक यूट्यूब चौनल परदिये साक्षात्कार से स्पष्ट होता है कि जिला के कुछ विभाग केवल दलालो के माध्यम से ही आम जनता की समस्या का निदान करते है। हांलाकि जिला अभिलेखागार कार्यालय व जिला भू-अर्जन कार्यालय में वहा के लिपिक ही दलाली का कार्य करते आ रहे है।

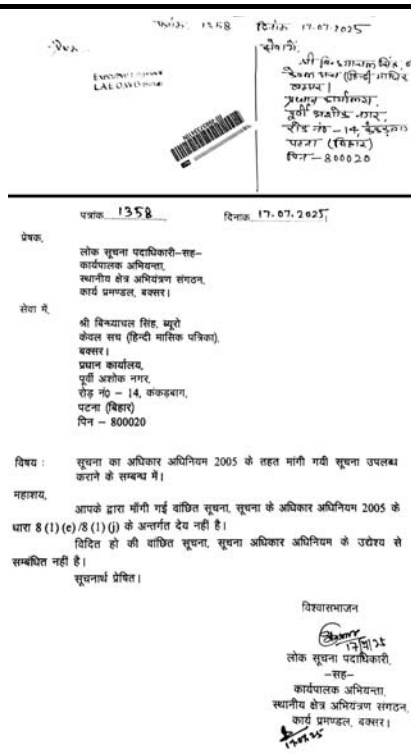

पत्रांक 1358 दिनांक 17.07.2025।

प्रेषक,

लोक सूचना पदाधिकारी-सह-
कार्यपालक अभियन्ता,
स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन,
कार्य प्रमण्डल, बक्सर।

सेवा में,

श्री बिन्ध्याचल सिंह, ब्यूरो
केवल सच (हिन्दी मासिक पत्रिका),
बक्सर।
प्रधान कार्यालय,
पूर्वी अशोक नगर,
रोड नं0 - 14, कंकड़बाग,
पटना (बिहार)
पिन - 800020

विषय : सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गयी सूचना उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में।

महाशय,

आपके द्वारा माँगी गई वांछित सूचना, सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के धारा 8 (1) (e) /8 (1) (j) के अन्तर्गत देय नही है।

विदित हो की वांछित सूचना, सूचना अधिकार अधिनियम के उद्येश्य से सम्बंधित नही है।

सूचनार्थ प्रेषित।

विश्वासभाजन

लोक सूचना पदाधिकारी,
-सह-
कार्यपालक अभियन्ता,
स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन,
कार्य प्रमण्डल, बक्सर।

इसकी जानकारी आम जनता से समाहरणालय परिसर में सुनने को मिलती रहती है। जानकारी के लिये बताते चले कि स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमण्डल, बक्सर से सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गयी सूचना पत्रांक-1358 दिनांक 17/07/2025 को उपलब्ध कराया गया। जिसमें स्पष्ट लिखा हुआ कि विभिन्न धाराओ के तहत देय नही है। परन्तु क्याः? कार्यपालक अभियंता स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमण्डल, बक्सर को जिलाधिकारी बक्सर या बिहार सरकार से आदेश प्राप्त है कि केवल संवेदक या उनके प्रतिनिधि से बाते करते रहे और पत्रकार से न मिलें। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि केवल सच प्रतिनिधि बक्सर को जानकारी प्राप्त हुई कि जनवरी-2025 से जुन-2025 के बीच जितनी भी बिल पास किया गया है वह उस पदाधिकारी का हस्ताक्षार नही है जो इसके प्राधिकृत थे, बल्कि फर्जी हस्ताक्षर कर बिल पास किया गया है जो जॉच का विषय है। परन्तु अपने अधिकार रूपी घुघट में रहने वाले कार्यपालक अभियंता स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमण्डल, बक्सर केवल सच प्रतिनिधि बक्सर से मिलाना नही चाहते है और मिलगें भी कैसे? जिस पदाधिकारी के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी एक आई ए एस का अधिकार और जिसे अपने अधिकारी का आदेश प्राप्त हो।●

# सांसद आदित्य साहू बने प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष

● गुड्डी साव

दशहरा बीतते ही 3 अक्टूबर को भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने अपने महत्वपूर्ण फैसले के तहत झारखंड भाजपा के लिए नए कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में सांसद श्री आदित्य साहू की घोषणा की। तुरंत बाद श्री साहू को बधाई देने वालों का तांता लग गया। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, अर्जुन मुंडा, चंपई सोरेन,मधु कोड़ा,डॉ रविंद्र कुमार राय,दीपक प्रकाश, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पाण्डेय,डॉ दिनेशानंद गोस्वामी,अभय कांत प्रसाद,पी एन सिंह,सहित हजारों लोगों ने श्री साहू को कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर बधाई शुभकामनाएं दी। प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने अंगवस्त्र , पुष्प गुच्छ देकर श्री साहू का स्वागत किया। स्वागत करने वालों ने उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद,विकास प्रीतम, महामंत्री एवम सांसद डॉ प्रदीप वर्मा,मनोज कुमार सिंह, सरोज सिंह,हेमंत दास, शिवपूजन पाठक, योगेंद्र प्रताप सिंह, वरुण साहू,बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, सहित बड़ी संख्या में महानगर और ग्रामीण जिला के कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्णय का स्वागत है। श्री साहू बूथ स्तर से इस मुकाम तक पहुंचे हैं। लंबा राजनीतिक अनुभव है, संसदीय कार्यों का भी अनुभव एक सांसद के रूप में है। इनके अनुभव और कार्यक्षमता का लाभ पार्टी को मिलेगा। राज्य में पार्टी और

मजबूत होगी। उन्होंने आदित्य साहू को नए दायित्व के लिए बधाई, शुभकामनाएं देते हुए उनके यशस्वी जीवन की मंगलकामना की। झारखंड भाजपा के नव नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू ने नए दायित्व के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा,गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष का आभार प्रकट किया। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ,प्रदेश प्रभारी लक्ष्मी कांत वाजपेयी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, संजय सेठ, डॉ रविंद्र कुमार राय, दीपक प्रकाश,रघुवर दास , अर्जुन मुंडा चंपई सोरेन, मधु कोड़ा,डॉ दिनेशानंद गोस्वामी,यदुनाथ पाण्डेय,के प्रति भी अपनी कृतज्ञता प्रकट की। साहू ने कहा कि केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के प्रति वे सदैव आभारी रहेंगे जिन्होंने उनके ऊपर बड़ा भरोसा जताया है। श्री साहू ने कहा कि मैं कार्यकर्ता हूं और कार्यकर्ता बनकर ही पार्टी का कार्य करता रहूंगा। पार्टी की जिम्मेवारी बदलती रहती है लेकिन कार्यकर्ता भाव कभी नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करते हुए सर्व स्पर्शी,सर्व समावेशी संगठन बनाने के लिए कार्य करता रहूंगा। कहा कि राज्य की भ्रष्ट निकम्मी सरकार की नाकामियों को उजागर कर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनाने का उनका सपना है जिसके लिए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री गण,वरिष्ठ नेताओं,प्रदेश नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करूंगा। उन्होंने प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं शुभचिंतकों का आभार प्रकट किया।●

# सड़क और परिवहन को लेकर मुस्तैद हैं दीपक बिरूवा

● गुड्डी साव

झारखंड के मंत्री दीपक बिरुवा भारतीय राजनीतिज्ञ और झारखंड मुक्ति मोर्चा के सदस्य हैं। वह झारखंड सरकार में राजस्व मंत्री पंजीकरण एवं भूमि सुधार मंत्री और परिवहन मंत्री के रूप में कैबिनेट मंत्री हैं। मंत्री बिरुवा 2009, 2014, 2019 और 2024 में पश्चिम सिंहभूम जिले के चाईबासा निर्वाचन क्षेत्र से लगातार झारखंड विधानसभा के सदस्य रहे हैं। झारखंड राज्य की सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार अपनी तरफ से प्रयासरत है। इस प्रयास को लेकर परिवहन मंत्री काफी सजक हैं। मंत्री कोल्हान क्षेत्र से आते हैं जिसकी वजह से उन्हें काफी सारी चीजें मालूम है कि आखिरकार कहां-कहां कार्य की कमी है। वे मंत्री जब नहीं

थे तब भी लगातार अपने स्तर से काम करते रहे हैं। हालांकि परिवहन को लेकर मंत्री के संज्ञान में रहता है जिसकी वजह से वह बहुत सारे काम भी अपने स्तर से करते रहते हैं। सड़क पर सुरक्षा से लोग चल पाए जिसे लेकर उन्होंने कहा कि लोग जरा सी लापरवाही के कारण भारी नुकसान उठा लेते हैं। सड़क में दुर्घटना बहुत आम हो चुकी है आजकल इसलिए इससे कैसे बचा जा सके, हम लोग दुर्घटना से कैसे लोगों को सावधान करें और सुरक्षा दे इसे लेकर लगातार प्रयासरत हैं। सुरक्षा की व्यवस्था को लेकर हम लोग हाईटेक करने का प्रयास करने जा रहे हैं। उन्होंने दुर्घटना मामले को लेकर अपने अनुभव से कहा कि आजकल ज्यादातर लोग हेलमेट नहीं पहनते हैं और सर पर गंभीर चोट लगने से मामला गंभीर हो जाती है आगे बहुत से कार्य परिवहन सुरक्षा को लेकर सरकार करने वाली है।●

# उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा दिव्यांग सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन

● गुड्डी साव

उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा दिव्यांग सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौरपर खिजरी विधायक राजेश कच्छप उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खिजरी विधायक राजेश कश्यप ने कहा दिव्यांगों को ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, ईयर मशीन और जूता समाज में दिव्यांग की सेवा करना सबसे बड़ा काम है। समाज में शारीरिक और मानसिक रूप से दिव्यांग जनों का विकास एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इनको समाज के मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में विशेष पहल किया जाना चाहिए। दिव्यांग की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। विधायक कच्छप 6 अक्टूबर को आरा पंचायत में उषा मार्टिन फॉउंडेशन, टाटीसिलवे की ओर से आयोजित दिव्यांग सहायता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे कि इस अवसर पर विभिन्न गांवों के 25 दिव्यांगों ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, ईयर मशीन और जूता दिया गया है । उन्होंने कहा कि उषा मार्टिन के माध्यम से इर्द गिर्द के गांवों के लोगों को रोजगार के साथ ग्रामीण विकास का वैकल्पिक उपाय मिल रहा है। इसका लोगों को लाभ उठाना चाहिए ताकि समाज का संपूर्ण विकास हो सके। नामकोम प्रखण्ड उप मुखिया वीणा देवी ने कहा कि उषा मार्टिन के माािध्यम से गांवों के समग्र विकास का कार्यक्रम चल रहा है। इससे युवाओं का सशक्तिकरण हो रहा है। इसके अलवा रोजगारोन्मुख कई वोकेशनल कोर्स चलाये जा रहे है। इससे गांव का विकास हो रहा है । इस अवसर पर टाटी पूर्वी के मुखिया कृष्णा पाहन ने कहा कि उषा मार्टिन के सहयोग से गांवों के विकास में योगदान दिया जा रहा है। महिलौंग के मुखिया संदीप तिर्की ने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यो से समाज को लाभ मिलता है। लालगंज के मुखिया अनिल लिंडा ने कहा कि उषा मार्टिन लगातार समाज के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। ऐसे कार्यो की सराहना की जानी चाहिए। फॉउंडेशन ने गांवों के 15 दिव्यांगों को सरकारी योजना से जोड़ने के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड बनवाया गया है। इन दिव्यांगों को शालिनी अस्पताल के माध्यम से विकलांगता की जांच करायी गयी है। इसके अलावा अगले माह से दिव्यांग के लिए एक विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस अवसर उप समाजसेवी शैलेश मिश्रा, अर्चना मिश्रा, विजय टोप्पो और उषा मार्टिन के प्रिया बागची, वरूण कुमार, मोनीत बूतकुमार, भुवनेश्वर महतो, संगीता कुमारी, मेवालाल महतो के अलावा बड़ी संख्या में गांववासी उपस्थित थे। उषा मार्टिन फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि समाज के दिव्यांग जनों की सेवा और सहयोग से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। यह ईश्वर की सेवा है। उषा मार्टिन के माध्यम से गांवों के विकास के लिए एकीकृत कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें समाज के सभी वर्गो के विकास की योजनाएं हैं।। इसमें स्वास्थ, शिक्षा एवं क्षमता निर्माण के साथ रोजगारोन्मुख कार्यक्रम चलाए जा रहे है। इसके अलावा कृषि को वैकल्पिक आय का माध्यम बनाने के लिए कई कार्यक्रम चल रहे हैं। गांवों के लोगों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि उनकी क्षमता निर्माण कर रोजगार एवं आयसंवर्द्धन से उनको जोड़ा जा सके। लाभान्वित होनेवाले दिव्यांग की सूची उषा मार्टिन फॉउंडेशन के तहत विभिन्न गांवों के 25 दिव्यांगों को शारीरिक गतिशीलता और कार्यकुशलता के बैट्री ऑपरेटेड ट्राईसाईकिल, व्हिल चेयर, स्मार्ट केन, बौद्धिक विकास के लिए एमआर किट और ईयर मशीन दिया गया है। खिजरी के विधायक राजेश कच्छप ने ये उपकरण दिये। उपकरण प्राप्त करनेवालों में तुरुप के रंगलाल महतो, ललिता कुमारी, अनगड़ा के जीतराम लोहरा, महिलौंग के रीना कुजूर, लुपूंग के सखीराम चौधरी, चतरा फिलिप तिर्की, टार्टी पूर्वी के आकाश कुमार, पूजा देवी, मुरूम से मंटू टोप्पो, नारायण सोसो से सिकरी मुंडा, धुर्वा से बिंदलाल माहली, टाटीसिलवे से सुरेंद्र सिंह, चतरा से बरतू मुण्डा, ओरमांझी से लक्की कुमारी, सिल्ली से महादेव महतो को बैट्री आंपरेटेड ट्राईसाईकिल वही आरा से रेणु देवी, नवागढ़ से संदीप बेदिया, चतरा से अतुल मुंडा, टाटी पूर्वी से रघुवीर प्रसाद और हरामणी देवी को व्हिल चेयर चतरा के रूकमणि देवी, ओरमांझी के बसंती कुमारी और लोवाडीह के रूबी कुमारी तथा टाटी के जीतेंद्र कुमार को ईयर मशीन दिया गया है।●

## नेशनल पीआर कॉनक्लेव - 2025

# संवाद, विश्वास और नई सोच का संगम

● गुड्डी साव

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (ब्ब्ल) द्वारा आयोजित "नेशनल पीआर कॉनक्लेव-2025" का 8 अक्टूबर को भव्य शुभारंभ सीसीएल मुख्यालय स्थित गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर, रांची में हुआ। दो दिवसीय इस आयोजन में मुख्य अतिथि श्री विनय रंजन, निदेशक (मानव संसाधन), सीआईएल, श्री प्रह्लाद कक्कड़, फिल्म निर्माता, एड गुरू और पत्रकार, पद्मश्री बलबीर दत्त, वरिष्ठ पत्रकार, श्री निलेंदु कुमार सिंह, सीएमडी सीसीएल, श्री सतीश झा, सीएमडी, ईसीएल (ECL), सीसीएल के श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक वित्त, श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक(मानव संसाधन), श्री शंकर नागाचारी, निदेशक तकनीकी(परियोजना एवं योजना), श्री पंकज कुमार, सीवीओ, श्री के. जी. सुरेश, निदेशक इंडियन हेबिटेट सेंटर, डॉ सुरभि दहिया,

एचओडी(एमबीएस), आईआईएमसी, श्री देव व्रत सिंह, एचओडी, सीयूजे, कोल इंडिया के विभिन्न अनुषंगी कंपनियों तथा सीसीएल के अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए, साथ ही देशभर के जनसंपर्क विशेषज्ञ, मीडिया प्रतिनिधि, विज्ञापन जगत के दिग्गज, सीसीएल तथा विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत, अतिथियों को पुष्पगुच्छ, स्मृतिचिंह, दीप प्रज्वलन और कोल इंडिया के कॉर्पोरेट गीत के साथ की गई। इसके बाद बच्चों द्वारा भावपूर्ण गणेश वंदना प्रस्तुत की गई और फिर सीसी एवं पीआर विभाग द्वारा बनाई गई पब्लिक रिलेशंन्स के बदलते स्वरुप पर फिल्म "खामोश" का प्रदर्शन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक (मानव संसाधन), सीआईएल श्री विनय रंजन ने कहा कि सीसीएल द्वारा आयोजित यह "नेशनल पीआर कॉन्क्लेव-2025" का आयोजन पूरे कोल इंडिया के लिए गर्व की बात है। उन्होंने नकारात्मक खबरों का मुकाबला सकारात्मक खबरों से करने की रणनीति पर काम करने का सुझाव दिया। उन्होंने सीसीएल और झारखंड सरकार के संयुक्त पहल से चलाए जा रहे JSSSP का भी उल्लेख किया। ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सीएमडी श्री सतीश झा ने अपने संबोधन में कहा कि "पीआर और विज्ञापन दो अलग चीजें हैं। सिर्फ रिश्ता बनाना ही नहीं, बल्कि विश्वास स्थापित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ईमानदारी, रणनीति और सहानुभूति के साथ कंपनी का अच्छा प्रभाव बनाया जा सकता है। आज पीआर केवल इमेज मैनेजमेंट तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह रिश्ते बनाने और उद्देश्यपूर्ण संवाद का सशक्त माध्यम बन चुका है।

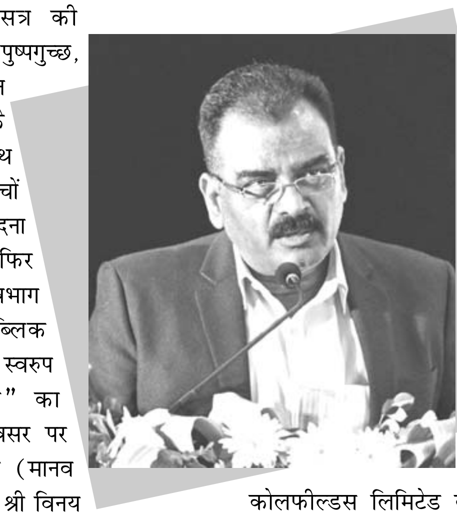

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेंट्रल कोलफील्डस लिमिटेड के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि हमारी सफलता साझेदारी और संवाद पर आधारित है। खासकर एआई की दुनिया में सूचनाओं का आदान-प्रदान और भी महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि जब हम बोलें और सामने वाला समझ जाए यही सशक्त एवं प्रभावी संचार है। मुख्य अतिथि,

प्रमुख विज्ञापन गुरु श्री प्रह्लाद कक्कड़ ने कहा कि हमे कभी हार नहीं मानना चाहिए, याद रखिए डर के आगे ही जीत है। किसी भी संस्था या कंपनी की पहचान केवल उसके काम से नहीं, बल्कि उसके जनसंपर्क से बनती है। पीआर वह सेतु है जो जनता और संगठन के बीच विश्वास का पुल तैयार करता है। आज की युवा पीढ़ी में अपार शक्ति है। उनके विचार, उनके सुझाव, और उनकी दृष्टि किसी भी संगठन को नई दिशा दे सकते हैं। किसी भी कंपनी के लिए यह जरूरी है कि वह युवाओं की बात सुने, समझे और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में शामिल करें। क्योंकि जो संगठन युवाओं को नजरअंदाज करते हैं, वे भविष्य की संभावनाएँ खो देते हैं।

श्री अजय कुमार सिंह, माननीय राष्ट्रपति के पूर्व प्रेस सलाहकार एवं वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि जनसंपर्क केवल सूचना प्रसारण का माध्यम भर नहीं है, बल्कि यह समाज और संस्थान के बीच विश्वास का सेतु है। इंडियन हेबिटेट सेंटर के निदेशक श्री के.जी. सुरेश ने तेज और जिम्मेदार प्रतिक्रिया को आधुनिक पीआर की जरूरत बताया। अपने संबोधन में उन्होंने अलग-अलग वीडियो के माध्यम से दर्शकों को बताया कि रचनात्मक एवं भावपूर्ण कहानियां स्वंय ही प्रभावी संचार में सक्षम होती है, उन्हें कोई भाषाई और भौगोलिक सीमाएं नहीं रोक सकती हैं। उन्होंने कहा एआई के दौर में सूचनाओं के तथ्यपरकता पर प्रकाश डाला। वहीं आईआईएमसी की विभागाध्यक्ष (एमबीएस) प्रो. डॉ सुरभि दहिया, ने कहा कि टारगेट ऑडियंस को समझना और इंडस्ट्री सोर्सेज का बेहतर उपयोग पीआर प्रोफेशनल की कुंजी है।" वहीं, केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड के मास कम्युनिकेशन के विभागाध्यक्ष श्री देव व्रत सिंह ने छात्रों के लिए जनसंपर्क और संचार क्षेत्र में अवसरों की विशेषता पर जोर दिया। वहीं, सीसी एवं पीआर विभाग के विभागाध्यक्ष श्री आलोक कुमार गुप्ता वे कहा कि सीसीएल द्वारा आयोजित यह कॉनक्लेव न केवल विचारों का संगम बना, बल्कि जनसंपर्क के क्षेत्र में नई दृष्टि और दिशा प्रदान करने वाला मील का पत्थर साबित होगा।"

ज्ञात हो कि इस कार्यक्रम में रांची के विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेजों के शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए, उन्होंने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम से उन्हें आधुनिक युग में प्रचलित जनसंपर्क विधा के बारे में बारिकी से जानने का मौका मिला, जिसका उपयोग वे अपने आने वाले करियर में करेंगे। गौरतलब है कि झारखंड की धरती पर पहली बार सीसीएल द्वारा आयोजित यह दो दिवसीय कार्यक्रम का थीम "Redefining PR : From Information to Engagement in the Era of Digitilization" है। ●

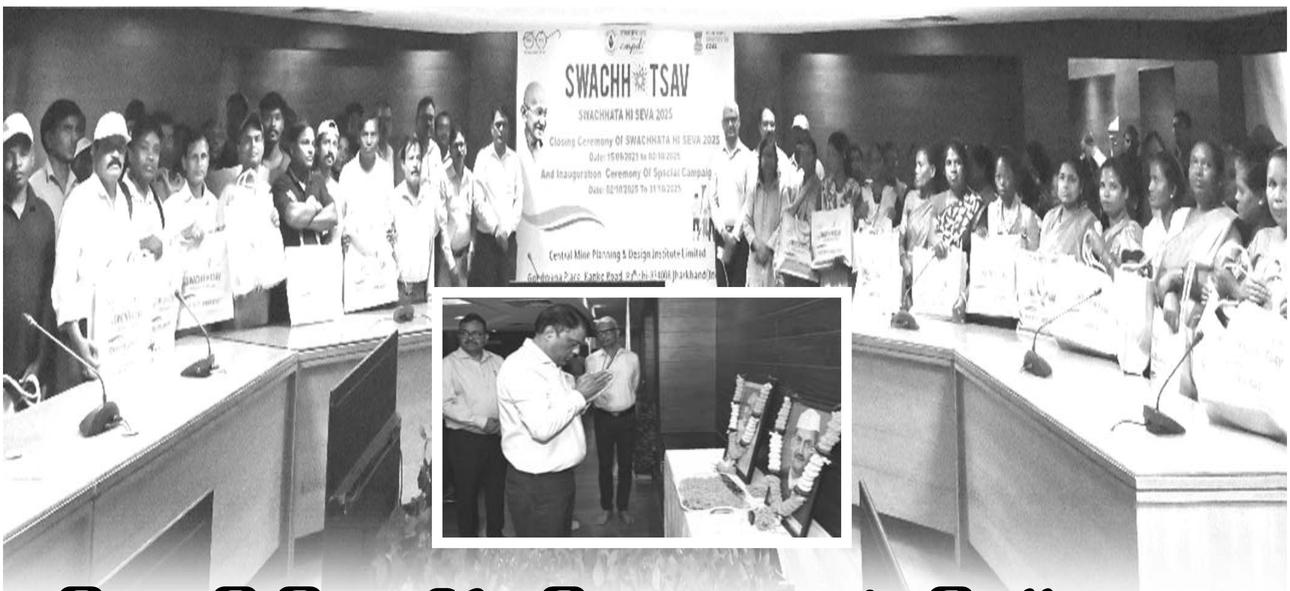


# सीएमपीडीआई ने दी महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी को श्रद्धांजलि

एमपीडीआई ने महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्री शंकर नागचारी, निदेशक (T/CRD); GMs/HoDs; और CMPDI (मुख्यालय) तथा RI-III के कर्मचारी इस solemnn अवसर पर उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए, श्री नागचारी ने याद दिलाया कि 2 अक्टूबर को विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के स्थायी आदर्शों को दोहराता है। उन्होंने कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे गांधी जी के स्वच्छ भारत के VISION के अंतर्गत समर्पित होकर कार्य करें। उन्होंने श्री लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि वे एक ऐसे नेता थे जिन्होंने कठिन समय में साहस और ईमानदारी के साथ राष्ट्र का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर, स्वच्छता ही सेवा 2025 के तहत समर्पित सेवा देने वाले सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया और कृतज्ञता स्वरूप पर्यावरण अनुकूल जूट बैग वितरित किए गए। साथ ही आज से स्पेशल कैंपेन 5.0 का क्रियान्वयन चरण भी प्रारंभ किया गया। ● **रिपोर्ट :- गुड्डी साव**

# ख्यातियों की ऊँचाइयों पर बढ़ती मंत्री दीपिका पांडे सिंह

● गुड्डी साव

ग्रामीण विकास विभाग मंत्री दीपिका पांडे सिंह झारखंड की एक भारतीय राजनीतिज्ञ और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्य है। ये महागामा से झारखंड विधानसभा की सदस्य चुनी गई थी। दीपिका पांडे और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव भी है। महागामा सीट से कांग्रेस विधायक दीपिका पांडे सिंह को मंत्री बनाया गया है। वे लगातार दूसरी बार महागामा से विधायक चुनी गई है। कदमा में रहने वाले गुप्ता व सुधीर महतो के बाद दीपिका पांडे तीसरी विधायक है जो झारखंड सरकार में मंत्री बनी है। 22 जून 1976 को जन्मी दीपिका पांडे की शुरुआती पढ़ाई रांची में हुई। 2008 से 2011 तक जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज से एलएलबी की पढ़ाई की। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा युवा कांग्रेस से शुरू की थी वह झारखंड युद्ध कांग्रेस की निर्वाचित महासचिव रह चुकी

है। 2019 विधानसभा चुनाव में महागामा से उन्हें कांग्रेस से टिकट मिला और भाजपा विधायक अशोक कुमार को हराकर पहली बार विधायक बनी। इससे यही पता चलता है कि उनके पिछले कार्यकाल को महागामा की जनता ने काफी सराहा जिसके कारण वे लगातार दूसरी बार वहां से विधायक चुनी गई। झारखंड विधानसभा मानसून सत्र के दौरान सदन के भीतर मंत्री दीपिका पांडे ने सवाल बोकारो इस्पात संयंत्र से विस्थापित ग्रामों को कब पंचायती राज व्यवस्था में शामिल किया जाएगा पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि बोकारो में पंचायत गठन की मांग लंबे समय से है लेकिन जिन क्षेत्रों में पंचायत की मांग है वह .सेल की अधिगृहीत भूमि पर आते हैं। 2001 के झारखंड पंचायती राज अधिनियम के अनुसार पंचायत गठन तभी संभव है जब जिला प्रशासन की रिपोर्ट और भूमि पर स्वामित्व स्पष्ट हो अभी तक सेल ने जमीन देने की सहमति नहीं दी है पहले भी 2002 में बने पंचायत पर सेल ने कोर्ट में आपत्ति की थी इसलिए यह मामला सिर्फ पंचायती राज विभाग का नहीं है बल्कि जमीन अधिग्रहण से जुड़ा विषय है सरकार प्रयासरत है जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री जी के स्तर से भी चर्चा की जा रही है जैसे ही सेल से एनओसी मिलती है और जिला प्रशासन से सकारात्मक रिपोर्ट आती है तुरंत पंचायत गठन सुनिश्चित किया जाएगा।●

# मंत्री हफीजुल हसन अंसारी की तबीयत में सुधार

● गुड्डी साव

मंत्री हफीजुल हसन की तबीयत में सुधार आते ही उनसे मिलने के लिए जनता दरबार लगनी शुरू हो चुकी है। मंत्री लोगों से मुलाकात भी कर रहे हैं ऐसे में खबर के अनुसार मालूम चला है कि मंत्री ने 11 अक्टूबर को गिरिडीह जिला के डुमरी प्रखंड अंतर्गत कुलगो गांव में विगत दिनों पुलिस कर्मी वाहन चालक मंसूर आलम द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना को लेकर स्वयं उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री ने परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। इस प्रकरण में दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु मंत्री ने कोडरमा पुलिस अधीक्षक से बात की है और निर्देश दिया है कि इस घटना की गहरी जांच कर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने पीड़ित परिवारों को यह भी आश्वासन दिया कि सरकार इस कठिन घड़ी में उनके साथ खड़ी है तथा उन्हें हर संभव आर्थिक, सामाजिक एवं भावनात्मक सहायता प्रदान की जाएगी। यह

अत्यंत दुखद और गंभीर घटना है। हम मंसूर आलम जी के परिवार के दुख में सहभागी है दोषियों को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा सरकार न्याय सुनिश्चित करने और पीड़ित परिवारों को संबल प्रदान करने के लिए पूर्णता प्रतिबद्ध है।●

# झारखण्ड का महासंग्राम अस्तित्व और कुर्मी पहचान की लड़ाई

● **भारती मिश्रा**

झारखंड को अलग राज्य बनाने की लड़ाई से लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के गठन तक जो आदिवासी और कुर्मी/ कुड़मी समुदाय के लोग भाईचारे के साथ खड़े थे, साथ मिलकर लड़ाई लड़ी वो आज एक दूसरे के विरुद्ध खड़े है। झारखंड की धरती एक बार फिर सामाजिक और राजनीतिक उथल-पुथल का केंद्र बन गई है. सड़कों से लेकर सियासत के गलियारों तक, 'आदिवासी बनाम कुर्मी' का मुद्दा गरमाया हुआ है. यह सिर्फ दो समुदायों के बीच का टकराव नहीं, बल्कि पहचान, अधिकार और ऐतिहासिक दावों का एक जटिल महासंग्राम है, जिसने पूरे झारखंड तनाव की स्थिति उत्पन्न कर दी है। ये तनाव इतना गहराता चला गया की दोनो ही समुदाय के लोग एक दूसरे के विरुद्ध टीका टिप्पणी, छीटाकसी करते नजर आ रहेस ये लड़ाई दो समुदाय के साथ दो पार्टियों के बीच की बन गई है। जिस मंच पर दोनो समुदाय एक झंडा लेकर खड़ी नजर आती थी वह दोनो के झंडे बदल गए है। आजसू पार्टी और जेएलकेएम पार्टी के तमाम कुड़मी नेता जहा खुल कर अपने समुदाय के साथ मजबूती से खड़े है। तो वही आदिवासी समुदाय भी पीछे नहीं है।

### ☞ क्या है विवाद की जड़?

दरअसल इस महासंग्राम कि जड़ कुर्मी/ कुड़मी (महतो) समुदाय की दशकों पुरानी मांग है कि उन्हें अनुसूचित जनजाति (ST) का दर्जा दिया जाए। कुर्मी समुदाय का ये तर्क है कि 1931 की जनगणना तक वे आदिवासी के रूप में ही सूचीबद्ध थे, लेकिन स्वतंत्रता के बाद उन्हें साजिश के तहत इस सूची से बाहर कर दिया गया। उनका दावा है कि उनकी परंपराएं, संस्कृति,रहन सहन और गोत्र व्यवस्था भी आदिवासियों के समान हैं और ऐतिहासिक रूप से वे इसी भूमि के मूल निवासी हैं। उन्हे साजिश के तहत अनुसूचित जनजाति की सूची से हटाया गया है। अपनी इस मांग को लेकर कुर्मी समुदाय ने 20 सितंबर 2025

को और उससे पहले 2023 में भी 'रेल टेका' (रेल रोको) और 'डहर छेका' (सड़क जाम) जैसे उग्र आंदोलन किए हैं, जिससे पूरे राज्य में जनजीवन प्रभावित हुआ है। सरकार के द्वारा बात करने के आश्वासन के बाद ये आंदोलन रोकी गई। इस आंदोलन को आदिवासी समुदाय के लोग असंवैधानिक बताते हुए करवाई के लिए राज्यपाल को ज्ञापन भी सोपा।

झारखंड के आदिवासी समाज के लोग कुर्मी समुदाय की इस मांग का पुरजोर विरोध कर रहे हैं। ये विरोध उग्र धरना प्रर्दशन और रैली के रूप में राजधानी रांची से लेकर अन्य जिलों में भी देखने को मिल रही है। इस धरना, प्रदर्शन और रैली में मरने मारने की बात करते नजर आए। आदिवासी संगठनों का मानना है कि कुर्मी एक सक्षम और सशक्त समुदाय है और उन्हें एसटी सूची में शामिल करना आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का हनन है, इससे उनके आरक्षण, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और भूमि अधिकारों पर सीधा हमला होगा. आदिवासी नेताओं का तर्क है कि यह उनके अस्तित्व और पहचान को खत्म करने की एक 'घुसपैठ की कोशिश' है. उनका कहना है कि कुर्मी समुदाय कभी भी आदिवासी मानदंडों को पूरा नहीं करता था और ऐतिहासिक रूप से वे आदिवासी नहीं माने गए है। उनका रीति रिवाज, रहन सहन, खान पान, पूजा पाठ बिल्कुल भिन्न है। अगर कुड़मी समुदाय को अनूसूचित जनजाति का दर्जा मिलता है तो उनको मिलने वाले अधिकारों का हनन है उनके मिलने वाली हक अधिकार बट जाएंगी। कुड़मी समुदाय का अनुसूचित जनजाति के सूची में शामिल करने के मांग के विरोध में विभिन्न आदिवासी समिति और विभिन्न सरना संगठनों ने रांची में राजभवन के समक्ष प्रदर्शन किए हैं और आने वाले दिनों में एक बड़े 'आक्रोश महारैली' की घोषणा की है। कई आदिवासी नेता तो ये भी तर्क देते नजर आ रहे हैं कि कुड़मी समुदाय को हमेशा से अपनी पहचान पर संशय रही है, उन्होंने स्वयं को क्षत्रिय बताते हुए अनुसूचित जनजाति की सूची से अलग होने की मांग की थी। हालाकि इस बाबत कोई पुख्ता प्रमाण नहीं है।

राजनीतिक बिसात और भविष्य की राह के मुद्दा सरकार के लिए भी गले की फांस

बनती नजर आ रही है। सरकार जिसकें भी पक्ष में फैसला लेती है, एक बड़े वोट बैंक की नाराजगी झेलना पड़ सकता है। यह मुद्दा अब केवल सामाजिक न रहकर एक बड़ी राजनीतिक बिसात बन चुका है। आजसू (AJSU) जैसी पार्टियां खुलकर कुर्मी मांग का समर्थन कर रही हैं, तो वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM), कांग्रेस और भाजपा इस संवेदनशील मुद्दे पर संतुलित प्रतिक्रिया देने की कोशिश कर रही हैं. विश्लेषकों का मानना है कि सरकार के लिए यह किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है. कोई भी फैसला एक बड़े वोट बैंक को नाराज कर सकता है. फिलहाल, झारखंड एक ऐसे दोराहे पर खड़ा है, जहां एक तरफ पहचान की लड़ाई है तो दूसरी तरफ दशकों से साथ रह रहे दो समुदायों के बीच बढ़ती खाई. सरकार, सामाजिक संगठनों और दोनों समुदायों के प्रबुद्ध लोगों के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती है कि इस महासंग्राम का हल बातचीत और सौहार्द से निकाला जाए, ताकि झारखंड की एकता और अखंडता बनी रहे।●

# रावण दहन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री सोरेन

● **गुड्डी साव**

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 2 अक्टूबर 'विजयादशमी' के पावन अवसर पर रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में पंजाबी-हिंदू बिरादरी दशहरा कमिटी एवं श्री दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति, अरगोड़ा द्वारा आयोजित भव्य दशहरा एवं रावण दहन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने दशहरा के पावन पर्व पर समस्त राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देने वाला यह त्योहार समाज को सदा सही दिशा में प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आगे कहा कि आज दशहरा का अंतिम पड़ाव है और खराब मौसम होने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग इस आयोजन में सम्मिलित हुए हैं। यह हमारी संस्कृति और परंपरा के प्रति लोगों के गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। इस सामाजिक समरसता के लिए आप सभी को कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं। राज्य सरकार हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने और इसे जीवंत बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विजयादशमी का यह पर्व समाज में बुराई पर अच्छाई की, अन्याय पर न्याय की और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है। उन्होंने विश्वास जताया कि झारखंड की जनता आपसी भाईचारे और सामंजस्य के साथ मिलकर राज्य को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी। इस अवसर पर केंदीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ , मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर, विधायक श्री सी. पी सिंह, विधायक श्री नवीन जायसवाल, झारखंड सरकार के दर्जा प्राप्त मंत्री श्री विनोद पांडे, JSCA के अध्यक्ष श्री अजय नाथ शाहदेव, पंजाबी- हिन्दू बिरादरी दशहरा कमेटी, मोरहाबादी के अध्यक्ष श्री सुधीर उग्गल, चेयरमैन श्री कुणाल अजमानी, पूर्व अध्यक्ष श्री राजेश खन्ना, श्री दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति, अरगोड़ा के अध्यक्ष श्री पंकज कुमार साहू, श्री नरेंद्र प्रसाद साहू, श्री पंचानंद कुमार, श्री कंचन साहू, श्री रवि साहू समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।●

# युवती की हत्या, पिता-पुत्र गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र के PHED पहाड़, फुचका टोली में हुई युवती की नृशंस हत्या मामले में पुलिस ने सफलता हासिल करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

❖ **क्या है मामला :–** 29 सितंबर सोमवार की सुबह एक अज्ञात युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। महिला की गला रेतकर हत्या की गई थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पुलिस और एफएसएल टीम पहुंची। जांच के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रिम्स भेज दिया। घटनास्थल की जांच के साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। पुलिस ने बताया कि मृतक महिला की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। उसके गले में चांदी का हार था। उसके हाथ में सोने की अंगूठियां थीं। दोनों हाथों में कंगन था, जिसे पुलिस ने शव से बरामद किया था। मृतक के शरीर से बुर्का भी मिला है। आशंका थी कि महिला की हत्या लूटपाट के मकसद से नहीं की गई होगी। अगर लूटपाट के मकसद से हत्या होती तो पुलिस जेवरात बरामद नहीं कर पाती। प्रथम दृष्टि में पुलिस को प्रेम–प्रसंग में हत्या होने की आशंका हुई। शव बरामद होने के मामले में सदर थाना में हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई। फिर पुलिस ने प्रेम–प्रसंग की बिंदू पर जांच शुरू किया। पुलिस का कहना है कि जिस स्थान पर शव मिला है, वहां पर कोई महिला नहीं जा सकती है। पुलिस को आशंका थी कि किसी ने महिला को अपने साथ ले जाकर उसकी गला रेतकर हत्या कर दी होगी।

❖ **एसएसपी के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई :–** मामले की जांच को लेकर एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। टीम में सिटी एसपी पारस राणा के नेतृत्व में सदर डीएसपी संजीव बेसरा एवं सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार की अहम भूमिका रही। टीम ने गहन जांच एवं अनुसंधान कर हत्याकांड में शामिल पिता के साथ दो बेटों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकु, मृतिका का सीम, एक स्मार्ट मोबाईल जिसमें अभियुक्तों के द्वारा मृतिका के सीम का इस्तेमाल करके फोन पे से पैसा ट्रान्सफर करने का प्रयास किया गया था एवं अलग– अलग कम्पनी के कुल दो स्मार्ट मोबाईल बरामद किया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों ने इस हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।जांच में यह पता चला कि युवती की हत्या 80 हजार रुपये के बकाये को लेकर की गई थी।

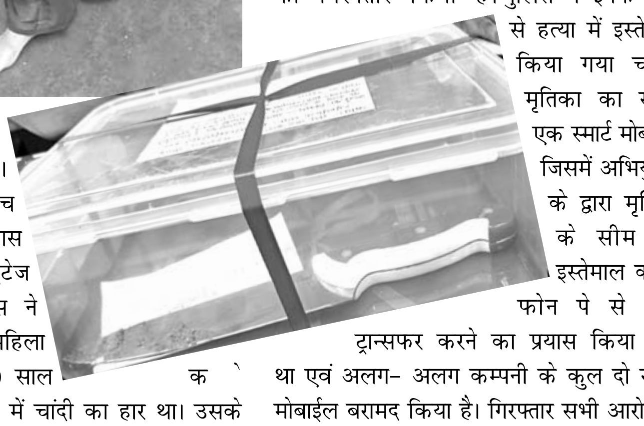

***छापेमारी टीम से शामिल पुलिस पदाधिकारी:–***

- ☞ संजीव बेसरा, पुलिस उपाधीक्षक, सदर, राँची।
- ☞ कुलदीप कुमार, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, सदर, राँची।
- ☞ विकास प्रसाद, पु०अ०नि० सदर थाना, राँची।
- ☞ जमील अंसारी, पु०अ०नि० सदर थाना, राँची।
- ☞ दीपक राणा, पु०अ०नि० सदर थाना, राँची।
- ☞ निर्भय कुमार, पु०अ०नि० सदर थाना, राँची।
- ☞ शाह फैसल, स०अ०नि०, वरीय पुलिस अधीक्षक QRT।
- ☞ आरक्षी प्रवेश कुमार पासवान, वरीय पुलिस अधीक्षक QRT।
- ☞ हव0 705 तारण सिंह।
- ☞ आ0/1029 ब्रजेश कुमार सिंह।
- ☞ आ0/966 हसन इमाम।
- ☞ आ0 3349 प्रभांशु कुमार।
- ☞ सदर थाना सशस्त्र बल।

पुलिस के मुताबिक घटना के मुख्य आरोपी जयपाल सिंह पर मृतिका तनुश्री का 80 हजार रुपया बकाया था। वह इस राशि को लौटाना नहीं चाहता था। जब तनुश्री ने पैसे के लिए दबाव बनाया तो जयपाल सिंह ने उसे पीएचईडी पहाड़ पर बुलाया। जब तनुश्री पहाड़ पर पहुंची तो जयपाल सिंह अपने दोनों बेटों के साथ मिलकर युवती के मोबाइल से फोन पे के जरिये और 50 हजार रुपये ले लिया। इसके साथ ही उसकी निर्ममता से हत्या कर दी।

❖ **तनुश्री द्वारा बार-बार पैसे मांगने पर, तंग आकर कर जयपाल ने कर दी हत्या :-** मृतिका तनुश्री और मुख्य आरोपी जयपाल सिंह के बीच काफी अच्छे संबंध थे। तनुश्री पहले सदर इलाके में ही रहा करती थी। जयपाल सिंह ने तनुश्री से 80 हजार रुपये उधार लिए थे। इसी बीच तनुश्री सदर से ओरमांझी शिफ्ट हो गई और लगातार जयपाल से अपने पैसे की मांग करने लगीं। बार बार पैसों की मांग करने से जयपाल ने खतरनाक प्लान तैयार किया। जिसके बाद जयपाल ने अपने बेटों के साथ मिलकर तनुश्री को जान से मारने और फिर उसके अकाउंट में रखे सभी पैसे गायब करने की योजना तैयार की। प्लानिंग के तहत उसने तनुश्री को बकाया रकम देने का झांसा देकर पीएचईडी पहाड़ी पर बुलाया और गला रेत कर उसकी हत्या कर दी। तनुश्री की हत्या करने के बाद आरोपी जयपाल सिंह, धीरज सिंह और करण सिंह ने युवती के मोबाइल से सिम कार्ड निकलकर अपने मोबाइल में लगा कर फोन पे एक्टिव कर लिया और उसी के माध्यम से 50 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। जयपाल तनुश्री के खाते से सारे पैसे निकालने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को नयिक हिरासत में भेज दिया है।●

# गहनों की चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

● **ओम प्रकाश**

झारखण्ड के जामताड़ा जिले में बिन्दापाथर थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव में हुई लाखों की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य फरार है। पुलिस ने चोरी के गहनों और अन्य सामान के साथ लाखों की संपत्ति बरामद की है। 8 सितंबर 2025 को इस घटना को अंजाम दिया गया था। श्रीपुर निवासी मुकेश कुमार सिंह अपने परिवार के साथ माता वैष्णो देवी की पूजा के लिए घर से बाहर गए थे। इसी दौरान उनके घर में चोरी की वारदात हुई, जिसमें लगभग 10 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के गहने चोरी हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए जामताड़ा एसपी राजकुमार मेहता के निर्देश पर नाला एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराधियों की पहचान की और सभी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार उपाधियां में पिन्टु कुमार सिंह, विवेक उर्फ पवरकर और सचिन सिंह शामिल है। पुलिस ने सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सभी श्रीपुर गांव के ही रहने वाले हैं। इस मामले में नितिन कुमार उर्फ छोटू नामक एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चोरी के कई सामान बरामद किए हैं। इनमें सोने-चांदी के जेवर (नोजपिन, पायल, बिछिया, बाला, कमर खोसनी, चेन, चंद्रमा, ब्रेसलेट, ताबीज, सिक्के आदि), लगभग 20 ग्राम गलाया हुआ सोना, 21 चांदी के सिक्के, 110 पायल,

तीन मोबाइल फोन, तीन मोटरसाइकिल और 5200 रुपए नकद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, चोरी में इस्तेमाल किए गए लोहे के औजार जैसे सब्बल, स्कूड्राइवर, पिलास और छेनीनुमा रॉड भी मिले हैं। इस पूरे मामले पर एसपी राज कुमार मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 08 सितंबर को बिंदापाथर थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव के मुकेश कुमार सिंह के बंद घर में चोरी की घटना हुई थी। पीड़ित की ओर बिंदापाथर थाने में आवेदन दिया गया था कि उनके घर के सभी सदस्य वैष्णो देवी पूजा करने गये थे। इसी बीच उनके घर में चोरी की घटना हो गई। इसमें पीड़ित ने बताया कि उनके घर से सोने एवं चांदी (लगभग 10 लाख के आभूषण) की चोरी हुई है। एसपी ने कहा इस कांड के उद्भेदन के लिए नाला एसडीपीओ मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में एक टीम गठित की गयी।टीम ने उक्त कांड के अनुसंधान के क्रम में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। तलाशी के क्रम में पुलिस ने उनके पास से चोरी में प्रयुक्त हथियार व चोरी के जेवरात भी बरामद किया, जिसकी कीमत करीब 10 लाख बताया जा रहा है। एसपी ने आगे बताया कि जांच में यह सामने आई है कि आरोपी जामताड़ा और बंगाल के विभिन्न सोना दुकानों में चोरी का सामान बेचते थे। पुलिस अब उन दुकानदारों का भी पता लगा रही है, जो चोरी का सामान खरीदते थे।पुलिस के द्वारा फरार एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। महज कुछ ही दिनों में लाखों की चोरी का पर्दाफाश कर देने पर जनता ,जामताड़ा पुलिस की इसकार्रवाई को एक बड़ी उपलब्धि मान रही है। इस छापेमारी टीम में नाला एसडीपीओ मनोज कुमार महतो, नाला प्रभाग के पुलिस निरीक्षक राजीव कुमार सिंह, बिंदापाथर थाना प्रभारी विकास कुमार यादव, एएसआइ राकेश रंजन, हवलदार रंजीत प्रसाद साह, आरक्षी संतोष कुमार सिंह एवं शब्बीर सिद्दिकी शामिल रहे।●

# साढ़े तीन लाख कैश के साथ 18 जुआड़ी गिरफ्तार

राजधानी रांची से बड़ी खबर पुलिस ने जुए के अड्डे पर छापेमारी कर 18 जुआड़ियों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार 25 सितंबर की रात अरगोड़ा थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद को गुप्त सूचना मिली कि आनंदपुरी चौक के पास राजकुमार साव के किराए के मकान में जुआ खेला जा रहा है। जिसके बाद रांची एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर सिटी एसपी पारस राणा ने कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय और हटिया डीएसपी पीके मिश्रा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने अरगोड़ा, सुखदेवनगर, हिंदपीढ़ी और कोतवाली थाना की पुलिस को शामिल किया। इसके बाद पुलिस ने आनंदपुरी चौक के पास राजकुमार साव के किराए के मकान में छापामारी की। छापामारी के दौरान 18 लोग जुआ खेलते हुए पकड़े गए। पुलिस के द्वारा मौके से 3 लाख 43 हजार 835 रुपये नगद, 14 मोबाइल फोन, 24 पैकेट ताश के पत्ते और एक स्कूटी बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में करण मेहता, पिंटू पासवान, विकास यादव उर्फ मोथा, रितिक यादव, बालेश्वर मेहता, दीपक कुमार सोनी समेत अन्य लोग शामिल हैं। सभी सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और पुलिस अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है। आगे की जांच जारी है।● **रिपोर्ट :- ओम प्रकाश**

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता :-**

☞ करण मेहता उम्र 21 वर्ष पे० रामू मेहता सा-चुन्ना भट्टा थाना सुखदेवनगर।
☞ पिन्टू पासवान पे० रघुनंदन पासवान सा० विद्यानगर थाना सुखदेवनगर।
☞ विकास यादव उर्फ मोथा पे० राजकुमार सा० विद्यानगर थाना सुखदेवनगर।
☞ रितिक यादव पे० विजय यादव सा0 आनंदपुर थाना अरगोडा।
☞ बालेश्वर मेहता पे० पुनित मेहता सा०-मधुकम थाना सुखदेवनगर ।
☞ दीपक कुमार सोनी पे० स्व० उमेश सोनी सा० न्यू मधुकम थाना सुखदेवनगर।
☞ अजय कुमार पे० रविन्द्र यादव सा०-विद्यानगर।
☞ बबलू वर्मा पे0 विजय वर्मा सा०-पहाड़ीटोला।
☞ अजय कुमार यादव पे० राजदेव राय सा० आनंदपुड़ी थाना अरगोड़ा।
☞ सुरज कुमार पे० पवन सहनी सा० खादगढ़ा।
☞ सोनू कुमार गुप्ता पे० काशी साव सा० चुन्ना भट्ठा।
☞ सौरभ कुमार सिंह पे० स्व0 प्रमोद कु० सिंह सा० मधुकम।
☞ हेप्पी कटारिया पे० हरिकिशन कटारिया सा० मेट्रो गली।
☞ संजीव साहु पे0 महेन्द्र साव सा0 मिलन चौक।
☞ राकेश मेहता पे0 स्व० सहदेव मेहता सा० न्यू मधुकम।
☞ मोहित प्रजापति पे० द्वारिका प्रजापति सा०-राजा हाता गली।
☞ राज साहु पे0 बच्चु साहु सा० खादगड़ा।
☞ धनंजय साहु पे0 सत्यनारायण साहु सा० खादगड़ा सभी थाना सुखदेवनगर जिला रांची।

❖ **छापामारी दल के सदस्य :-**

☞ श्री प्रमोद कुमार मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक, हटिया।
☞ श्री प्रकाश सोय, पुलिस उपाधीक्षक कोतवाली।
☞ श्री आदिकान्त महतो, पु०नि० सह थाना प्रभारी, कोतवली।
☞ श्री सुनील कुमार कुशवाहा, पु०नि० सह थाना प्रभारी, हिन्दपीढ़ी।
☞ श्री ब्रह्मदेव प्रसाद, पु०नि० सह थाना प्रभारी, अरगोड़ा।
☞ श्री कृष्णा कुमार साहु, पु०नि० सह थाना प्रभारी, सुखदेवनगर।
☞ पु०अ०नि० अजीत कुमार वर्मा, अरगोड़ा।
☞ पु०अ०नि० मीनकेतन कुमार, कोतवाली।
☞ पु०अ०नि० प्रदीप कुमार राय, कोतवाली।
☞ आरक्षी/3684 अनिल भेंगरा, सुखदेवनगर।
☞ आरक्षी/ 1869 जोगेन्द्र पासवान, कोतवाली।
☞ अरगोड़ा थाना सशस्त्र बल।

*नवजात बच्चों के इलाज के लिए बेहतर सुविधा के साथ*

**मदर एंड न्यूबॉर्न केयर युनिट**

**का उद्घाटन**

*शेरघाटी अस्पताल में एमएनसीयू (मदर एंड न्यूबॉर्न केयर युनिट) खुलने से बच्चों के इलाज में सुविधा प्रदान हुई है।*

-: डॉ उदय कुमार, उपाधीक्षक
शेरघाटी अस्पताल

# बिजली के तार एवं केवल मामले में शाहरूख सहित चार गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची की पिठौरिया थाना पुलिस ने सरगना शाहरुख खान सहित चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में चोरी के केबल तार, एक पिकअप वाहन संख्या- JH01FL-8088 और कटर मशीन बरामद किए है। पिठौरिया थाना क्षेत्र में श्रमिक उच्च विद्यालय कोनकी के परिसर से एन०सी०सी० कंपनी के द्वारा ठेकेदार को दिये गये बिजली विभाग के 1500 मीटर केबल वायर को अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी करने की घटना प्रतिवेदित हुई थी। इसके अतिरिक्त पिठोरिया थाना क्षेत्र में विगत एक माह के भीतर विभिन्न स्थानों से अन्य तीन बिजली के केबल चोरी की घटना घटित हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एवं उसके उद्‌भेदन एवं संलिप्त अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय राकेश रंजन के द्वारा पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण),प्रवीण पुष्कर के निर्देशन व वरीय पुलिस

उपाधीक्षक (मु०) प्रथम, अमर कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में थाना प्रभारी, पिठौरिया अभय कुमार एवं थाना के पुलिस पदाधिकारी व सशस्त्र बलों को शामिल करते हुए छापामारी दल का गठन किया गया। गठित छापामारी दल के द्वारा इस कांड का उद्‌भेदन करते हुए घटना में संलिप्त कुल सात अपराधकर्मी को चिन्हित किया गया है, जिसमें से 04 अपराधकर्मी कमश: 1. शाहरूख खान पिता रफिक खान, 2 विकाश कुमार पिता लालदेव ठाकुर दोनो सा०-पालू पिपराटोली थाना पतरातू जिला रामगढ, 3. दिपक कुमार साव पिता सूरज साव सा० न्यू मधूकम थाना सुखदेवनगर, 4. अली मोहम्मद अंसारी पिता जुमाली अंसारी सा० एडचोरो थाना नगडी जिला राँची शामिल है। सभी आरोपियों को दिनांक-05 10.2025 को गिरफ्तार किया गया है। कांड में संलिप्त अन्य तीन अपराधकर्मी फिरार पाये गये है। गिरफ्तारी के उपरांत उक्त सभी अभियुक्तों का बारी-बारी से स्वीकारोक्ति बयान लिया गया है। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों द्वारा स्वीकारोक्ति बयान में बताया गया है कि विगत कई वर्षों से बिजली तार व केबल की चोरी करने का काम कर रहे थे। गत महिना में इस कांड के अलावे पिठोरिया थाना क्षेत्र ग्राम-मारवा (करकट्टा मोड से करकटटा नदी तक), ग्राम-करकट्टा एवं ग्राम-सुतियाम्बे सरकारी स्कूल के पीछे एवं कांके थानान्तर्गत आई०टी०बी०पी० कैम्प डुमरटोली मौजा चेडी आदि स्थलों से पोल में लगे बिजली तार की चोरी की घटनाओं को अंजाम दिये है। इस काम के लिए एक कबाड़ी वाला, पिकअप वाहन एवं चोरी के समान को खरीदने वाले व्यक्ति को शामिल कर एक गिरोह तैयार किया गया है। गिरोह के द्वारा पहले गाँव गाँव घुम घुम कर रास्ते एवं अन्य स्थान पर रखे हुए बिजली तार की रेकी की जाती है, फिर सुनियोजित तरीके से फेरीवाले के माध्यम से उस स्थान पर पहुँचकर बिजली तार व केबल की चोरी कर लिया जाता है। चोरी करने के बाद पूर्व नियोजित तरीके से उक्त तार को कबाड़ी दूकान में बेच दिया करते थे। अनुसंधान के दौरान चोरी के माल को परिवहन करने में प्रयुक्त पिकअप वाहन संख्या-JH01FL-8088 की पहचान किया गया है, जो नरकोपी थाना कांड सं0- 28/2025, दिनांक-19.08.2025 धारा-334 (1)/305 (e) भा०न्या०सं० के तहत एक अन्य चोरी के मामले में वर्तमान में नरकोपी थाना परिसर में जप्त कर रखा गया है। गिरफ्तार सभी 04 अपराधकर्मियों के अपराधिक पूर्ववृत के संबंध में छानबीन की जा रही है। साथ ही चिन्हित व फिरार शेष अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापामारी की जा रही है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।●

❖ **गिरफ्तार अपराधियों का अपराधिक इतिहास :-**

☞ शाहरूख खान पिठोरिया थाना कांड सं0-82/2022,
☞ दिपक कुमार साव-कोतवाली थाना कांड सं0-94/2016
☞ अली मोहम्मद अंसारी बेडो थाना कांड सं0-80/2021, मांडर थाना कांड सं0-16/22, सिमडेगा थाना कांड सं0-135/2024 एवं नरकोपी थाना कांड सं0-28/2025

❖ **छापामारी दल के सदस्य :-**

☞ श्री अमर कुमार पाण्डेय, वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मु०) प्रथम, रॉची।
☞ श्री अभय कुमार, थाना प्रभारी, पिठौरिया।
☞ पु०अ०नि० इकबाल हुसैन, पिठोरिया थाना।
☞ पु०अ०नि० सत्यदेव प्रसाद, पिठौरिया थाना।
☞ पु०अ०नि० संजय कुमार, पिठौरिया थाना।
☞ पिठौरिया थाना सशस्त्र बल।

# दो शातिर चेन स्नैचर्स गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची की जगरनाथपुर थाना पुलिस ने चोरी किए बाइक से महिलाओं के गले से चौन छिनतई करने वाले गिरोह के दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से गलाया हुआ सोना भी बरामद किया गया है। गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि चेन स्नैचर्स भीड़भाड़ वाले इलाके से बाइक चोरी कर उसी बाइक से छिनतई की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। जिसके बाद एसएसपी राकेश रंजन ने मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिटी एसपी पारस राणा को एक विशेष टीम गठित करने हेतु निर्देश दिए। फिर गठित टीम ने छापामारी कर दो अपराधियों को गिरफ्तार किया। मंगलवार को प्रेसवार्ता में सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि बाइक की चोरी कर छिनतई की वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर अपराधियों मतिउल्ला खान और अरशद हैदरी को गिरफ्तार किया गया है। हाल के दिनों में जग्गनाथपुर थाना क्षेत्र में मतिउल्ला खान ने एक महिला से सोने की चेन की छिनतई की थी। जांच में यह बात सामने आई की जिस बाइक का इस्तेमाल स्नैचिंग में किया गया था, उसे राँची के अरगोड़ा इलाके से चोरी किया गया था। जांच के क्रम में और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मतिउल्ला की पहचान हुई थी, जिसके बाद उसे दबोचा गया। मतिउल्ला ने गिरफ्तारी के बाद यह स्वीकार किया है कि वह चोरी की गई बाइक से ही शहर के विभिन्न इलाकों में चौन स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। मतिउल्ला ने पुलिस के सामने यह स्वीकार किया की वह जब भी सोने की चेन छिनतई करता था उसे अरसद नाम का व्यक्ति पिघलाने का काम करता था। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पिघला हुआ सोना भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार अरशद हैदरी सोने की दुकान में कारीगर के रूप में काम करता था और चोरी के गहनों को पिघलाने का काम करता था। पुलिस के अनुसार, मतिउल्ला खान का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और वह अब तक 17 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है।●

**-: अपराधिक इतिहास :-**

❖ **मतिउल्लाह अंसारी उम्र 24 वर्ष पिता अताउल्लाह अंसारी पता-भट्टी चौक, नियर मदिना मस्जिद, थाना हिन्दपीढी जिला रांची :-**

☞ हिन्दपीढी थाना कांड सं0 59/21 धारा 321/324/326/307/34 भा0द0वि०।
☞ हिन्दपीढी थाना कांड सं0 92/17 धारा 321/324/379/411/414 भा0द0वि०।
☞ लोअर बाजार थाना कांड सं0 21 /19 धारा 379 भा0द0वि०।
☞ लोअर बाजार थाना कांड सं0 184/19 धारा 147/148/149/353/341/342/427/323 मा0द0वि0।
☞ लोअर बाजार थाना कांड सं.- 61/21 धारा-25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट।
☞ डोरण्डा थाना कांड सं.-228/21, धारा-392 भा०द०वि०।
☞ डोरण्डा थाना कांड सं.-237/21, धारा-392 भा० द०वि०।
☞ डोरण्डा थाना कांड सं.-197/21, धारा-392 भा0द0वि०।
☞ जगरनाथपुर थाना कांड सं.-344/21, धारा-392 भा0द0वि०।
☞ अरगोडा थाना कांड सं.-272/21, धारा-393/341/342/34 भा0द0वि०।
☞ जगरनाथपुर थाना कांड सं.-08/24, धारा-414 भा0द0वि०।
☞ अरगोड़ा थाना कांड सं.-167/25, दिनांक-12/8/25, धारा-303 (2) बी०एन०एस०।
☞ लालपुर थाना कांड सं.-112/25, दिनांक-2/4/25, धारा-304 (2) बी०एन०एस०।
☞ नामकुम थाना कांड सं.-240/25, दिनांक-17/8/25 धारा-304 (2) बी०एन०एस०।
☞ जगरनाथपुर (पुन्दाग ओ०पी०) थाना कांड सं.-282/25, दिनांक-15/7/25, धारा-304 (2) बी०एन०एस०।
☞ जगरनाथपुर थान कांड सं.-344/25, दिनांक-3/9/25, धारा-304 बी०एन०एस०।
☞ जगरनाथपुर (पुन्दाग ओ०पी०) थाना कांड सं.-251/25, दिनांक-17/6/25, धारा-304 बी०एन०एस०।

❖ **छापामारी टीम के सदस्य :-**

1. दिग्विजय सिंह पु०नि० सह थाना प्रभारी, जगरनाथपुर थाना, रॉची।
2. कृष्ण कुमार साहु पु०नि० सह थाना प्रभारी, सुखदेवनगर थाना, रॉची।
3. सुनील कुमार कुशवाहा पु०नि० सह थाना प्रभारी, हिन्दपीढ़ी थाना, रॉची।
4. पु०अ०नि० सत्यवीर सिंह, जगरनाथपुर थाना, रॉची।
5. पु0अ0नि0 राजीव कुमार रंजन, जगरनाथपुर थाना, रॉची।
6. पु०अ०नि० विनोद साह, जगरनाथपुर थाना, रॉची।
7. पु०अ०नि० उतम कुमार, लालपुर थाना, रॉची।
8. पु०अ०नि० पंकज शर्मा, लालपुर थाना, रॉची।
9. स०अ०नि० पिन्टू पासवान, हिन्दपीढ़ी थाना, रॉची।

# डीएसपी प्रकाश ने दो ब्राउन शुगर तस्कर को किया गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची में एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर शराब एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 26 सितंबर शुक्रवार को कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय को गुप्त सूचना मिली की कोतवाली थाना क्षेत्र के सोमाबाड़ी मैदान में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री हो रही है। सूचना मिलने के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए, थाना प्रभारी आदिकांत महतो एवं उनकी टीम के द्वारा छापामारी कर अरमान हुसैन उर्फ प्रिंस उम्र करीब 25 वर्ष निवासी खेत मुहल्ला, मोजाहिद नगर, बबलू मार्ग थाना हिंदपीढ़ी, जिला रांची को 5.ग्राम अवैध ब्राउन शुगर व ब्राउन शुगर की बिक्री कर प्राप्त 22,280 रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर आरोपी प्रिंस के बताये अनुसार एवं इनकी निशान देही पर मुख्य सलायर सकील उर्फ करूं उम्र करीब 40 वर्ष निवासी छोटा तालाब के पास, खेत गुहल्ला, थाना- हिंदपीढ़ी, जिला- रांची को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर इसके पास से ढाई गराम ब्राउन सुगर बराद किया गया। इन दोनों के अतिरिकत इस संगठित अपराध भें शामिल बाबर उर्फ गुगुन उर्फ इमरान निवासी नेजामनगर, हाजी मोहम्मद गली, थाना- हिन्दपिदी जिला- रांची एव मो० अनु उर्फ सेराज, निवासी अब्दुल करीम लेन. , पुरानी रांची, थाना- कोत्तवाली, जिला- रांची के विरूद्ध कोतवाली थाना में संगठीत अपराघ तथा एन०डी०पी०एस एक्ट की घाराओं में प्राथभिकी दर्ज कर गिरफ्तार अरमान एवं कारू को न्यायिक हिरासात में भेज दिया गया है। रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि अरमान हुसैन और शकील का पूर्व का अपराधिक इतिहास है।इनके खिलाफ कोतवाली,हिंदपीढ़ी और डेली मार्केट थाने में कई मामले दर्ज है।

❖ **अरमान हुसैन उर्फ प्रिन्स का अपराधिक इतिहास :-**

☞ कोतवाली थाना काण्ड सं.-346/2017, धारा-394, भा0द0वि0।

☞ हिन्दपिढ़ी थाना काण्ड सं.-59/2019, धारा-25 (1-I), 26 (2), 35 Arms Act।

☞ डेलीमार्केट थाना काण्ड सं-17/2022, दिनांक-14/06/2022, धारा-147, 148, 149, 120 (ठ),188, 295I, 153AA, 153I, 341, 332,

333, 353, 307, 379, 511 IPC-27 Arms Act-3/4 Presention of Damage To Public Property Act.

☞ डेलीमार्केट थाना काण्ड सं.-16/2022, धारा-147, 148, 149, 120 (B), 341, 353, 153A, 295A, 504 IPC

☞ हिन्दपिढ़ी थाना काण्ड सं.-51/2024, धारा-399/402, भा०द०वि० एवं 25 (1-b), 26, 35 Arms Act

❖ **सकील उर्फ कारू का अपराधिक इतिहासः-**

☞ डेलीमार्केट थाना काण्ड सं.-46/18, धारा-147/148/149/302, भा०द०वि० एवं 25 (1-bja, 26, 35 Arms Act.

☞ डेलीमार्केट थाना काण्ड सं.-16/22, धारा -147, 148, 149, 120 (B), 341, 353, 153A, 295A, 504 IPC.

☞ डेलीमार्केट थाना काण्ड सं. -17/2022, दिनांक-14/06/2022, धारा-147, 148, 149, 120 (8), 188, 295A, 153AA, 153A, 341, 332, 333, 353, 307, 379, 511 IPC-27 Arms Act-3/4 Presention of Damage To Public Property Act.

☞ डेलीमार्केट थाना काण्ड सं.-32/22, धारा -115/1208/153A IPC.

5. हिन्दपिढ़ी थाना काण्ड सं.-74/2023, धारा-387/504/506/34 IPC एवं अन्य 06 पुराने संगिन मामलों में आरोपपत्रित।

❖ **छापामारी टीम के सदस्य :-**

☞ श्री प्रकाश सोय, पुलिस उपाधीक्षक, कोतवाली।

☞ श्री आदिकान्त महतो, थाना प्रभारी कोतवाली थाना।

☞ श्री सुनिल कुशवाहा, थाना प्रभारी हिन्दपिढ़ी थाना।

☞ मनोज सोरेन, थाना प्रभारी अहातु थाना।

☞ प्रदीप कुमार राय, पु०अ०नि० कोतवाली थाना।

☞ मिनकेतन कुमार, पु०अ०नि० कोतवाली थाना।

☞चन्दन कुमार वर्मा, पु०अ०नि० कोतवाली थाना।

☞ सशस्त्र बल। ●

# हथियार के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में दुर्गा पूजा के आयोजन को ध्यान में रखते हुए रांची पुलिस द्वारा एंटी क्राइम चौकिंग व अड्डेबाजी को लेकर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में संध्या गश्ती दल द्वारा रांची खूँटी पथ पर बारह माइल चौक के पास एन्टी क्राईम चेकिंग लगाया गया था। तभी वहां पर तेज रफ्तार से आती हुई एक R15 मोटरसाइकिल देखी गई। जिसपर दो लोग सवार थे। गश्ती दल को देख कर बाइक सवार द्वारा कुछ दुर पर रुक कर गोटरसाईकिल वापस घुमाकर भागने का प्रयारा किया गया। जिसके बाद सशस्त्र बल के सहयोग से दोनो को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर मोटरसाईकिल चला रहे व्यक्ति के बैग से गमछे में बंधा एक लोडेड देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतुस बरामद किया गया। वही पीछे बैठे आरोपी ने अपना नाम लुकस होरो उम्र-28 वर्ष एवं मोटरसाइकिल चला रहे व्यक्ति ने अपना नाम नितेश केरकेट्टा उम्र 27 वर्ष बताया। इसके बाद दोनो को गिरफ्तार कर लिया गया।इस संबंध मे धुर्वा (तुपुदाना) कांड सं0-255/25, दिनांक-25.09.2025 धारा-25 (1-इ)/26/35 आर्म्स एक्ट अंकित किया गया है।

मीडिया को संबोधित करते हुए रांची सीटी एसपी पारस राणा ने बताया कि 25 सितंबर को रात में गश्ती दल द्वारा राँची-खूंटी पथ पर बारह माईल चौक के पास एन्टी क्राईम चेकिंग लगाया गया था। चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर दोनों के पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक आर -15 मोटरसाइकिल बरामद किया गया। जब्त मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर JHO1EY-6471 है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में लुकस होरो उम्र 28 वर्ष पिता चरकु होरो सा० कुश कुमारी, वरटोली थाना लापुंग जिला राँची और नितेश केरकेट्टा उम्र 27 वर्ष पिता महादेव उराँव सा० तिरिल बस्ती कोकर थाना सदर जिला राँची शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि गिरफ्तार अपराधियों का पूर्व का भी अपराधिक इतिहास रहा है। दोनों को न्यायिक हिरसत में भेज दिया गया है एवं पुलिस इनके अन्य साथियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

**अपराधिक इतिहास :-**

1. लुकस होरो के विरूद्ध लापुंग थाना कांड सं.-162/21 दिनांक-07.10.21, धारा-324/341/504/506/302/34 भा०द०वि०, 27 आर्म्स एक्ट एवं 17 सी०एल०ए० एक्ट।
2. नितेश केरकेट्टा के विरूद्ध सदर थाना कांड सं0-22/21 दिनांक-29.11.21, धारा-436 भा०द०वि०।

**छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी :-**

1. पु०अ०नि० दुलाल कुमार महतो।
2. पु०अ०नि० राकेश कुमार-02।
3. पु०अ०नि० शशिकांत कुमार।
4. स०अ०नि० योगेन्द्र प्रसाद।
5. स०अ०नि० शाह फैजल।
6. हव0628 भोला रविदास।
7. आ० अजमत अंसारी।
8. आ० 2052 जॉन कन्डुलना
9. ल०चा०आ० 1097 मनकु यादव एवं वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय की QRT TEAM. ●

# करोड़ों की ठगी करने वाले बाप-बेटा गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची में हाईकोट में सहायक की नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी रिश्ते में बाप-बेटे है। रांची में लोअर बाजार थाना क्षत्र के थडपखना के रहने वाले इस बाप-बेटे की जोड़ी ने ऊंची पहुंच और बड़े अधिकारियों से पहचान का झांसा देकर युवाओं को सरकारी नौकरी का लालच दिया और उनसे एक करोड से ज्यादा रुपए ठग लिए। पुलिस के अनुसार आरोपी राजकुमार और उनका बेटा परमित राज लंबे समय से भोले-भाले युवाओं को यह कहकर फंसा रहे थे कि उनकी पहुंच ऊपर तक है और वे चाहें तो आसानी से हाईकोर्ट में सहायक पद पर नौकरी दिला सकते हैं। इसी बहाने उन्होंने आधा दर्जन से अधिक युवाओं से बड़ी रकम ऐठ ली। शुरुआत में आरोपी पिता-पुत्र युवाओं को तरह-तरह के बहाने देकर आश्वस्त करते रहे, लेकिन समय बीतने के बावजूद किसी को भी नौकरी नहीं मिली। जब पीड़ित युवाओं ने अपने पैसे वापस करने की मांग की तो दोनों बाप-बेटे फरार हो गए। जिसके बाद पीड़ित युवाओं ने मजबूर होकर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि दोनों आरोपी गुपचुप तरीके से रांची वापस लौट गए है और अपने ही घर में छुपकर रह रहे हैं। इधर ठगी के शिकार युवाओं को भी जब इस बारे में पता चला तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी और आरोपी के घर को घेर लिया। मौके पर

पहुंची लोअर बाजार थाना पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस मामले में तीसरे आरोपी की तलाश में पुलिस लगाता छापेमारी कर रही है।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी मामले पर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन आरोपियों ने सिर्फ एक-दो नहीं बल्कि कई लोगों से नौकरी दिलाने के नाम पर भारी रकम वसूली थी। कुल मिलाकर ठगी की रकम एक करोड़ से अधिक बताई जा रही है।यह पहला मौका नहीं है जब राजधानी राँची में नौकरी और ऊंची पहुंच का झांसा देकर ठगी का मामल सामने आया हो।इससे पहले इसी साल बरियातू इलाके से एक शातिर महिला उषा बारला को गिरफ्तार किया गया था। उसने खुद को रिम्स का डॉक्टर बताकर कई लोगों से लाखो रुपए वसूले थे। कोई उससे नौकरी की उम्मीद में पहुंचा तो किसी ने फ्लैट या किसी अन्य सरकारी सुविधा दिलाने की चाह में पैसा दिया। उषा बरला के सिलाफ नगड़ी.बरियातू धुर्वा और नामकुम थाना में अलग-अलग शिकायतें दर्ज थीं। कई महीनों की मेहनत और तकनीकी संसाधनों की मदद से पुलिस ने जून महीने में उसे गिरफ्तार किया था। रांची पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। नौकरी या किसी भी सुविधा के नाम पर पैसों की मांग करने वालों की तुरंत शिकायत दर्ज करानी चाहिए। ●


## अभी कलम उठाइये

**आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें**

**सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961**

**ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।**

# पुलिस और राहुल दूबे गिरोह के बीच जर्बदस्त मुठभेड़

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची के रातू थाना के होचर में पुलिस और राहुल दुबे गैंग के बीच मुठभेड़ की घटना हुई है। मुठभेड़ की घटना शुक्रवार 10 अक्टूबर की सुबह हुई। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में राहुल दुबे गैंग के दो अपराधियों को गोली लगी है, और दो गिरफ्तार किए गए हैं। वही पुलिस ने घटनास्थल से भारी संख्या में हथियार का जखीरा बरामद किया है।

☞ **पुलिस को देखते हैं अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी :-** अपराधियों के जमा होने की सूचना पर पुलिस की टीम ठाकुर गांव ,खलारी और रातू थाना क्षेत्र के सीमा पर पहुंची थी, पुलिस को देखकर अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी जवाबी फायरिंग में दो अपराधियों को गोली लगी है जिन्हें घायल अवस्था में ही गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया गया। वही दो अपराधियों को पुलिस ने खदेड़ कर गिरफ्तार कर लिया।

☞ **भारी मात्रा में हथियार बरामद :-** एनकाउंटर के बाद सर्च अभियान के दौरान रांची पुलिस के द्वारा भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इन अपराधियों के पास से आठ बेहतरीन पिस्टल मैगजीन सहित, देसी पिस्टल का मैगजीन 8 पीस, 7.65 एमएम का जिंदा गोली 33 पीस, 7.62 एमएम का जिंदा गोली 9 पीस, एक महिंद्रा बोलेरो वाहन, एक यामाहा एफजेड दोपहिया वाहन, अपराधियों का पहचान पत्र व आधार कार्ड और मोबाइल 5 पीस जप्त किया है। इन सभी अपराधियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। जिन अपराधियों को गोली लगी है उनकी पहचान कुख्यात साजन अंसारी और अमित गुप्ता के रूप में हुई है। दोनों राहुल दुबे गैंग के लिए काम किया करते हैं। वहीं अन्य गिरफ्तार दो अपराधियों से पुलिस आगे की जानकारी हासिल कर रही है।

☞ **रंगदारी का रकम मिलना बंद होने के कारण दोबारा खौफ कायम करने के लिए जुटे थे अपराधी :-** पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अमन साहू के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद राहुल दुबे ही गैंग की कमान

संभाल रहा है। हाल के दिनों में रांची के कोयलांचल इलाके से इस गैंग को रंगदारी की रकम मिलनी बंद हो गई थी। दहशत फैलाने और दोबारा खौफ कायम करने के लिए ही राहुल दुबे के निर्देश पर गिरोह के एक दर्जन सदस्य दर्जन भर हथियारों के साथ खलारी के लिए निकले थे। लेकिन पुलिस को अपराधियों के मूवमेंट की सूचना मिल गई। जिसके बाद ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर के नेतृत्व में बनी चार थानों की पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। ठाकुर गांव रातू थाने की सीमा पर अपराधी और पुलिस आमने-सामने हो गए। पुलिस को देखकर अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें दो अपराधियों को गोली लगी। पुलिस को भारी पड़ता देख अपराधी खेत की तरफ से निकलने का प्रयास करने लगे, जिसमे से दो को दौड़ा कर दबोच लिया गया। वहीं दो अपराधी गोली लगने से घायल होने के बाद पकड़े गए।

☞ **एसएसपी ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी :-** एसएसपी राकेश रंजन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गैंग फील्ड में रंगदारी और अपराध जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहा है। सूचना मिलने पर ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर के नेतृत्व में टीम गठित की गई और रातू, ठाकुरगांव, बुढ़मू, खिलारी, मैकलुस्की गंज के क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण अभियान चलाया गया। इसी क्रम में 10 अक्टूबर 2025 को करीब 3:30 बजे एक दो पहिया वाहन जो रातू से बुढ़मू की ओर से आता हुआ दिखाई दिया, इसके बाद टीम में शामिल छापेमारी दल ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो, दो पहिया वाहन पर सवार दोनों व्यक्ति कुछ दूर पहले ही सड़क पर उतर गए और गाड़ी छोड़कर पुलिस की ओर निशाना साधते हुए फायरिंग शुरू कर दी। अपराधियों ने करीब 15 राउंड पुलिस पर गोली चलाई, जिसके बाद आत्मरक्षर्थ के रूप में जवाबी कार्रवाई करते हुए करीब 10 राउंड पुलिस के द्वारा भी गोली चलाई गई, जिसमें दो

अपराधी अमित कुमार गुप्ता के एक पैर में गोली लगी, वहीं साजन अंसारी उर्फ शाहिद अंसारी को दोनों पैर पे गोली मारी गई।

☞ **पुलिस के एक पैर पर गोली मारने वाले अपराधी साजन को पुलिस ने दोनों पैरों पे मारी गोली :-** एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि साजन अंसारी उर्फ शाहिद अंसारी वहीं अपराधी है जिसने बीते माह खलारी थाना की पुलिस पेट्रोलिंग के लिए निकले गाड़ी पर सवार हवलदार रामशरेख शर्मा के पैर पे गोली मार दी थी। उन्होंने आगे बताया कि दोनों घायलों को रिम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं दो और अपराधी आतिश दास उर्फ एंकर और देवानंद दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने अपनी बातों को जारी रखते हुए आगे कहा कि अपराधी अपराध का रास्ता छोड़ दें,अपने मुख्य धारा में वापस लौट जाएं और शांतिपूर्वक अपना जीवन यापन करें। वरना रांची पुलिस उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी।

☞ **छापेमारी टीम के सदस्य :-** इन खतरनाक अपराधियों को गिरफ्तार करने में ग्रामीण पुलिस अधीक्षक प्रवीन पुष्कर , खलारी उपाधीक्षक राम नारायण चौधरी , रातू थाना प्रभारी राम नारायण सिंह, खलारी थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो, मैकलुस्की गंज थाना प्रभारी धनंजय बैठा, रातू थाना पुलिस अवर निरीक्षण नवीन शर्मा, संतोष यादव, छोटू कुमार, सहायक अवर निरीक्षक बलिंदर कुमार तकनीकी शाखा, देवराज एवं सशस्त्र बल के जवान कि भूमिका सराहनीय रही।●

# एक्शन में रांची एसएसपी : 12 घंटे के भीतर दो एनकाउंटर

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची में पुलिस ने सिर्फ 12 घंटे के अंतराल में दो अलग-अलग जगहों पर एनकाउंटर किया है। पहला मुठभेड़ तुपुदाना इलाके में, और दूसरा मुठभेड़ मैक्लुसिगंज में हुआ है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर राँची पुलिस अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। बता दे कि इन चार दिनों में पुलिस और अपराधियों के बीच तीन मुठभेड़ हुई है। तीनों मुठभेड़ में पुलिस को सफलता हाथ लगी है। जिसमें चार अपराधियों को गोली लगी है कुल 9 अपराधी गिरफ्तार किए गए है। मुठभेड़ के दौरान ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी और हटिया डीएसपी सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। राँची पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से अपराधियों के खेमे में हड़कंप मचा गया है। एसएसपी राकेश रंजन ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि अपराध और अपराधियों पर शिकंजा कसना जारी रहेगा।

☞ **बालसिरिंग पहाड़ पर पहली मुठभेड़ :-** 13 अक्टूबर सोमवार को पहली मुठभेड़ अहले सुबह तुपुदाना ओपी क्षेत्र में बालसिरिंग पहाड़ पर हुई। जहां जेल में बंद कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा गिरोह के तीन अपराधी बालसिरिंग पहाड़ पर बैठ कर एक बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हजारीबाग से राँची आए हुए थे।

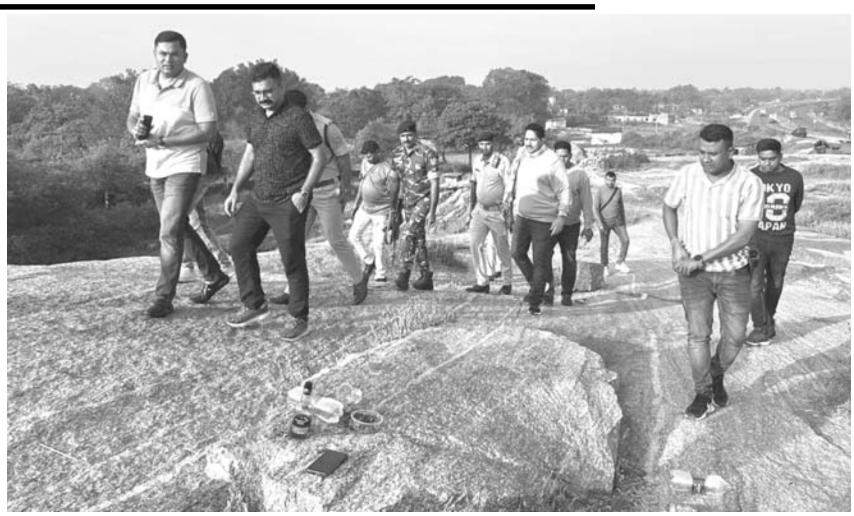

इसकी सूचना राँची एसएसपी राकेश रंजन को मिली। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए एसएसपी की स्पेशल सेल की टीम ने बालसिरिंग पहाड़ के पास अपराधियों की घेराबंदी करनी चाही। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी गोलियां चलाई। जिसमें पहली मुठभेड़क अपराधी आफताब आलम के दाएं पैर में गोली लगी और वह पकड़ा गया। उसे गोली लगा देख दो अन्य अपराधी भी डर गए और पुलिस की गिरफ्त में आए गए। पकड़े गए दो अन्य अपराधियों में मो. तौफिक अंसारी और सोनू पासवान शामिल है। बता दे कि जिस आफताब आलम को पैर में गोली लगी है उसने कुछ ही दिन पूर्व डोरंडा में एक अपार्टमेंट के बाहर अपने साथियों के साथ फायरिंग की थी। इसके बाद उस फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया था। गिरफ्तार तीनों अपराधी सुजीत सिन्हा गिरोह के सक्रिय सदस्य है। तीनों हजारीबाग के खीरबाग और कटकमदाग के रहने वाले है। वहीं, मैक्लुस्कीगंज में पकड़े गए दो अपराधियों में से एक प्रभात कुमार राम को पुलिस लेकर जब एक लूट की मोटरसाइकल बरामद करने के लिए जा रही थी, उसी दौरान प्रभात राम ने पुलिस

का सरकारी पिस्टल छिन लिया और फायरिंग की। जिसके बाद पुलिस ने बचाव में गोली चलाया तो प्रभात राम के पैर में गोली लग गई।

☞ **मैक्लुस्कीगंज से दो अपराधियों को पुलिस ने कार्बाइन व पिस्टल के साथ पकड़ा :-** रविवार की रात पुलिस को सूचना मिली थी कि मैक्लुस्कीगंज के डेगा नदी के किनारे ईट भट्टा के पास लेवी लेने व किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के फिराक में आलोक गिरोह के अपराधी जुटे हुए है। इसी सूचना पर पुलिस की एक टीम वहां पहुंची। कुछ देर बाद पुलिस ने वहां दो अपराधियों को एक बाइक से आते देखा। दोनों को पुलिस ने घेराबंदी कर रोका और धर दबोचा। पकड़े गए अपराधियों में आलोक गिरोह का सदस्य पिपरवार निवासी प्रभात कुमार राम और मैक्लुस्कीगंज का संजय कुमार दास निकला। इनके पास से पुलिस ने एक 9 एमएम की कार्बाइन जिसमें 6 कारतूस लगे थे और एक लोडेड देसी पिस्टल जिसमें चार कारतूस थे जब्त किया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे आलोक गिरोह के सक्रिय अपराधकर्मी है। जो वर्तमान में जेल में बंद गिरोह के सरगना आकाश करमाली के कहने पर संगठित होकर क्षेत्र के व्यवसायीयों, ठिकेदारों, ईट भट्टा मालिकों एवं कोयला का काम करने वालों को फोन पर धमकी देकर रंगदारी/लेवी की मांग करते हैं। दोनों ने बताया कि वे लोग कारोबारियों से अबतक 20 लाख रूपया से अधिक लेवी वसूल चुके हैं। वे आज भी एक ईट भट्टा मालिकों से लेवी लेने के लिए आए थे। उसका वे लोग इंतजार कर रहे थे कि इसी बीच पुलिस कर्मियों ने उन्हें दबोच लिया। दोनों ने आगे बताया कि वे लोग 3 तीन मोबाइल रखे हुए है। राउटर और इंटरनेट के इस्तेमाल से जंगी ऐप एवं व्हाट्सएप कॉल करके रंगदारी और लेवी मांगते है। इनके टारगेट पर ईट भट्टा मालिक, कोयला व्यवसायियों व क्रशर मालिक थे। इनमें दहशत फैलाने के लिए ये लोग फायरिंग भी करते थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस को जानकारी मिली की इन दोनों ने एक लूट की बाइक को कोनका जंगल में छिपा कर रखा है। उसे बरामद करने के लिए पुलिस की टीम प्रभात को लेकर कोनका जंगल जा रही थी। उसी दौरान प्रभात ने एक पुलिस कर्मी की पिस्टल छिन लिया और फायरिंग करने लगा। पुलिस ने भी बचाव में गोली चलाई। जिसमें उसके पैर में गोली लगी। जिसे बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

☞ **यूपी की तर्ज पर राँची पुलिस का भी ऑपरेशन लंगड़ा : चार दिन में चार अपराधियों को मुठभेड़ में लगी गोली :-** राँची के नए एसएसपी राकेश रंजन के आने के बाद से पुलिस लगातार अपराधियों पर नकेल कसने के लिए कार्रवाई कर रही है। पिछले चार दिनों में पुलिस और अपराधियों के बीच तीन मुठभेड़ हो चुकी है। जिसमें अभी तक चार अपराधियों को पैर में गोली लगी है। उत्तर प्रदेश में यूपी पुलिस अपराधियों पर नकेल कसने के लिए ऑपरेशन लंगड़ा चल रही है।रांची में भी यह माना जा रहा है कि यहां भी पुलिस ने अपराधियों पर नकेल कसने के लिए ये ऑपरेशन शुरू किया है। हालांकि राँची एसएसपी का यह कहना है कि ये सभी कार्रवाई पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हुई है। बता दे कि शुक्रवार 10 अक्टूबर को राँची पुलिस ने रातू में मुठभेड़ के दौरान राहुल दूबे गैंग के दो अपराधी साजन अंसारी और अमित के पैर मे गोली मारी थी। फिर चौथे दिन सोमवार को तुपुदाना में सुजीत सिन्हा गिरोह के अपराधी आफताब आलम को पैर में गोली मारी। इसके बाद मैक्लुस्कीगंज में आकाश गिरोह के एक अपराधी प्रभात राम के भी पैर में भी गोली मारी। इधर राँची पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चल रही इस एक्शन की लोग सहराना कर रहे हैं। लोगों का मानना है राँची पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ जो मुहिम छेड़ रखा है। इससे अपराधियों में खौफ पैदा होगा एवं उनका मनोबल टूटेगा।●


## अभी कलम उठाइये

**आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें**

**सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961**

**ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।**

# 30 हजार में शूटर हायर कर पत्नी ने करा दी पति की हत्या

● **ओम प्रकाश**

जिले के चान्हो थाना क्षेत्र के बकैया गांव में जमीन विवाद को लेकर एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। बाराणसी (उ.प्र.) निवासी रामबली यादव की हत्या उसकी पत्नी चम्पा देवी उर्फ चम्पा उरांव ने अपने संबंधियों के साथ मिलकर कर दी।इस मामले में रांची पुलिस ने सात महीने बाद हत्याकांड का राज खोलते हुए पत्नी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में चम्पा देवी उर्फ चम्पा उरांव (31 वर्ष), विष्णु उरांव (19 वर्ष), विकास उरांव (21 वर्ष), आशिष कुमार (19 वर्ष) तथा दो विधि-विरुद्ध किशोर शामिल है। वही पुलिस ने कांड में प्रयुक्त आग्नेयास्त्र और दो मोटरसाइकिलें भी बरामद किए गए है।

☞ **क्या है मामला :-** चान्हो थाना क्षेत्र के बढ़ईया गांव के रहने वाले रामबली यादव की गोली मारकर सात महीने पहले ही हत्या कर दी गई थी। रामबली यादव को जान से मारने वाला कोई और नहीं बल्कि उसकी ही दूसरी पत्नी चंपा थी। चंपा ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर पहले गोली मारकर रामबली यादव की हत्या की और फिर कुएं में शव को फेंक कर जेसीबी की सहायता से कुएं को ही भरवा दिया। पिछले 7 महीने से अपनी पति की हत्या करने के बावजूद चंपा कानून की नजरों से छुपी रही। आखिरकार रांची पुलिस के द्वारा गायब रामबली यादव को खोजने के क्रम में इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा कर दिया गया। दरअसल, मृतक रामबली यादव मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बनारस का रहने वाला था। रामबली यादव पहले से शादीशुदा था लेकिन रांची आने के बाद उसने चंपा उरांव के साथ दूसरी शादी की और फिर पिछले 12 वर्षों से बकैया (चान्हो) में अपनी पत्नी चम्पा देवी के साथ रह रहा था। रामबली यादव बनारस स्थित अपने परिवार वालों से हमेशा संपर्क में रहता था। इसी बीच पिछले कुछ महीनों से रामबली यादव का फोन बंद आने लगा और उसका परिवार वालों से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था। जिसके बाद रामबली यादव की पहली पत्नी का बेटा राहुल यादव ने अपने पिता की खोज शुरू की। चान्हो पहुंचने पर भी राहुल को अपने पिता का कोई सुराग हासिल नहीं हुआ। इसके बाद उसने चान्हो थाना में एफआईआर दर्ज करवाई। राहुल ने अपने पिता के गायब होने को लेकर चंपा पर संदेह जताया था।

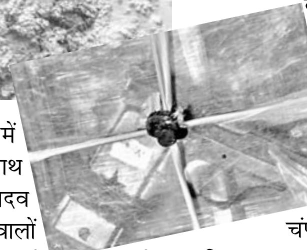

☞ **शक के आधार पर पुलिस ने की निगरानी :-** मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक राँची राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रवीन पुष्कर वं डीएसपी खलारी रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। अनुसंधान के दौरान चम्पा देवी का व्यवहार संदिग्ध पाया गया। जिसके बाद पुलिस ने गुप्त रूप से चंपा पर नजर रखना शुरू कर दिया। संदेह की पुष्टि होने पर पुलिस की टीम के द्वारा चंपा और उसके एक रिश्तेदार विष्णु उरांव को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। कड़ी पूछताछ के दौरान दोनों पुलिस के सामने टूट गए और अपना अपराध स्वीकार करते हुए हत्याकांड की पूरी कहानी का राज पुलिस को बताया।

☞ **बेची गई जमीन से मिला पैसा बना हत्या का कारण :-** रांची ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने कहा कि चंपा ने बताया कि रामबली यादव के द्वारा एक जमीन को बेचा गया था, लेकिन उससे जो पैसे प्राप्त हुए उस पैसे को उसने अपनी पहली पत्नी के पास बनारस भेज दिया। इसी पैसे को लेकर ही चंपा और रामबली यादव में विवाद शुरू हो गया। इस विवाद के बाद चंपा ने अपने कुछ परिचितों के साथ मिलकर रामबली यादव की हत्या की प्लानिंग कर डाली। प्लानिंग के तहत पहले रामबली यादव को चंपा देवी, विष्णु उरांव, विकास उरांव, आशीष कुमार और दो नाबालिगों ने मिलकर गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को छिपाने के लिए उसे खेत स्थित कुएं में फेंक दिया और श्रब्ठ से कुएं को भरवा दिया, ताकि उन पर किसी को कोई शक ना हो और किसी को भी कोई सबूत हासिल ना हो सके।

☞ **मिट्टी खोदकर शव निकाला गया :-** कुएं में शव दफनाने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आनन-फानन में मजिस्ट्रेट की तैनाती कर चम्पा देवी की निशानदेही पर कुएं से भरी मिट्टी को हटाकर रामबली यादव के शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स, राँची भेजा। इस मामले में पुलिस ने चंपा देवी सहित अन्य तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें विष्णु उरांव, विकास उरांव और आशीष कुमार शामिल हैं, जबकि दो नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयोग किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है।●

# एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में 15 बाइक चोर गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची में पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले बड़े गिरोह का खुलासा कर गिरोह के 15 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 24 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद किए गए है।गिरफ्तार वाहन चोरों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देने से पहले ही कस्टमर सेट कर लिया जाता था, उसके बाद घटना को अंजाम दिया जाता था। गिरफ्तार आरोपियों में रूपेश कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह उर्फ चिराग, प्रेम कुमार सईस, विनोद कुमार महतो, रोनित कुमार,आयुष महतो,करण कुमार महतो, बादल सिंह मुंडा,कमलेश कुमार महतो, क्लीन्टन कच्छप उर्फ चुस्की, रोहित सईस, जयदेव महतो, करण गोस्वामी, विनोद महतो, मनोज उरांव और सत्यम महतो रांची शामिल है। चोरी करने के बाद गिरोह के लोग जमकर पार्टी करते थे और होटल में पैसे के बदले महंगी बाइक गिरवी रखवाकर चले जाते थे। कुछ दिन बाद गिरोह होटल पहुंचकर होटल मालिक को यह कहकर धमकता था कि उन्होंने चोरी की बाइक को होटल में रखा है और इस बात की जानकारी वह पुलिस को दे देगा। गिरोह की इस धमकी से होटल कारोबारी डर जाते थे और उन्हें बाइक वापस कर देते थे। बता दे कि पुलिस के लिए चुनौती बने बाइक चोरों के खिलाफ यह एक बड़ी कारवाई है। जिसमें रांची के ग्रामीण एमपी प्रवीण पुष्कर के नेतृव में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामकुम इलाके से एक साथ 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर रांची वासियों को इन चोरों के आतंक से मुक्त कराया है।

ग्रामीण एचपी प्रवीन पुष्कर ने बताया कि सोमवार की शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि नामकुम थाना क्षेत्र के रांची-टाटा मुख्य मार्ग पर बंद टी प्वाइंट नाम के होटल के पास, मोटरसाइकिल चोर गिरोह, बाइक की खरीद बिक्री के लिए खड़े हैं। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए एक टीम का गठन किया गया और एक वृहत छापेमारी

दल का गठन किया गया। पुलिस के गठित दल को जैसे ही गिरोह ने अपने पास आते देखा वैसे ही गिरोह के सभी सदस्य भागने लगे लेकिन पुलिस बल ने घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया। पुलिस ने जब पकड़े गए आरोपियों से बाइक के कागजात मांगे तो उन सभी के द्वारा वहां संबंधित कोई भी डॉक्यूमेंट पुलिस के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया। पूछताछ के दौरान सभी सभी ने स्वीकार किया की मोटरसाइकिल चोरी के हैं एवं इसको बेचने के लिए ही हम सब एकत्रित हुए हैं।इसके साथ ही यह भी बताया गया कि सभी मोटरसाइकिल रांची के विभिन्न थाना क्षेत्रों से अपने गिरोह के सहयोगी के साथ मिलकर चोरी करते थे और चोरी की बाइक का नंबर प्लेट बदलकर सिल्ली, मुरी और रांची के दूसरे क्षेत्रों में सस्ते दाम पर सिंडिकेट के माध्यम से बेच दिया करते थे। आगे उन्होंने यहां बताया कि ये सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। गिरोह के सदस्य अलग-अलग टीम बनाकर बाजार, हाट, दुकान, भीडभाड़ वाले इलाके में रेकी करते हुए चोरी करने की घटना को अंजाम देते थे तथा दूसरे साथी सदस्य के साथ मिलकर चोरी की मोटरसाइकिल को खपाने के लिए सस्ते दामों में खरीदार खोजकर बेच देते थे। गिरोह के द्वारा मुख्य रूप से महंगी बाइक की ही चोरी की जाती थी. जानकारी के मुताबिक गिरोह के कुछ सदस्य, पूर्व में भी जेल जा चुके हैं। मोटरसाइकिल चोरी की घटनाक्रम में अपनी संलिप्तता स्वीकार किये जाने के बाद लगभग 24 मोटरसाइकिल के साथ 15 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इन बरामद बाइकों की अनुमानित कीमत लगभग 30-35 लाख रुपये है। अब पुलिस इस गिरोह के दूसरे सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। छापेमारी में बरामद मोटरसाइकिल से संबंधित दर्ज कांड की भी छानबीन के क्रम में चिन्हित किया गया है. बरामद कुल-22 मोटरसाइकिल से अबतक रॉची जिला अंतर्गत नामकुम थाना के 06 कांड, सुखदेवनगर (पंडरा) थाना के 04 कांड, चुटिया थाना के 03 कांड, टाटीसिलवे थाना के 02 कांड, रातू थाना के 01 कांड, बरियातू थाना के 01 कांड, अनगड़ा थाना के 01 कांड एवं नामकुम (खरसीदाग) थाना का 01 कांड सहित कुल 19 कांडों का उद्भेदन हुआ है।●

# ध्यान के अभ्यास से मिलेगा स्वस्थ जीवन

● रणवीर कुमार सिंह

आज की 21वीं सदी में जबकि मनुष्य जीवन में जीने का सर्वाधिक सुख-साधन मौजूद हैं और स्वास्थ्य व्यवस्था भी पहले की अपेक्षाकृत बेहतर होती हुई दिखाई पड़ रही है। इसके बावजूद विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं, बीमारियाँ तथा अनेक शारीरिक और मानसिक व्याधियां दिन दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तो यह भी सार्वजानिक रूप से स्वीकार किया जाने लगा है कि कोई भी मनुष्य आज के दौर में पूर्ण स्वस्थ नहीं है। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ जैसे हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप, कुछ प्रकार के कैंसर, स्ट्रोक, दीर्घकालिक श्वसन रोग और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों के रूप में उभर रही हैं। वर्ष 2021 में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार तीन एक भारतीय हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा चार में एक का है, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आज विश्व भर में होने वाली कुल मौतों का 74% योगदान जीवनशैली से जुड़ी बिमारियों का है। इसी प्रकार वर्ष 2023 में अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह संघ के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग 77 मिलियन तथा दुनिया भर में 537 मिलियन से अधिक जनसँख्या मधुमेह से पीड़ित है और जिस तेजी से यह बढ़ रहा है, वर्ष 2030 तक भारत में मधुमेह के मरीजों की संख्या 101 मिलियन से अधिक हो जाने की सम्भावना है। इस दृष्टिकोण से भारत को दुनिया भर में अब मधुमेह की होने वाली राजधानी कहा जाने लगा है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान प्राय: जिन दवाओं का इस्तेमाल करता है वह उपरोक्त बीमारियों के लक्षणों को प्रभावी रूप से नियंत्रित करने में तो सक्षम है तो मगर उसके बड़े सारे दुष्परिणाम भी हैं। क्योंकि ऐसा प्राय: देखा जाता है कि एक बीमारी का इलाज होते न होते दूसरी बीमारियाँ प्रकट होने लगती हैं। ब्लड प्रेशर का इलाज करा रहा इन्सान कुछ दिनों बाद किडनी और दूसरी बिमारियों का इलाज करा रहा होता है। अपने मधुमेह को दवा से नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा व्यक्ति, भविष्य में ज्यादा शक्ति की दवा या कृत्रिम इन्सुलिन लेने की ओर बढ़ रहा है। वास्तव में किसी भी रोग के तात्कालिक लक्षण - मात्र को हटा देना एक सम्पूर्ण इलाज हो ही नही सकता, जबतक बीमारी के मूल कारण को जड़ से खत्म नहीं कर दिया जाय। हालाँकि भारत ही नहीं विश्व भर में इन विषयों पर कार्य कर रही संस्थाएं जीवनशैली से जुड़ी इन बिमारियों के रोकथाम हेतु अपना पूरा जोर लगा रहीं हैं। मगर बहरहाल स्थिति यही है कि यह भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में व्यक्तिगत, परिवार और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों पर यह बोझ भारी पड़ रहा है। अपने आसपास भी नजर दौड़ाने पर आप पाएंगे कि आज हर घर कार्यालय में मधुमेह और रक्तचाप और जीवनशैली की अन्य बिमारियों के मरीज बहुतायत में मौजूद हैं। और तो और जो बीमारियाँ पहले 50 की उम्र के बाद दस्तक देती थीं वह आजकल कम उम्र में ही अनेक लोगों को अपना शिकार बना रहीं हैं। जीवन में एक दुसरे से आगे बढ़ने की होड़ और कमजोर हो रही रिश्तों की डोर, आरामतलब जीवनशैली, रात में देर से

सोना, खानपान की बदलती आदतें, प्रदूषित शारीरिक और मानसिक आहार यह सब मिलाकर शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य को लगातार चौपट कर रहे हैं। मानसिक तनाव की भी इसमें एक बड़ी भूमिका है। आज के पीढ़ी में तनाव, चिंता और अवसाद जीवन का हिस्सा बन गए हैं। बच्चों से लेकर बड़े सभी आज किसी न किसी स्तर पर अन्दर और बाहर से तनाव या दबाव में जी रहे हैं। वास्तव में तो मन ही शरीर का संचालक है अत: मन की अस्तव्यस्तता और चिंता का प्रभाव शरीर पर तुरंत शुरू हो जाता है। यह अन्दर ही अंदर जलाता है, कमजोर और बीमार करता है। इसीलिए कहा जाता है कि चिता और चिंता एक सामान होती है। हालाँकि जीवनशैली से होने वाली बिमारियों के लिए अन्य कारण भी हैं मगर तनाव और अवसाद भी इसके मुख्य कारणों में से एक हैं। मन के अस्थिर होने पर शरीर का तंत्रिका तंत्र लगातार यह अनुभव करता है कि जैसे उसे किसी कठिन परिस्थिति से लड़ना है अत: वह उस काल्पनिक परिस्थिति से लड़ने के लिए शरीर को तैयार करने लगता है । होता यह है कि जब चिंता और तनाव अंतर्मन में चलते रहते हैं तो शरीर में कोर्टिसोल और एड्रीनेलिन नामक तनाव के रसायन का निर्माण शुरू हो जाता है। कोर्टिसोल रक्तप्रवाह में चीनी की मात्रा बढ़ाता है, जबकि एड्रेनालाईन हृदय की गति और रक्तचाप बढ़ाता है। शरीर अतिरिक्त ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए पहले से लीवर में स्टोर कर रखे गए ग्लूकोज को रक्त प्रवाह में तेजी से उढेलने लगता है। यह प्रक्रिया कभी-कभी बिना ब्रेक के गाड़ी की तरह लगातार चलती रहती है। फिर खून में चीनी लगातार बढ़ा हुआ रहने लगता है और अंतत: खून में चीनी की मात्रा को नियंत्रित करने वाला सिस्टम आंशिक या पूर्णतया डैमेज हो हो जाता। इस अवस्था में को डायबिटीज, मधुमेह या चिनिया रोग कहा जाता है। यही हाल ब्लड-प्रेशर और उससे जुड़ी परिस्थितियों में भी होता है। किडनी के उपरी हिस्से से निकलने वाला तनाव का दुसरा प्रमुख रसायन एड्रीनेलिन एक ओर तो रक्त वाहिकाओं को संकुचित करता है, दुसरे रक्त प्रवाह को बढ़ा देता है। इन परिस्थितियों में कोई व्यक्ति जब चिकित्सक के पास जाता है तो जाँच में पता चलता है कि ब्लड-प्रेशर के साथ ही उनके खून में चीनी की मात्रा भी बढ़ी हुई है और इस सब के कारण शरीर के अंदर के कोमल नस-नाड़ियों से बने और जीवन को बनाये रखने के लिए मुलभुत रूप से जरुरी अंग जैसे कि मस्तिष्क, हृदय, किडनी, आँखें और अन्य सारे सम्बंदित अंग-प्रत्यंग के डैमेज होने की सम्भावना कई गुना बढ़ जाती है जिसमे ब्रेन-स्ट्रोक, किडनी फेलियर, हार्ट-अटैक जैसी दुर्घटनाओं की सम्भावना कई गुना बढ़ जाती है। हमारा शरीर, भौतिक तौर पर रक्त, मास और हड्डियों से बना हुआ और इन सभी के समन्वय से कार्य करने वाला एक यंत्र सा प्रतीत

डॉ० रिचर्ड डेविड्सन

होता है। इस समन्वय का संचालन मन के सहयोग से मानसिक अवस्था के अनुसार होता है। नसें और तंत्रिका तंत्र, जोकि शरीर के अंग-अंग में संदेशों के संचारन का कार्य करने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के सूक्ष्म रसायनों के उत्पादन का कार्य भी करती हैं। इन सूक्ष्म रसायनों को न्यूरो- ट्रांसमीटर कहा जाता है। ये शरीर के अन्दर किसी क्रिया को करने के लिए उत्प्रेरक की तरह कार्य करती हैं। इनका उत्पादन शरीर की आन्तरिक आवश्यकताओं के अनुसार स्वत: ही होता रहता है। पर मन की अवस्था और भावनाओं का इनपर जबरदस्त प्रभाव पड़ता देखा गया है।

वर्ष 2019 में एम्स अस्पताल दिल्ली में डॉ. सिंह और उनके सहयोगियों ने 260 मरीजों पर 3 माह तक अध्ययन किया। कुल मरीजों के उन्होंने 2 समूह बनाये द्य एक को नियमित प्रतिदिन ध्यान और दुसरे को आहार का नियंत्रण कराया गया। परिणाम में पाया गया कि आहार का नियंत्रण की अपेक्षा नियमित प्रतिदिन ध्यान करने वाले समूह में मधुमेह, रक्तचाप, तनाव और हृदयाघात के लिए जिम्मेदार उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल में कमी आई और उनमे से लगभग आधे के मेटाबोलिक सिंड्रोम में सुधार होना शुरू हो गया। मेटाबोलिक सिंड्रोम में उच्च रक्तचाप, उच्च रक्त शर्करा, कमर के आसपास अतिरिक्त चर्बी, उच्च ट्राइग्लिसराइड स्तर और कम 'अच्छा' (HDL) कोलेस्ट्रॉल जैसी स्थितियां शामिल हैं। इन स्थितियों में से तीन या उससे अधिक होने पर मेटाबोलिक सिंड्रोम कहा किया जाता है। वर्ष 2024 में श्री वेंकटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान, तिरुपति के प्रोफेसर डॉ. विश्वेश्वर राव गुथी और उनकी टीम ने रक्तचाप के 112 रोगियों को दो समूह में बाँट कर 4 माह तक एक अध्ययन किया। इनमे से एक समूह को नियमित ध्यान का अभ्यास कराया गया और दुसरे समूह को चिकित्सकों द्वारा दी गई दवाओं और आम दिनचर्या पर छोड़ दिया गया। अध्ययन के अंत में परिणाम चौकाने वाले थे। आम दिनचर्या पर छोड़ दिए गए समूह की अपेक्षा ध्यान वाले समूह के रोगियों में रक्तचाप के साथ ही उनके मानसिक, शारीरिक और जीवन की समग्र गुणवत्ता अपेक्षाकृत उल्लेखनीय सुधार देखा गया।

वर्ष 2003 में डॉ० रिचर्ड डेविड्सन नामक वैज्ञानिक ने अपने शोध में सिद्ध किया कि विपस्सना नामक भारतीय ध्यान पद्धति के अभ्यास से, मस्तिष्क और प्रतिरक्षा तंत्र के कार्य में सकारात्मक परिवर्तन होता है। इसी प्रकार वर्ष 2007 भारत के डॉ प्रधान और उनकी टीम ने अपने अध्ययनों से सिद्ध किया कि ध्यान, तनाव को कम करने के साथ-साथ मधुमेह और हृदय रोग संबंधी मापदंडों में सुधार करने में मदद करता है। जिस प्रकार शरीर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार और व्यायाम की आवश्यकता होती है उसी प्रकार से मन को स्वस्थ रखने के लिए उचित मानसिक आहार और संतुलन आवश्यक है। जिस प्रकार शारीरिक व्यायाम और संतुलित आहार शरीर को स्वस्थ और मजबूत बनाता है ठीक उसी प्रकार उचित मानसिक आहार और ध्यान मन को शांत और सबल बनाता है जो अंतत: शरीर को सही ढंग से कार्य करने में अधिक समर्थवान, सक्षम और हर प्रकार से स्वस्थ बनाता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रबंधन में ध्यान की भूमिका की जाँच करने वाले कई अध्ययन हुए हैं और यह सिद्ध हो गया है कि ध्यान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। यह स्वायत्त तंत्रिका तंत्र को नियमित करने, हार्मोन को नियंत्रित करने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में प्रभावी रूप से मददगार है। मन के शांत होने पर शरीर का तंत्रिका तंत्र खुशी को बढ़ने वाला हार्मोन रसायन डोपामाइन, सेरोटोनिन, एंडोर्फिन, और ओक्सिटोसीन का स्तर बढ़ता हैं। इससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में गुणात्मक सुधार स्पष्ट दीखता है। वास्तव में मन में चल रहे विचार और भावनाएं, मन और शरीर की अवस्था का नियामक होती हैं। ध्यान का अभ्यास तनाव कम करने, बेहतर एकाग्रता, अधिक सकारात्मक व्यवहार और अधिक समय तक खुश रहने का व्यवहार विकसित करता है। शांतचित, सुखकारी और निरोग रहने का कारण बनता है। इससे भी अच्छी बात यह है कि यह सरल, दुष्प्रभाव रहित और दूरगामी सकारात्मक प्रबाव डालने वाला है। ध्यान के अभ्यास का मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों वाले शोध परिणामों ने जीवनशैली की बिमारियों से रोगग्रस्त लोगों और स्वास्थ्य संस्थाओं में अब आशा की एक नई किरण जगाई है और अब अन्य विभिन्न प्रकार के बिमारियों पर भी ध्यान के प्रभाव का अनेक शोधकार्य विश्व भर में किये जा रहे हैं। ध्यान के नियमित अभ्यास से स्वस्थ जीवन संभव है।●

**(लेखक सम्बंधित विषय के शोधार्थी हैं)**

# गुम होते गजराज

## भारत में भगवान गणेश के प्रतीक हाथियों पर गहराता संकट

● संदीप सिंह सिसोदिया

दीपावली में, जब आप अपने आंगन में दीप जलाते हैं और लक्ष्मी पूजा के दौरान सर्वप्रथम गणेश जी की आराधना करते हैं, उनके हाथी स्वरूप को नमन करते हुए प्रार्थना करते हैं कि वे बाधाएं दूर करें और समृद्धि लाएं, क्या दिल में एक टीस नहीं उठती? वे गजराज, जिनकी पूजा हम देवताओं की तरह करते हैं, आज अपने ही अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। कल्पना कीजिए, उन विशालकाय प्राणियों की आंखों में वह उदासी, वह भय, जिनकी चिंघाड़ कभी जंगलों को जीवंत कर देती थी, अब दर्द भरी पुकार बन गई है। वे बेघर हो रहे हैं, अपने प्राचीन जंगलों से खदेड़े जा रहे हैं और हम उनके भक्त उनकी इस पीड़ा के साक्षी मात्र बनकर रह गए हैं। क्या यह हमारी सांस्कृतिक विरासत पर एक करारा तमाचा नहीं?

भारत में गजराज, यानी एशियाई हाथी न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक हैं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र के 'इंजीनियर' भी वे बीज फैलाते हैं, नदियां साफ रखते हैं और जैव विविधता को संतुलित करते हैं। लेकिन 2025 की ताजा रिपोर्ट्स हमें झकझोर देती हैं: जंगली हाथियों की संख्या में 18% की भारी गिरावट, मानव-हाथी संघर्ष में सैकड़ों मौतें, और सिकुड़ते आवास। यह संकट केवल हाथियों का नहीं, बल्कि पूरे पर्यावरण और हमारी साझा विरासत का है।

☞ **संकट की सच्चाई, डरावने आंकड़ों से त्रासदी की झलक :-** भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) की शसिंक्रोनस ऑल इंडिया एलीफेंट एस्टीमेशन (SAIEE) 2025 रिपोर्ट जो पहली बार डीएनए-आधारित तकनीक पर आधारित हैख्रएक कड़वी सच्चाई उजागर करती है। इसमें जंगली हाथियों की आबादी का औसत अनुमान 22,446 बताया गया है, जो 18,255 से 26,645 के बीच है। यह 2017 के 27,312 के अनुमान से 18% कम है। 21,000 से अधिक गोबर के नमूनों का आनुवंशिक विश्लेषण, कैमरा ट्रैप्स का विस्तृत नेटवर्क और 6,67,000 किलोमीटर पैदल सर्वेक्षण ने यह सटीक लेकिन चिंताजनक आंकड़ा तैयार किया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट पिछले आंकड़ों से सीधे तुलनीय नहीं, लेकिन एक नई 'आधार रेखा' स्थापित करती है।

भारत दुनिया के 60% से अधिक जंगली एशियाई हाथियों का घर है, जो आईयूसीएन द्वारा 'संकटग्रस्त' (एंडेंजर्ड) घोषित प्रजाति है। रिपोर्ट के अनुसार, हाथी अब अपने ऐतिहासिक आवास के मात्र 3.5% क्षेत्र में सिमट चुके हैं। कर्नाटक में सबसे अधिक 6,000 से ज्यादा हाथी हैं, जो राज्य की सफल संरक्षण नीतियों का प्रमाण है। पश्चिमी घाट (कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल) में करीब 12,000 हाथी निवास करते हैं, जबकि पूर्वोत्तर के असम और ब्रह्मपुत्र बाढ़ मैदानों में 6,500 से अधिक। लेकिन यहां भी, आवास हानि और विखंडन प्रमुख खतरे हैं। 1996 से 2008 के बीच असम में ही 4 लाख हेक्टेयर जंगल पर अतिक्रमण हुआ, जो हाथियों के प्राचीन प्रवास मार्गों को काट रहा है।

☞ **संवेदनशील प्राणी :-** हाथियों की दैवीय दुनिया और मानव-हाथी संघर्ष की कड़वी हकीकत हाथी सामाजिक और बुद्धिमान प्राणी हैं, वे झुंड में रहते हैं, असाधारण स्मृति रखते हैं और भावनाओं से जुड़े होते हैं। भारतीय उपजाति

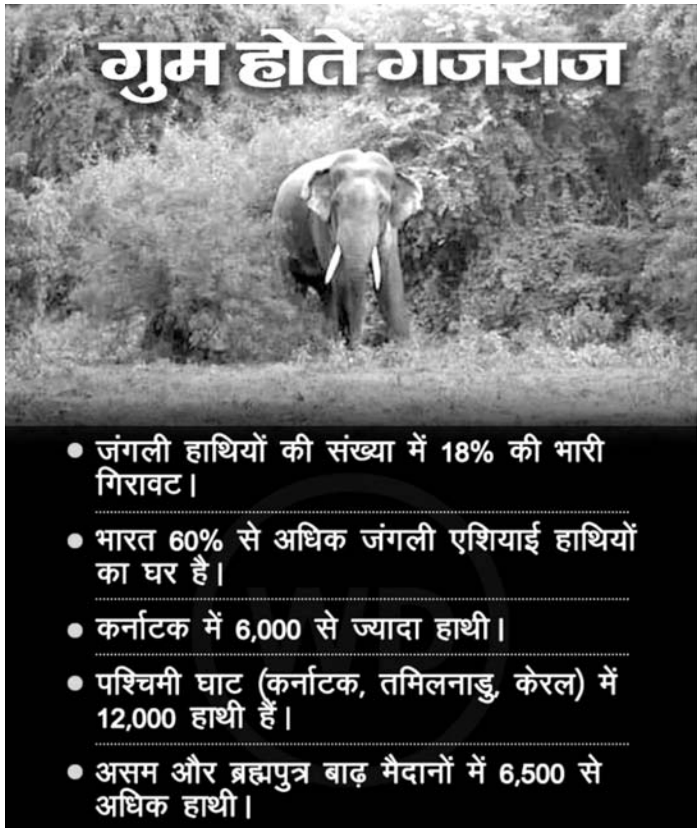


(एलिफास मैक्सिमस इंडिकस) एशियाई हाथी की चार उप-प्रजातियों में से एक है, जो भारत के अलावा भूटान, नेपाल, म्यांमार जैसे 10 अन्य देशों में पाई जाती है। प्रजनन मौसम में नर हाथी 'मस्त' होकर पेड़ उखाड़ फेंकते हैं या गैंडों जैसे बड़े जानवरों से भिड़ जाते हैं, लेकिन यह प्रकृति का हिस्सा है। समस्या तब पैदा होती है जब मानव अतिक्रमण इनके रास्तों पर कब्जा कर लेता है।

'मानव-हाथी संघर्ष' भारत का सबसे बड़ा वन्यजीव संकट बन चुका है। 2020-21 से 2023-24 के बीच मानव मौतें 464 से बढ़कर 629 हो गई, यानी सालाना औसत 450 मौतें। 2019-2023 के पांच वर्षों में कुल 2,829 मानव हताहत हुए। हाथियों की मौतें भी कम नहीं, इसी अवधि में 528 हाथी मारे गए, electrocution इसके प्रमुख कारण है। ओडिशा में 71, असम में 55, कर्नाटक में 52, तमिलनाडु में 49 मौतें। ट्रेन दुर्घटनाएं और बिजली के तार भी हर साल सैकड़ों हाथियों को निगल जाते हैं। असम के सोनितपुर जिले में 2023-24 में 36 हाथी मारे गए, जबकि 31 मनुष्य। छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में HEC हॉटस्पॉट्स बढ़ रहे हैं, जहां फसल क्षति और संपत्ति नुकसान करोड़ों का है। परंतु सवाल वही है: क्या हाथी हमारे इलाकों में घुस रहे हैं, या हम उनके घरों में? संघर्ष के बीच उम्मीद, ऐलिफेंट कॉरिडोर और संरक्षण प्रयास फिर भी, भारत के संरक्षण प्रयास प्रेरणादायक हैं। 2010 में 88 पहचाने गए हाथी कॉरिडोर अब 2023 तक बढ़कर 150 हो चुके हैं, जो 15 राज्यों में फैले हैं। पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 26 कॉरिडोर (कुल का 17%) हैं, उसके बाद कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, असम और ओडिशा। ये कॉरिडोर दो जंगलों को जोड़ते हैं, ताकि हाथी सुरक्षित प्रवास कर सकें। पर्यावरण मंत्रालय की 2023 रिपोर्ट में इनकी वैलिडेशन की गई, और 126 कॉरिडोर राज्य सीमाओं के अंदर हैं। इसके अलावा, 33 हाथी रिजर्व कुल 65,814 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र कवर करते हैं। प्रोजेक्ट एलीफेंट, जो 1992 से चल रहा है, अब प्रोजेक्ट टाइगर एंड एलीफेंट के रूप में विलयित हो गया है। 2024-25 के लिए इसका बजट 290 करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष से 18% अधिक है।

☞ **सफलता की कहानियां भी हैं :-** कर्नाटक ने आवास संरक्षण से 6,000+ हाथियों को बचाया, जबकि वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया जैसी एनजीओ कॉरिडोर सुरक्षा पर काम कर रही हैं। 2024 में प्रोजेक्ट त्न-भ्ठ ने घायल हाथियों के इलाज के लिए फंडिंग बढ़ाई। वैश्विक स्तर पर, एशियन एलीफेंट सपोर्ट जैसे संगठनों ने असम में 2,105 डॉलर जुटाए। लेकिन चुनौतियां बरकरार हैंख़बढ़ती जनसंख्या (कॉरिडोर इलाकों में घनी आबादी) और विकास परियोजनाएं (खनन, राजमार्ग)।

ईश्वर के प्रतीक गजराज पर आया यह संकट हमें चेतावनी देता है कि अगर हमने इन शानदार प्राणियों के 3.5% बचे आवास को भी खो दिया, तो जैव विविधता का नुकसान अपूरणीय होगा। भारत ने 150 कॉरिडोरों को मजबूत करने, आवास बहाली और HEC कम करने के लिए नीतियां बनाई हैं, लेकिन सफलता जन जागरूकता पर निर्भर है। भारत के हृदय में बसे ये गजराज, भगवान गणेश के प्रतीक एशियाई हाथी, केवल हमारी आस्था का आधार नहीं, बल्कि हमारी साझा धरोहर का, हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का सवाल है। क्या हम वाकई उन प्राणियों को भूल जाएंगे, जिन्हें हम हर पूजा में सबसे पहले याद करते हैं? दिल दहला देने वाली यह हकीकत हमें झकझोरती है, क्योंकि हर खोया हुआ हाथी एक टूटा हुआ सपना है, एक खोई हुई कहानी।

आइए, इस दिपावली पर न केवल दीप जलाएं, बल्कि संकल्प लें।

**वन्यजीव संरक्षण :-** वन्य कॉरिडोरों की रक्षा, वन्य प्राणियों को बचाने की मुहिम के लिए आगे आएं। क्योंकि अगर गजराज की गरज फिर से जंगलों में गूंजनी है, तो यह हमारी जिम्मेदारी है। ●

● डॉ पी. के वर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक

# कुपोषण

शरीर के लिए आवश्यक संतुलित आहार का नहीं मिलना हीं कुपोषण है। अक्सर ये बच्चों और महिलाओं में देखा जाता है। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है।

**लक्षण**:- इसके लक्षण में थकान, चक्कर आना, वजन घटना, मांसपेशी का कमजोर होना, शारीरिक और मानसिक दिव्यांग होना, छोटा कद या धीमी वृद्धि होना, इलेक्ट्रोलाइड या पानी का असंतुलित होना इत्यादि।

**इलाज**:- इलाज के लिए सबसे पहले खुद की देखभाल और पौष्टिक भोजन का सेवन करना सामिल है। अपने डॉक्टर से संपर्क करें सलाह लें,रोगों की रोक थाम और पहचान और इलाज के लिए आवश्यक है डॉक्टर से संपर्क करें। मेरा मकसद है सिर्फ जानकारी देना, सलाह और उचित इलाज के लिए आप अपने नजदीकी स्वस्थ केंद्र या डॉक्टर से संपर्क करें।●

## देश का युवा कहाँ भटक गया!

*बर्बाद हो रही है जवानी!*
*नहीं रहा आंखों में पानी!!*
*शर्म हया को छोड़कर!*
*भटक रहे हैं चौराहे पर!!*
*लगी है देश की युवा अब! दंगों में फसादों में,*
*खत्म हो रही जिंदगानी!!*
*सिगरेट धुएं के छल्ले में,*
*जकड़ी है शराब इस कदर बिन सोचे पी रहे जहर,*
*देश का युवा कहां भटक गया!!*
*मां-बाप की कद्र है भूले, तोड़ चले सब रिश्ते नाते,*
*लूट रहे हैं अपनों को ही , चंद पैसों के चक्कर में,*
*देख अकेली मां बहनों को खेल रहे उनकी इज्जत से,*
*तरस नहीं आता उनको, पत्थर भी आज सहम गया,*
*देश का युवा कहां भटक गया!!*

● अंजु प्रभा, वरिष्ठ कवियत्री

## क्यों?

*कभी कभी सोचती हु मैं,*
*क्यों हम कुछ बनना चाहते हैं,*
*खुद को साबित करना चाहते हैं?*

*क्यों हम अन्दर से खोखले,*
*बाहर से रंगीन हैं?*
*क्यों तन की सजावट जरूरी है,*
*मन की शांति काफी नहीं?*

*क्यों चेहरे की मुस्कान काफी नहीं ,*
*औदे की चमक जरूरी है?*
*क्यों हमारी मुस्कान हमारा धन नहीं?*
*क्यों हमारा सुकून हमारी कामयाबी नहीं?*

● प्रांशा राज, लेखिका एवं शिक्षिका

**मेष राशि :-** कारोबार के क्षेत्र में परिस्थितियां आपको हल्का कष्ट पहुँचा सकती हैं पर कोई हानि नहीं होगी, धार्मिक, मांगलिक, आध्यात्मिक कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु खान-पान में व्यवधान उत्पन्न होंगे, दबाव और व्यस्तता वाला समय है, लेकिन आप तालमेल बैठा सकेंगे, कड़ी मेहनत और धन का प्रवाह बना रहेगा। किसी ऐसी समस्या या विवाद के निपटारे के लिए आपको कठोर मेहनत करनी होगी और आप लम्बा समय उसके लिए देंगे, जो आपकी करनी का फल नहीं है।

**वृषभ राशि :-** मित्रों, सहयोगियों, साथियों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे,काम की रफ्तार कुछ कुछ धीमी हो जाएगी व आपके पास अपने लिए कुछ करने का समय होगा, आराम का अनुभव करेंगे। स्वयं पर भरोसा रखें, अपने संस्कारों पर, इन सबमें से अपने प्रिय पर जिसके साथ की आपको जरूरत है व परिवार का आनन्द लें।

**मिथुन राशि :-** आपके नजरिये में व्यापक बदलाव आया है,कई बार बहुत सी ऐसी घटनाएं भी होंगी, जो होनी नहीं चाहिए,सफलता और खुशियां निश्चित रूप से आपके खाते में होंगी, आपका आकर्षण और साहस आपकी राह को आसान बनाएंगे। रोमांस जीवन में सन्तुष्टि और खुशियां लाएगा। भावनात्मक सहयोग मिलेगा।

**कर्क राशि :-** पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वाह आप ठीक से नहीं कर पाएंगे,अपनी जिम्मेदारियों का वहन कुशलतापूर्वक करेंगे, लेकिन आप महसूस करेंगे कि काम और मनोरंजन न तो आपको आकर्षित कर पा रहे हैं और न ही उनसे आपका उत्थान होता है,आपके वायदे अब कोई मायने नहीं रखते हैं। सबसे बड़ी चीज यह है कि आपने हर तरह से सामना करना सीखा हुआ है। अब आप अपने जीवन की तस्वीर को रंग भरकर बड़े कैनवास पर उतारना चाहते हैं।

**सिंह राशि :-** रचनात्मक कार्य, बच्चे,आश्रित लोगों की बेहतरी का समय, यहां तक कि आपके पेड़-पौधों, फूल-पत्तियों में भी बहार का समय है, सहयोग, सहकर्मी तथा सहयोगी आज इन तीनों का सहयोग रहेगा, इसी के साथ ही आप समाज और राजनीतिक हितों की भी चिन्ता करेंगे, पर अपने परिवार को पूरी प्राथमिकता देंगे।

**कन्या राशि :-** महत्वपूर्ण सुधार और बेहतर पारिवारिक जीवन इस पूरे महीने जारी रहेगा, किसी शुभ समाचार की प्राप्ति होगी,आपके लिए अधिकार और उपलब्धियों से भरपूर एक लाजवाब दिन, मगर साथ ही कड़ी मेहनत या भागम-भाग भी,काम के मोर्चे पर तेजी से हो रहे बदलाव के कारण भी आपको मेहनत से काम करने पर मजबूर करेंगे।

**तुला राशि :-** अगर धैर्य बनाये रहेंगे तो सारी बातें स्वत: निपट जायेंगी,तनाव को दूर करने के लिए जीवन संगिनी को लेकर कहीं सैर कर आयें, शांति मिलेगी। अपने स्वाभिमान को बरकरार रखने के लिये अधिक श्रम पड़ेगा, छात्रों के लिये विशेष संघर्ष का समय है, शैक्षिक क्षेत्र में जल्द ही कोई निर्णय लेना होगा। किसी योग्य व्यक्ति के साथ यात्रा का अवसर मिलेगा।

**वृश्चिक राशि :-** काम में रूकावट आयेगी। योजनायें अधूरी रहेंगी। स्थिति में परिवर्तन के स्पष्ट संकेत मिलेंगे। बिना सोचे कार्य में पछतावा, आर्थिक कमी, व्यय की अधिकता, स्वजनों से विवाद। हो सकता है कि पल भर के लिए आपको यह खयाल आया हो कि आपके पास अपना कहने को एक भी पल नहीं हैं, लेकिन अब यह शिकायत नहीं रहेगी। इस पक्ष में आप आय, सम्पत्ति, परिसम्पत्ति, दस्तावेजों, कानूनी कागजातों, उपबन्धों और बारीक छपी शर्तों पर अधिक ध्यान देंगे।

# आपका राशिफल

**पंडित तरुण झा**

**ज्योतिषचार्य**

**( ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ )**

**ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान**

**प्रताप चौक, सहरसा-852201,**

**( बिहार )**

**मो० :- 9470480168**

**धनु राशि :-** अपने स्वास्थ्य, घर, अपनी भविष्य की योजनाओं आदि पर अधिक ध्यान देंगे, हो सकता है कि स्थानान्तरण या विदेश प्रवास की योजना भी बनाएं। यह ऐसा दौर है, जो आमतौर पर आपकी राशि में नहीं आता है, मानसिक शान्ति, भीतरी शान्ति, सुकून मिलेगा, आपको निश्चित रूप से इनकी जरूरत भी है और ये आपको उन तमाम गतिविधियों में मदद देगी, जो आपने हाल में शुरू की हैं।

**मकर राशि :-** व्यापार में उम्मीद से ज्यादा पूंजी फंसानी पड़ेगी,आवभगत, पार्टियां, खाना पीना सब है,सेहत, घरेलू कार्यक्रमों, दिनचर्या को लेकर आप चिन्तित हो सकते हैं, सम्बन्धों को कुछ ऐसी दिशा मिली है कि ये सुखानुभूति देने वाले हो गए हैं, कुल मिलाकर जीवन में सहजता बोध बना रहेगा, हर तरह के सम्बन्ध और भागीदारी महत्वपूर्ण होगी,काम और घर की मांगे दबाव का रूप ले सकती हैं।

**कुंभ राशि :-** समय की भाग-दौड़ में बीत जायेगा, और नतीजा कुछ भी नहीं, जिससे मानसिक और शारीरिक तनाव दोनों सतायेंगे,शेयर सट्टे से दूर रहकर अपना धन बचा सकते हैं। शिक्षा-प्रतियोगिता में भी असफलता हाथ आयेगी,नए कार्यों में दिलचस्पी पैदा होगी,अब आप स्वयं को समूह के एक हिस्से के तौर पर महसूस करेंगे। मौज-मस्ती, पिकनिक, छोटी-मोटी यात्राएं, मनोरंजन के लिए उचित समय है, प्रणय सम्बन्धों में गहराई आएगी।

**मीन राशि :-**मीन के जातकों के लिए यह महीना चुनौतियों से भरा रह सकता है,करियर क्षेत्र में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है,प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए यह माह सामान्य रहेगा, लेकिन उच्च शिक्षा अर्जित कर रहे छात्रों को अपने प्रयास बढ़ाने होंगे, इस राशि के जातकों को प्रेम और पारिवारिक जीवन में संभलकर रहना होगा।

# शिवानंद गिरि
**( अधिवक्ता )**
**Ph.- 9308454485**
**7004408851**
**E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com**

### ✯ SIR संवैधानिक या असंवैधानिक?

भारतीय संविधान हमारे देश का सर्वोच्च कानून है, जो हमारे अधिकारों और कर्तव्यों को परिभाषित करता है। संविधान के अनुसार, कोई भी कानून या नियम जो संविधान के विरुद्ध हो, वह असंवैधानिक माना जाता है। संवैधानिक शब्द का अर्थ है संविधान के अनुसार। कोई भी कानून या नियम जो संविधान के प्रावधानों के अनुसार बनाया गया हो, वह संवैधानिक माना जाता है। संवैधानिक कानूनों का उद्देश्य संविधान के मूल्यों और सिद्धांतों को संरक्षित करना होता है। असंवैधानिक शब्द का अर्थ है संविधान के विरुद्ध। कोई भी कानून या नियम जो संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध हो, वह असंवैधानिक माना जाता है। असंवैधानिक कानूनों को न्यायालय द्वारा रद्द किया जा सकता है।

✯ **संवैधानिक और असंवैधानिक के बीच का अंतर :-** संवैधानिक और असंवैधानिक के बीच का मुख्य अंतर यह है कि संवैधानिक कानून संविधान के अनुसार बनाए जाते हैं, जबकि असंवैधानिक कानून संविधान के विरुद्ध होते हैं। संवैधानिक कानूनों का उद्देश्य संविधान के मूल्यों और सिद्धांतों को संरक्षित करना होता है, जबकि असंवैधानिक कानूनों को न्यायालय द्वारा रद्द किया जा सकता है। संवैधानिक और असंवैधानिक के बीच का अंतर समझना बहुत महत्वपूर्ण है। संवैधानिक कानून संविधान के अनुसार बनाए जाते हैं और संविधान के मूल्यों और सिद्धांतों को संरक्षित करने का उद्देश्य रखते हैं। असंवैधानिक कानून संविधान के विरुद्ध होते हैं और न्यायालय द्वारा रद्द किए जा सकते हैं।

चुनाव आयोग के संदर्भ में, SIR का मतलब है Special Intensive Revision, जिसे विशेष गहन पुनरीक्षण कहते हैं। यह भारत के चुनाव आयोग द्वारा चलाए जाने वाला एक विशेष अभियान है जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट और शुद्ध करना होता हैद्य
यह एक प्रकार की रिपोर्ट है जो चुनाव आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया की निगरानी और मूल्यांकन के लिए तैयार की जाती है। इस रिपोर्ट में चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं का विवरण होता है, जैसे कि मतदान केंद्रों की स्थिति, मतदान प्रक्रिया, और चुनाव परिणामों की घोषणा। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) एक प्रक्रिया है जो चुनाव आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया की निगरानी और मूल्यांकन के लिए अपनाई जाती है। यह प्रक्रिया संवैधानिक है, क्योंकि :-

☞ **चुनाव आयोग की शक्तियां :-** चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 में दी गई शक्तियों के तहत चुनाव प्रक्रिया की निगरानी और मूल्यांकन करने का अधिकार है।

☞ चुनाव प्रक्रिया की निगरानी, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन चुनाव प्रक्रिया की निगरानी और मूल्यांकन के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो चुनाव आयोग को चुनाव प्रक्रिया में किसी भी तरह की अनियमितता या गड़बड़ी का पता लगाने में मदद करता है।

☞ **संवैधानिक प्रावधान :-** स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 324 और चुनाव आयोग के नियमों और विनियमों के अनुसार होती है, जो इसे संवैधानिक बनाती है।

### ✯ क्या नागरिकता का निर्धारण करना चुनाव आयोग का काम है?

नहीं, नागरिकता का निर्धारण करना चुनाव आयोग का काम नहीं है। नागरिकता का निर्धारण करना भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन आता है, जो नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत नागरिकता से संबंधित मामलों को निपटाता है। चुनाव आयोग का मुख्य काम चुनाव प्रक्रिया को संचालित करना, मतदाता सूची को अद्यतन करना, और चुनाव से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। चुनाव आयोग को नागरिकता से संबंधित मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है।

### ✯ क्यों विरोध हुआ SIR का?

विपक्षी राजनीतिक दल SIR का विरोध इसलिए कर रहे थे कि नागरिकता प्रमाण पत्र में जिन जरूरी दस्तावेजों की मांग की गई है उसमें से आधार कार्ड ,वोटर आई कार्ड, मनरेगा कार्ड को दस्तावेज की सूची में से बाहर रखा गया है और यह मामला भी वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में लंबित है सुप्रीम कोर्ट ने भी भारतीय निर्वाचन आयोग से तीखे प्रश्न पूछे हैं की ष्आधार कार्ड ,वोटर आई कार्ड, मनरेगा कार्ड को आप क्यों नहीं जरूरी दस्तावेज में शामिल किए हैं और अगर आपको लगता है कि यह तीनों कार्ड बड़ी मात्रा में जाली बनवाए गए हैं तो दुनिया का कोई भी दस्तावेज जाली हो सकता है, आपका काम नागरिकता का निर्धारण करना नहीं हैष्य हालांकि, चुनाव आयोग मतदाता सूची में शामिल होने के लिए नागरिकता के प्रमाण की मांग कर सकती है, लेकिन यह नागरिकता का निर्धारण करने के लिए नहीं है, बल्कि मतदाता सूची में शामिल होने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जांच के लिए है। इसलिए, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जो चुनाव आयोग को चुनाव प्रक्रिया की निगरानी और मूल्यांकन करने में मदद करती है।

### ✯ आपराधिक कानून में मेंस रिया एवं मोटिव में क्या अंतर है?

आपराधिक कानून में, मेंस रिया और मोटिव (अर्थात् उद्देश्य) में मुख्य अंतर यह है कि मेंस रिया अपराध के समय व्यक्ति की दोषी मानसिक स्थिति (गिल्टी माइंड) को दर्शाता है, जबकि मोटिव उस कार्य के पीछे का वास्तविक उद्देश्य या कारण होता है, जो हमेशा अपराध साबित करने के लिए जरूरी नहीं होता है।

☞ **मेंस रिया की परिभाषा :-** मेंस रिया लैटिन शब्द है, जिसका अर्थ 'दोषी मन' होता है। यह वह मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति अपराध करने का इरादा, जानकारी, या लापरवाही रखता है। किसी व्यक्ति को तभी अपराधी माना जाता है, जब उसने दोषपूर्ण मानसिकता (मेंस रिया) के साथ अपराध किया हो।

☞ **मोटिव ( उद्देश्य ) की परिभाषा :-** मोटिव वह कारण या उद्देश्य है, जिसके चलते व्यक्ति कोई कार्य करता है, जैसे कि किसी ने किसी को मार डाला; अगर उसका उद्देश्य संपत्ति प्राप्त करना था, तो वह मोटिव है। मोटिव अपराध का सबूत है, पर कई बार कानून में इसकी आवश्यकता नहीं होती; मुख्य रूप से कोर्ट आरोपी के इरादे (मेंस रिया) पर ध्यान देती है न कि मकसद पर।

☞ **दोनों में मुख्य अंतर :-**

☞ **मेंस रिया :-** दोषी मन, अपराध करने की मानसिक स्थिति।

☞ **मोटिव :-** कार्य के पीछे का उद्देश्य या कारण।

☞ **कानूनी भूमिका :-**

मेंस रिया अपराध साबित करने के लिए आवश्यक होती है।

मोटिव केवल परिस्थितियों को स्पष्ट करने में सहायक होती है।

☞ **निष्कर्ष :-**

अदालतें अपराधी को सजा देने में मुख्य रूप से मेंस रिया यानी दोषी मानसिकता पर ध्यान देती हैं, न कि केवल उस कार्य के पीछे के उद्देश्य (मोटिव) पर।

अपराध सिद्ध करने में मेंस रिया का प्रासंगिकता अधिक है जबकि मोटिव की भूमिका सहायक है।

# सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर

केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/दक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

**संस्थान**

shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

## श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित

निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073

## केवल सच सामाजिक संस्थान

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

www.shruticommunicationtrust.org

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

www.ks3.org.in

Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)

Jharkhand State Office:- Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi

Mob.- 9431073769

# गुरू गोविन्द सिंह केवल सच सम्मान-2025

Kewalsach news

**दिनांक -21 दिसंबर 2025**

**स्थान - कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली**